खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 03 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-274

अध्ययनद में खुलासा: हर साल 2 मिलीमीटर बढ़ रही माउंट एवरेस्ट चोटी

अरूण नदी के चट्टान और मिट्टी को काटने के कारण हो रही वृद्धि

लंदन, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी, माउंट एवरेस्ट अब हर साल करीब 2 मिलीमीटर ऊंची होती रही है। यह चौंकाने वाला खुलासा यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नए अध्ययन से सामने आया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह वृद्धि अरुण नदी द्वारा एवरेस्ट के आधार पर चट्टान और मिट्टी को काटने के कारण हो रही है। शोधकर्ताओं ने यह भी बताया कि एवरेस्ट की ऊंचाई सामान्य स्तर से 15-50 मीटर ज्यादा हो सकती है। अध्ययन के सह-लेखक एडम स्मिथ ने बताया कि यह जहाज से लदा माल फेंकने की तरह है। जब जहाज हल्का होता है, तो वह थोड़ा ऊपर तैरता है। इसी तरह जब क्रस्ट हल्की होती है, तो वह भी ऊपर की ओर उठती है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि करीब 40 से 50 मिलियन साल पहले भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव के कारण हिमालय का निर्माण हुआ था। प्लेटों के टेक्टोनिक्स के चलते, हिमालय की ऊंचाई लगातार बढ़ती जा रही है। शोधकर्ताओं ने बताया कि अरुण नदी का नेटवर्क पर्वत को बढ़ने में मदद कर रहा है। अरुण नदी जो हिमालय से होकर बहती है, पृथ्वी की पपड़ी से सामग्री को काटती है, जिससे नीचे की परत पर दबाव कम होता है। इससे परत लचीली हो जाती है और ऊपर की ओर तैरने लगती है। इसे आइसोस्टेटिक रीबाउंड कहा जाता है।

शोध में बताया गया है कि एवरेस्ट और उसके पड़ोसी पर्वतों, जैसे लोत्से और मकालू, को भी ऊपर की ओर बढ़ा रहा है। जीपीएस की मदद से एवरेस्ट की ऊंचाई को हर साल करीब 2 मिलीमीटर बढ़ते हुए देख सकते हैं। अध्ययन में शामिल नहीं होने वाले कुछ भूवैज्ञानिकों ने कहा कि यह सिद्धांत विश्वसनीय है, लेकिन अभी भी कई अनिश्चितताएं हैं जिनका समाधान किया जाना है। आखिर में माउंट एवरेस्ट की बढ़ती ऊंचाई न केवल वैज्ञानिकों के लिए एक आश्चर्य है, बल्कि यह भूगर्भीय प्रक्रियाओं के प्रति हमारी समझ को भी बढ़ा रही है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश ने पाकिस्तान से कहा- माफी मांगें तभी रिश्ते सुधरेंगे

ढाका। शेख हसीना की सरकार बेदखल होते ही बांग्लादेश अनाथ सा हो गया है। उसे खुद नहीं मालूम की रिश्ते किससे बेहतर रखना है और किससे नहीं रखना है। केवल संभावनाओं और उम्मीदों की बुनियाद पर बांग्लादेश की सरकार चल रही है। पहले पाकिस्तान से दोस्ती के लिए हाथ बढ़ाया अब कह रहा है कि पहले 1971 में की गई अमानवीयता के लिए माफी मांगें तभी पाकिस्तान से रिश्ते बेहतर हो सकेंगे।हाल ही में बांग्लादेश में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने अंतरिम सरकार के कई बड़े सदस्यों से ढाका में मुलाकात भी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहिद हुसैन ने कहा है कि मौजूदा सरकार ने पाकिस्तान को ऐसा नहीं लगने दिया है कि वह 1971 के मुद्दे को एक तरफ रखकर अच्छे रिश्ते चाह रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान माफी मांगता है, तो दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने में मददगार साबित होगा।उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान की तरफ से कुछ नहीं सुना है। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि अगर वो (पाकिस्तान सरकार) 1971 पर बात करने की हिम्मत दिखाए और कहे कि वे माफी मांगना चाहते हैं, तो संबंध आसान हो जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश चाहता है कि 1971 में निहत्थे बंगालियों पर किए अत्याचारों पर पाकिस्तान सार्वजनिक रूप से औपचारिक घोषणा कर माफी मांगे। तौहिद हुसैन ने कहा, जापान द्वितीय विश्व युद्ध से ही अपने कामों के लिए माफी मांग रहा है। मेरा मानना है कि पाकिस्तान में अगर कोई सरकार हिम्मत दिखा सकती है और ऐसा बयान दे सकती है, तो रिश्तों का सामान्य होना और आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन 1971 के मुद्दे रहेंगे। उन्होंने कहा, 1971 हमेशा हमारे दिल में है।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से मुलाकात के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दोनों देशों के रिश्तों पर बात की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शरीफ ने कहा था कि बांग्लादेश और पाकिस्तान को अपने संबंधों का नया अध्याय शुरू करना चाहिए।

मां ने फेंक दी बेटे की पसंदीदा कॉमिक्स, मामला कोर्ट तक पहुंचा

ताईपे। ताइवान में एक मां ने अपने बेटे की पसंदीदा कॉमिक्स फेंक दी। इस वाकये से बेटा मां से इतना नाराज हो गया कि वह मामले को कोर्ट तक लेकर चला गया। महिला ने अपने 20 वर्षीय बेटे 'अटैक ऑन टाइटन' के 32 संस्करणों को घर की साफ-सफाई के दौरान फेंक दिया। महिला का कहना था कि वह बेटे के बढ़ते कलेक्शन से परेशान थी और उसे घर में थोड़ी जगह बनाने की जरूरत थी। जब बेटा घर आया और उसे अपनी कॉमिक्स के फेंके जाने का पता चला, तो वह गुस्से में आ गया और उसने पुलिस को बुला लिया। बेटे ने अपनी मां के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उसने आरोप लगाया कि मां ने उसकी व्यक्तिगत संपत्ति को बिना अनुमति के नष्ट किया है। उसने कोर्ट में बताया कि 'अटैक ऑन टाइटन' बेहद लोकप्रिय कॉमिक्स है और इसे पूरा करना बहुत मुश्किल है।

दूल्हे की हार्टअटैक से हुई मौत, फिर भी दुल्हन निकल गई हनीमून मनाने

वॉशिंगटन। शादी से ऐन पहले दूल्हे की हार्टअटैक से मौत हो गई, इसके बावजूद हिम्मत दिखाते हुए दुल्हन ने गम मनाने के बजाय हनीमून पर जाना उचित समझा। यह मामला है कनाडा का जहां पर दुल्हन लॉरा जैसे लोग, जो अपने दुख को एक सकारात्मक दिशा में मोड़ने का प्रयास करते हैं और लोगों के लिए प्रेरणादायक होते हैं। लॉरा, पेशे से वकील, की शादी अपने लॉन्ग टाइम पार्टनर डेवॉन ओ ग्रैडी से तय थी। शादी की तैयारियां चल रही थीं और खुशियों का माहौल था, लेकिन अचानक एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। डेवॉन की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई, जो शादी की डेट से कुछ हफ्ते पहले हुआ। इस दुखद घटना ने लॉरा के जीवन को एक नई दिशा दी, लेकिन उन्होंने इससे उबरने का एक अनोखा तरीका चुना। लॉरा ने खुद को घर में बंद करने के बजाय, अपने सपनों के उस स्थान को छोड़ने का निर्णय लिया, जहाँ उन्होंने अपने पार्टनर के साथ नई जिंदगी के सपने देखे थे। उन्होंने अपना सामान पैक किया और हनीमून ट्रिप पर निकल गईं। यह निर्णय भले ही असामान्य प्रतीत होता, लेकिन लॉरा ने इसे अपने दर्द से निपटने का एक स्वस्थ तरीका माना। उन्होंने अपनी यात्रा की कहानी को सोशल मीडिया पर साझा किया, जहां उन्होंने अपने अनुभवों को वीडियो के जरिए लोगों के साथ बांटा।

ईरान का दावा 20 फाइटर जेट ध्वस्त किए, इजराइल ने कहा सभी मिसाइलों को नष्ट किया, कोई नुकसान नहीं

तेहरान, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ईरान का दावा है कि उसने मिसाइलों से हमला करके, इजरायल के 20 फाइटर जेट विमान ध्वस्त कर दिए हैं जबकि इजरायल कह रहा है कि ईरान की एक एक मिसाइल को नष्ट कर दिया। इससे इजरायल को कोई नुकसान नहीं हुआ है। ईरानी गार्ड्स के अनुसार, उनके निशाने पर इजरायल के तीन सैन्य ठिकाने थे, जिनमें से नेवातिम एयरबेस को विशेष रूप से निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया है कि इस हमले में नेवातिम एयरबेस पर खड़े कम से कम 20 फाइटर जेट्स को नष्ट कर दिया गया है, जिससे यह एयरबेस अब ऑपरेटिंग स्थिति में नहीं है। हालांकि, इजरायल की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और नुकसान का सही आंकड़ा भी स्पष्ट नहीं है। इससे पहले, अप्रैल में भी ईरान ने इजरायल पर 110 बैलिस्टिक और 30 क्रूज़ मिसाइलें दागी थीं। लेकिन यह पहली बार है जब ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने बताया कि उन्होंने ईरान की अधिकांश मिसाइलों को नाकाम किया, जिसमें उनके दो मुख्य हथियार-आयरन डोम और डेविड्स स्लिंग - का उपयोग किया गया।

बता दें कि ईरान ने मंगलवार की रात इजरायल पर 200 से अधिक मिसाइलें दागी हैं। इस हमले के वीडियो में तेल अवीव सहित अन्य इलाकों में मिसाइलों की बौछार दिखाई दे रही है। ईरानी मीडिया का दावा है कि इन सभी मिसाइलों ने सटीक निशाना बनाया है और टारगेट हिट किए हैं। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने इस हमले में पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइलों के इस्तेमाल का दावा किया है, और कहा है कि 90 प्रतिशत मिसाइलें अपने लक्ष्यों पर लगीं।आयरन डोम यह इजरायल का प्रमुख एयर डिफेंस सिस्टम है, जो कम दूरी की मिसाइलें, रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

आयरन डोम में इंटरसेप्टर होते हैं जो यह पहचान सकते हैं कि कोई मिसाइल या रॉकेट किस इलाके में गिरने वाला है और उसे हवा में ही इंटरसेप्ट कर देते हैं। इसकी सफलता दर 90त्न है।डेविड्स स्लिंग यह इजरायल का दूसरा महत्वपूर्ण हथियार है, जो लंबी दूरी के रॉकेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को नाकाम करता है। यह 1 मिनट के अंदर 100 किलोमीटर के दायरे में 200 टारगेट को ट्रैक कर सकता है और 300 किलोमीटर तक की रेंज में मिसाइलों को रोकने की क्षमता रखता है। हाल ही में, जब ईरान ने मोसाद के मुख्यालय को निशाना बनाया, तब डेविड्स स्लिंग ने इजरायली खुफिया एजेंसी की रक्षा की। इस घटनाक्रम ने इजरायल और ईरान के बीच के तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति और भी जटिल हो गई है।

पेजर, वॉकी-टॉकी के बाद अब आईफोन धमाके का डर.....सहम गया ईरान

तेहरान। लेबनान में पेजर धमाके के बाद अब ईरान में आईफोन विस्फोट की आशंका बढ़ गई है। ईरान के पूर्व कम्युनिकेशन मंत्री और सांसद रेजा टैगिपुर ने इसकी चेतावनी दी है। पिछले हफ्तों में पेजर से लेकर वॉकी-टॉकी तक में विस्फोट की घटनाएं हुई थी, और रेडियो सिस्टम तक को हैक किया गया था। इसमें ईरानी राजदूत सहित रिवॉल्यूशनरी गार्ड के कई जवान भी घायल हो गए थे। क्योंकि अब लेबनान में हिज्बुल्लाह के प्रमुख को भी मार गिराया गया है, माना जा रहा है कि इजरायल अब वेस्ट एशिया के बड़े क्षेत्र को अपने अनुकूल करने की राह पर है। आज आलम ये है कि इजरायली सेना ने गाजा में हमास का करीब-करीब खात्मा कर दिया और फिर हिज्बुल्लाह को भी तबाह कर दिया। लेबनान में हिज्बुल्लाह चीफ के मारे जाने के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की भी खबर थी। हाल ही में पूर्व ईरानी राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने एक चौंकाने वाले खुलासे में दावा किया कि ईरान का सीक्रेट सर्विस हेड ही इजरायल का जासूस था। मसलन, विस्फोटक खुलासे से कई सवाल खड़े हो रहे हैं, जहां हमास के कम्युनिकेशन प्रमुख इस्माइल हानियेह की मौत भी मिस्ट्री बनी है। 2021 में उस मोसाद के एजेंट की पहचान हुई थी, लेकिन इससे आशंका बढ़ती है, कि आखिर मोसाद के जासूस किस हद तक समाए हो सकते हैं। अहमदीनेजाद ने दावा किया कि यह कोई इकलौती घटना नहीं थी। उनके मुताबिक, ईरानी सीक्रेट सर्विस टीम में भी इजरायली जासूसों का जाल फैला हुआ था। उन्होंने बताया कि करीब 20 अतिरिक्त एजेंट जो इजरायली गुप्त सेवा गतिविधियों की निगरानी में लगे थे, वे भी मोसाद के लिए काम कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, इन कथित दोहरे एजेंटों ने इजराइल को ईरान के परमाणु कार्यक्रम की संवेदनशील जानकारी दी।

ये हमला नहीं बदला है: अमेरिका के समर्थन के लिए इजराइल ने कहा थैंक्यू

यरूशलम, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ईरान ने बीती रात इजरायल पर हमला किया। और संदेश भी दिया कि ये हमला नहीं बदला है। बदला उस हमास नेता का जिसे इजरायल ने कुछ दिनों पहले ही मार गिराया था। इधर इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान की हर एक मिसाइल का जवाब हमने दिया है। उनकी एक एक मिसाइल को आसमान में ही ध्वस्त कर दिया है। इससे इजरायल का डिफेंस सिस्टम कितना मजबूत है,इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।नेतन्याहू ने अमेरिका के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा, ईरान हमारे खुद की रक्षा करने और अपने दुश्मनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने के हमारे दृढ़ संकल्प को नहीं समझता है। हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के नेताओं ने इजरायल के संकल्प को कम करके आंका है। जो कोई भी हम पर हमला करेगा हम उन पर जवाबी हमला करेंगे। गाजा, लेबनान, यमन, सीरिया और ईरान सहित क्षेत्र में अपने विरोधियों से खतरों के खिलाफ इजरायल का रुख स्पष्ट है। इस प्रकार, ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव ने स्थिति को और भी जटिल बना दिया है, जिससे क्षेत्र में एक नई हिंसा की लहर का खतरा बढ़ गया है।

वहीं, दूसरी ओर हिजबुल्लाह के आतंकियों ने भी इजरायल में घुसपैठ की, जिसमें आठ इजरायली नागरिकों की हत्या कर दी गई। मंगलवार देर रात, मध्य इजरायल में तेल अवीव के जाफा में एक संदिग्ध आतंकवादी हमले में लोगों को गोली मारने की घटना सामने आई। इस घटना में कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें एक कुत्ता भी शामिल है। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने दो हमलावरों को मार गिराया। इजरायल की मैगन डेविड एडोम इमरजेंसी सेवाओं ने बताया कि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनकी मौत हो गई।

नेपाल : बाढ़ और भूस्खलन के कारण देशभर में 13 राजमार्ग पूरी तरह से बंद

काठमांडू, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लगातार बारिश तथा बाढ़ और भूस्खलन के कारण नेपाल में अवरुद्ध हुए 48 में से 13 राजमार्ग अभी पूर्ण रूप से अवरुद्ध हैं और निकट भविष्य में इन पर यातायात बहाल हो पाएगा, इसमें संशय है। इनमें अधिकांश राजमार्ग राजधानी काठमांडू को जोड़ने वाले हैं। नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह तक 13 राजमार्गों पर अब तक परिचालन बहाल नहीं होने के कारण वैकल्पिक रास्ता खोलने का प्रयास जारी है। आम लोगों को जानकारी दी गई है कि अवरुद्ध रहे राजमार्ग पर कोई भी यात्रा न करे। सार्वजनिक बसों को इन राजमार्गों पर चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। काठमांडू से तराई को जोड़ने वाले सबसे कम दूरी के दक्षिणकाली राजमार्ग 8 स्थानों पर भूस्खलन के कारण पूरी तरह से अवरुद्ध है। पिछले हफ्ते बाढ़ से पूरी तरह टूट चुकी सड़क चालू करने में काफी समय लगने वाला है। सड़क विभाग की तरफ से कहा गया है कि हेतौड़ा से लेकर सिसनेरी तक यह राजमार्ग आठ स्थानों पर नदी में आए बाढ़ में बह गया है। यहां दुबारा सड़क बनाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। इस राजमार्ग पर आए भूस्खलन के मलबे को हटाने का काम जारी है। इसी तरह काठमांडू से बाहर निकलने वाले नवनिर्मित कांतिपथ राजमार्ग जो कि ललितपुर के गोदावरी से होकर गुजरती है, यह राजमार्ग 6 स्थानों पर पूरी तरह से टूट चुका है। इस राजमार्ग का अब तक औपचारिक उद्घाटन भी नहीं हो पाया था। इस राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण करीब पांच किलोमीटर की सड़कें भी टूट चुकी हैं और राजमार्ग पर बने तीन नवनिर्मित पुल भी बाढ़ के पानी में बह गये हैं। पुलिस ने जानकारी दी है कि लेले-टीकाभैरव की ओर जाने वाली सड़क चालू नहीं है। धनकुटा के चौबीसे में भूस्खलन से रांके भेड़ेटार मार्ग अवरुद्ध है, जिसके कारण विराटनगर से धारण होते हुए संखुवसभा को जोड़ने वाला यह राजमार्ग भी अवरुद्ध है।

चीन का छलका दर्द : शी जिनपिंग ने गिनाई चुनौतियां बोले - कई देशों ने बढ़ाई दिक्कतें

बीजिंग, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

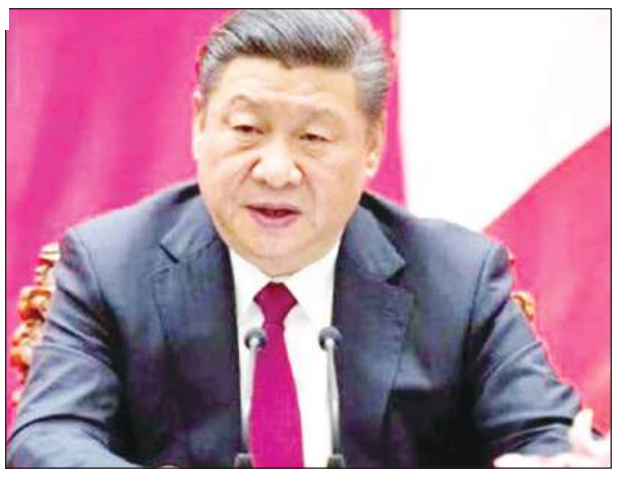

चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते चौतरफा घिरता जा रहा है। नतीजा ये है कि कई देश मिलकर चीन की खिलाफत में उतर आए हैं। वे अपने अपने तरीके से चीन के लिए मुश्किले खड़ी कर रहे हैं। खुद राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इसका जिक्र चीन के 75वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के गठबंधन क्वॉड की गतिविधियों के कारण चीन को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर, उन्होंने कहा, आगे की राह आसान और सुगम्य नहीं होगी, इसमें कठिनाइयाँ और बाधाएँ आएँगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ तनाव को लेकर शी ने कहा कि ये सभी कारक चीन के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावों के चलते, फिलीपींस जैसे देशों के साथ तनाव बढ़ रहा है, जो अमेरिका का सैन्य समर्थन प्राप्त कर रहा है। वर्तमान में, भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार वर्षों से अधिक समय से गतिरोध जारी है, हालाँकि दोनों देशों ने इस स्थिति को सुलझाने के लिए कूटनीतिक और सैन्य वार्ता जारी रखी है। इस प्रकार, चीन को विभिन्न आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए शी जिनपिंग ने अपनी सरकार और जनता से एकजुट होकर आगे बढ़ने की अपील की। तियानमेन स्क्वायर पर आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हालांकि, पिछले वर्षों की तरह कोई भव्य सैन्य परेड या उत्सव का आयोजन नहीं किया गया। शी ने लोगों को कठिन समय के लिए तैयार रहने का आह्वान किया और कहा कि शांति के समय में सतर्क रहना आवश्यक है। उनका यह भी कहना था कि कोई भी कठिनाई चीन के लोगों को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। शी जिनपिंग ने अपने भाषण में ताइवान का उल्लेख करते हुए कहा कि ताइवान, चीन का क्षेत्र है और उसकी स्वतंत्रता का विरोध किया जाएगा। यह बयान ताइवान की राजनीतिक स्थिति को लेकर बीजिंग की स्पष्ट स्थिति को दर्शाता है। चीन की आर्थिक स्थिति को लेकर शी ने चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से रियल एस्टेट बाजार में मंदी के कारण। उन्होंने अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने के लिए सुधारों और खुलापन बढ़ाने का संकल्प लिया। चीन की आर्थिक मंदी, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) जैसी वैश्विक रणनीतिक पहलों पर भी प्रभाव डाल रही है, जिसके अंतर्गत चीन ने कई छोटे देशों में भारी निवेश किया है।

क्रैथॉन तूफान से खतरा: ताइवान में तबाही से बचने के लिए दफ्तर, स्कूल, मार्केट और शेयर बाजार बंद

ताइपे, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बेहद खतरनाक तूफान क्रैथॉन ने ताइवान की नींद उड़ा दी है। गुरुवार की सुबह कई शहरों में दस्तक देने वाले इस तूफान के खतरों को देखते हुए स्कूल,कॉलेज,दफ्तर, यहां तक की शेयर मार्केट भी बंद कर दिए गए हैं। इसके साथ ही, ताइवान में दर्जनों अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और घरेलू उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। मौसम प्रशासन ने कहा कि तूफान की तीव्रता कम हो गई है, लेकिन तूफानी लहरों, तेज हवाओं और बारिश का खतरा अभी भी बना हुआ है। साल की शुरुआत में टाइफून गेमी के गंभीर प्रभावों के कारण, ताइवान के लोग इस बार और अधिक सतर्क हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने 38,000 जवानों को तूफान से निपटने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। इस प्रकार, ताइवान की सरकार और नागरिक इस संकट का सामना करने के लिए तैयार हैं और स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। ताइवान के मौसम विभाग ने कहा कि गुरुवार की सुबह काऊशुंग और उसके पड़ोसी शहर ताइनान के बीच तूफान आने की संभावना है, जिसके बाद यह पश्चिमी तट से होते हुए राजधानी ताइपे की ओर बढ़ेगा। सभी शहरों में एक दिन की छुट्टी घोषित की गई है। पूर्वी एशियाई देश ताइवान की सरकार इस समय एक गंभीर स्थिति का सामना कर रही है। बुधवार को राजधानी ताइपे समेत देश के कई हिस्सों में सभी ऑफिस, स्कूल-कॉलेज और शेयर बाजार बंद कर दिए गए हैं। सरकार को यह चिंता है कि साल 1977 में आए एक खतरनाक समुद्री तूफान की यादें फिर से न लौट आएं। मौसम के पूर्वानुमानों में चेतावनी दी गई है कि एक समुद्री तूफान, जिसे क्रैथॉन नाम दिया गया है, बड़ी तबाही मचा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ताइवान के काऊशुंग तट पर तूफान की बड़ी लहरें उठने और मूसलाधार बारिश होने की संभावना है।

प्रदर्शन

तेहरान में ईरान के इजरायल पर मिसाइल हमलों के बाद हुए प्रदर्शन के दौरान एक महिला उत्साहित होकर हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्लाह जिंदा है के नारे लगाती हुई।

Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 03 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-274

अलकायदा से जुड़े अंसार अल इस्लाम ने गजवा-ए-हिंद मिशन सक्रिय किया

बंगाल को भारत से स्वतंत्र कराने का ममता बनर्जी से आह्वान

इस्लामिक जेहादी संगठन और अलकायदा की स्थानीय फ्रेंचाइजी अंसार अल इस्लाम के सरगना जशीमुद्दीन रहमानी ने एक वीडियो बयान जारी कर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी से बंगाल को मोदी के शासन से मुक्त करने और इसकी स्वतंत्रता की घोषणा करने का आह्वान किया है।

वीडियो बयान में, रहमानी, जिसका संगठन पहले अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के नाम से जाना जाता था, ने भारत को तोड़ने और दिल्ली में इस्लामी झंडा फहराने की चेतावनी दी। हिलेरी क्लिंटन के पारिवारिक मित्र नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक कथित क्रांतिकारी सरकार के गठन के बाद, अंसार अल इस्लाम के सरगना के खिलाफ सभी मामले हटा दिए गए और उसे जेल से रिहा कर दिया गया। इस बात की आधिकारिक पुष्टि हुई है कि अंसार अल इस्लाम सरगना का वीडियो, जो संभवतः एक अस्पताल के वार्ड में फिल्माया गया था, वास्तविक था। यह संभवतः सितंबर के पहले सप्ताह में शूट किया गया था क्योंकि उसने वीडियो में शेख हसीना के निष्कासन के क्रांति के एक महीने

आतंकी सरगना जशीमुद्दीन रहमानी के वीडियो की हो रही जांच

का उल्लेख किया था। क्रांति बांग्लादेश में

शुभ-लाभ चिंता

विरोध प्रदर्शनों का संदर्भ था जो 5 अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़कर भाग जाने के बाद समाप्त हो गया था। रहमानी, जो अपने चरमपंथी विचारों और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों से संबंधों के लिए जाना जाता है, ने भड़काऊ बयान में भारत को बांग्लादेश के प्रति किसी भी आक्रामक कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उसने कहा, बांग्लादेश सिक्किम या भूटान जैसा नहीं है। यह 18 करोड़ (180 मिलियन) मुसलमानों का देश है, यह सुझाव देते हुए कि किसी भी उकसावे का परिणाम रणनीतिक प्रतिशोध होगा।

30 मिनट के वीडियो में, आतंकी रहमानी ने भारत को चेतावनी दी है कि अगर बांग्लादेश को भारत द्वारा चुनौती दी गई तो इस्लामिक एकता का संदर्भ देते हुए बांग्लादेश की तौहीद आबादी उठ खड़ी होगी। यह 18 करोड़ मुसलमानों का देश है। यह हमारी पवित्र भूमि है। अगर आप इस तरफ देखने की हिम्मत करेंगे, तो आपकी आंखें निकाल ली जाएंगी। एक कदम आगे बढ़ाओ, और आपके पैर तोड़ दिए जाएंगे। आगे बढ़ो, और आपके हाथ काट दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि रहमानी और उसका जेहादी संगठन खालिस्तानी अलगाववादियों के

▶10पर

झारखंड के आदिवासियों को प्रधानमंत्री ने किया आगाह

संस्कृति की सुरक्षा के लिए सतर्क रहें आदिवासी

हजारीबाग, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड के आदिवासियों को अपनी संस्कृति की सुरक्षा करने और घुसपैठियों से सतर्क रहने की सलाह दी है। प्रधानमंत्री ने आदिवासियों को आगाह करते हुए कहा कि झारखंड में हिंदुओं और आदिवासियों की आबादी घट रही है। झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार राज्य की पहचान, संस्कृति और विरासत की कीमत पर घुसपैठियों का

झारखंड की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

समर्थन कर वोट बैंक की राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, अब माटी, बेटी, रोटी की रक्षा के लिए ऐसी ताकतों को बाहर फेंकने का समय आ गया है। झारखंड में बेटी, माटी, रोटी की सुरक्षा और भ्रष्टाचार से निपटने के लिए परिवर्तन का समय आ गया है। झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन खतरनाक खेल खेल रहा है, जो घुसपैठियों को संरक्षण देते हुए लोगों की पहचान, संस्कृति और परंपराओं को खतरे में डाल रहा है।

झारखंड के हजारीबाग में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये योजनाएं आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान से जुड़ी हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से पांच करोड़ आदिवासियों को लाभ मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा, आज मुझे एक बार फिर झारखंड की विकास यात्रा में सहभागी बनने का सौभाग्य मिल रहा है। कुछ ही दिन पहले मैं जमशेदपुर आया था। जमशेदपुर से मैंने झारखंड के लिए सैकड़ों करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया था।

▶10पर

इज़राइल को लेकर भारत ने स्पष्ट की अपनी नीतियां

हमास की कार्रवाई थी आतंकी हमला: जयशंकर

वॉशिंगटन, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ-साफ कहा है कि हमास के हमले के कारण ही इज़राइल युद्ध के लिए विवश हुआ। जयशंकर ने हमास द्वारा इज़राइल पर किए हमले को आतंकवादी हमला करार दिया। गाजा युद्ध का दंश झेल रहे पश्चिम एशिया के एक और मोर्चे पर वार-पलटवार तेज हो गया है। हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला के मारे जाने के बाद ईरान भड़का हुआ है और उसने मंगलवार रात इज़राइल पर 200 से अधिक मिसाइलें दागीं। इससे दोनों देशों के बीच तनातनी चरम पर है। मौजूदा परिदृश्य में भारत की स्थिति स्पष्ट है। डॉक्टर जयशंकर ने कहा, हम हमास की कार्रवाई को स्पष्ट तौर पर आतंकवादी हमला मानते हैं। हम समझते हैं कि इज़राइल को इसका माकूल

जवाब देने की आवश्यकता थी। मगर, हमारा यह भी मानना है कि किसी भी देश को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को ध्यान में रखकर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। साथ ही नागरिकों के हित और नुकसान को लेकर सावधान रहना चाहिए।

भारत के विदेश मंत्री ने कहा, किसी तरह का अंतरराष्ट्रीय मानवीय प्रयास होना जरूरी है। हम संघर्ष के व्यापक होने की संभावना से परेशान हैं। न केवल लेबनान में जो हुआ उसे लेकर बल्कि हूतियों और लाल सागर तथा ईरान और इज़राइल के बीच जो कुछ भी हो रहा है, इसे लेकर भी परेशान हैं। कठिन समय में बातचीत के महत्व को कम नहीं समझना चाहिए। अगर कुछ बातें कही जानी हैं, आगे बढ़ाई जानी हैं और वापस भेजी जानी हैं, तो मुझे लगता है कि ये सभी योगदान हैं

▶10पर

स्वच्छता देश और व्यक्तित्व के विकास के लिए जरूरी

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर आज स्वच्छता से जुड़े करीब 10 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की भी शुरुआत हुई है। देश के अनेक शहरों में वॉटर और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। नमामि गंगे से जुड़ा काम हो या फिर कचरे से बायोगैस पैदा करने वाले गोबरधन प्लांट, ये काम स्वच्छ भारत मिशन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन जितना सफल होगा, उतना ही हमारा देश ज्यादा चमकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गांधी जयंती के दिन स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत के 10 साल पूरे होने के अवसर पर राजधानी स्थित विज्ञान भवन में स्वच्छ भारत दिवस 2024 कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

▶10पर

ब्लिंकन-जयशंकर मुलाकात के हैं गहरे मायने

वाशिंगटन, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन ने वाशिंगटन डीसी में मुलाकात की। इस मुलाकात के गहरे मायने निकाले जा रहे हैं। इस बैठक में दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करने पर प्रतिबद्धता जाहिर की है। मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद से अपनी पहली यात्रा पर वाशिंगटन पहुंच जयशंकर ने मंगलवार को अमेरिकी विदेश विभाग के प्रमुख एंटली ब्लिंकन से मुलाकात की। भारतीय समकक्ष के साथ बैठक के बाद ब्लिंकन ने कहा, अमेरिका और भारत मिलकर क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और मैंने जलवायु संकट

▶10पर

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में रेप और हत्या का मामला

15 तक सुधार नहीं तो होगी सख्त कार्रवाई : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में हो रही देरी पर कड़ी फटकार लगाई। यह मामला 9 अगस्त 2024 को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुई बलात्कार और

संवेदनहीन ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

हत्या से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से सुरक्षा उपायों की धीमी प्रगति पर सवाल उठाए हैं, विशेषकर सीसीटीवी कैमरों और अन्य सुरक्षा इंतजामों की कमी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर 15 अक्टूबर तक सुधार नहीं हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी बीच, पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने

▶10पर

बरेली की फास्ट ट्रैक अदालत का महत्वपूर्ण फैसला

लव जेहाद देश की एकता और सम्प्रभुता के लिए खतरा

बरेली, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लव जेहाद से जुड़े एक मामले में बरेली की फास्ट ट्रैक अदालत ने मोहम्मद आलिम नाम के आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने लव जेहाद को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं। अदालत ने ऐसे मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि लव जेहाद का मुख्य उद्देश्य हिंदुस्तान के खिलाफ एक मजहब विशेष के कुछ अराजक तत्वों द्वारा जनसंख्यायिक युद्ध एवं अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत वर्चस्व स्थापित करना है।

बेटे को उम्र कैद, साजिश में शामिल बाप को दो साल की कैद

अदालत ने कहा, लव जेहाद के तहत हिंदू लड़कियों को फंसाया जा रहा है और उनका धर्मांतरण किया जा रहा, ताकि भारत में भी पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे हालात पैदा किए जा सकें। इस साजिश में विदेशी फंडिंग से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। यह केवल और केवल मुस्लिम जनसंख्या को देश में बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। कोर्ट की यह टिप्पणी उन नस्लदूषित प्रगतिशीलों और अधर्मी धर्मनिरपेक्षियों को नागवार लगे, लेकिन हकीकत यही है कि लव जेहाद

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 24^0

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्ज़ीबिशन सोसाइटी द्वारा
52वाँ रामायण मेला एवं दशहरा सम्मेलन
दशहरा सम्मेलन 52वाँ रामायण मेला
गुरुवार 3 से शनिवार 12 अक्तूबर 2024 } नुमाईश मैदान नामपल्ली, हैदराबाद
आज गुरुवार 3 अक्तूबर 2024
घट स्थापना
सायं 6.00 बजे
रामायण कवि सम्मेलन
अध्यक्षता : श्री वेणुगोपाल भट्टड़ रात्रि 8 बजे से
विशेष अतिथि : श्री अजित गुप्ता संचालन : पं. रामकृष्ण पाण्डेय

अतिथि : श्री जयमताभाई पटेल

अतिथि : श्री बृजगोपाल अग्रावा

अतिथि : श्री मुरलीधर लोया
Sun 6th to Thu 10th Oct. 2024 (8 pm onwards)
NAVRATRI DANDIYA UTSAV
Daily Prizes
Entry by Pass & Badge only
Right of Admission Reserved.
स्थान : शंकरजी मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल, नुमाईश मैदान, नामपल्ली, हैदराबाद
EXHIBITION GROUNDS, Nampally, Hyd. FREE PARKING

कमलनारायण अग्रवाल
अध्यक्ष : राजस्थानी प्रगति समाज

गोविन्द राठी
प्रधान संयोजक

के. निरंजन
उपाध्यक्ष : प्रदर्शनी समिति

बी. सुरेन्द्र रेड्डी
मंत्री : प्रदर्शनी समिति
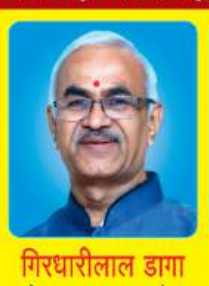
गिरधारीलाल डागा
कोषाध्यक्ष : रामायण मेला

मनोज जयसवाल
संयोजक

सुमीत राठी
संयोजक
संयोजक
कलावती जाजू, रमेशकुमार बंग, नन्दगोपाल भट्टड़, प्रेमलता कांकाणी, रामदेव नागला, शकुंतला नावंदर, प्रेमचन्द शर्मा, विमल डालिया, लक्ष्मीनारायण राठी, भगतसिंह सोलंकी, राजेन्द्रकुमार सांखला, पवन कुमार, पवन मिश्रा, गड्डम रघु
रमेशचन्द्र व्यास, श्रीमती श्यामा नावन्दर, श्रीमती सुरेखा सारड़ा, श्रीमती रूबी मिश्रा, सुश्री सविता सोनी, श्रीनिवास लोया, घनश्याम तोष्णीवाल, नवल सांखला, लक्ष्मीकांत पाण्डे, जुगल सोनी, विपन रामावत, नवल व्यास, राहुल, सुरेन्द्र मिश्रा, रमाकांत व्यास, उमेश मालाणी, दामोदर तिवारी, रूपम तुरखिया, संजय तिवाड़ी, विजय कुमार, विनोद कुमार, संदीप, मणिकांत, प्रकाश, गणेश, नरसिम्हा

दक्षिण मध्य रेलवे ने स्वच्छ भारत दिवस मनाया

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता शपथ दिलाई

दमरे ने 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान 01 से 15 अक्टूबर तक स्वाभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम के साथ मनाया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में आज 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने आज काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, दमरे, मधुसूदन राव, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, जी.आर.एस राव, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, प्रदीप कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आरएसपी, लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर श्रमदान गतिविधि में भाग लिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ काचीगुडा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया की सफाई की। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर 35 सफाई मित्रों को सम्मानित किया और जोन द्वारा आयोजित निबंध लेखन और ड्राइंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए। जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता विषय पर एक नुक्कड़ नाटक शो का प्रदर्शन किया गया। स्वच्छता विषय पर एक पारंपरिक नृत्य बैले भी प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए अरुण कुमार जैन ने कहा कि आज हम स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक दिन की गतिविधि नहीं है, बल्कि पूरे साल हर दिन इसका पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रेनों, स्टेशनों और आसपास को साफ-सुथरा रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों को भी स्वच्छ भारत मिशन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की सलाह दी। उन्होंने काचीगुडा स्टेशन पर स्वच्छ भारत दिवस कार्यक्रम आयोजित करने में हैदराबाद मंडल के प्रयासों की सराहना की।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के दौरान, दक्षिण मध्य रेलवे स्वच्छ स्टेशनों, ट्रेनों, पटरियों, कॉलोनियों, कार्यालय परिसरों, जन जागरूकता कार्यक्रमों आदि को सुनिश्चित करने के निर्देशों के अनुसार विशेष अभियान और स्वच्छता अभियान पहल आयोजित करेगा। विभिन्न रेलवे प्रतिष्ठानों जैसे स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं, रखरखाव डिपो, अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों, कॉलोनियों और ट्रेनों में स्वच्छता पर स्पष्ट प्रभाव डालने के लिए सभी हितधारकों को शामिल किया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान का उद्देश्य जनता, रेल उपयोगकर्ताओं और रेलवे बिरादरी के बीच स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत मिशन के महत्व पर जागरूकता लाना है। लोगों को साफ-सफाई की अच्छी आदतों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने ख़राब मूड को शादीशुदा ज़िंदगी में तनाव का कारण न बनने दें। इससे बचने की कोशिश करें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी की वजह से आपको बाहर जाना पड़ सकता है, जो बाद में आपकी झल्लाहट की वजह बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। कोई दोस्त अपनी निजी समस्याओं के समाधान के लिए आपसे मश्वरा मांग सकता है। कार्यक्षेत्र की बात करें तो आपकी टीम का सबसे ज़्यादा खीझने वाला व्यक्ति काफ़ी समझदारी की बातें करता नज़र आ सकता है। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

गर्भवती महिलाओं को चलते-फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। अगर संभव हो तो ऐसे लोगों से दूर रहें जो धूम्रपान करते हैं, क्योंकि इससे पैदा होने वाले शिशु को नुक़सान हो सकता है। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। जो लोग अब तक बेरोज़गार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। किसी रिश्तेदार के यहा से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। प्यार का जज़्बा अनुभव के परे है, लम्बे समय से अटके फ़ैसलों को अमली जामा पहनाने में क़ामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढ़ेंगी। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने में मुश्किल आएगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उदास और अवसादग्रस्त न हों। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक समारोह में नए दोस्त बन सकते हैं। हालाँकि अपने चयन में सावधानी बरतें। अच्छे दोस्त उस ख़ज़ाने की तरह होते हैं, जिसे सारी ज़िंदगी दिल के क़रीब रखा जाता है।अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर-ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आपकी अन्दरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 03 अक्टूबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 03:00 तक
नक्षत्र : हस्त दोपहर 03:33 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 04:23 तक
करण : किंस्तुघ्न दोपहर 01:41 तक
चन्द्रराशि : कन्या तक
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:03 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:00 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शारदीय नवरात्र आरंभ , घट स्थापना , श्री अग्रसेन जयंती 5148 वीं , मातामह श्राद्ध

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एक सुबह साबरमती के संत के नाम कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत विकास परिषद आदेश्वर शाखा तेलंगाना ने बुधवार को एक कार्यक्रम एक सुबह साबरमती के संत के नाम का आयोजन कर राष्ट्र पिता महात्मा गांधी एवं कर्मवीर लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महात्मा गांधी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी एवं डॉक्टर शशीधर रेड्डी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अध्यक्ष मानिकचंद समदरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व में अहिंसा का ध्वज फहराने के लिए महात्मा गांधी सदैव याद किए जाएंगे। शासनपति महावीर के पश्चात अहिंसा को विश्व व्यापी बनाने में बापू का योगदान अविस्मरणिय है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपने जीवन काल में राष्ट्रीय ऊंचाइयों को छूते हुए सारे देश को जय जवान जय किसान का नारा दिया। सिकंदराबाद दादावाड़ी परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के विकलांग कार्यक्रम में शेरमल बोहरा के परिवार ने मातृश्री कमला देवी बोहरा की स्मृति, सरिता राजेंद्र बोहरा के जन्मदिन के उपलक्ष में चार कृत्रिम अंग के दान की घोषणा की। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष जैन रत्न मानिकचंद समदरिया, उपाध्यक्ष देवेंद्र कटारिया एवं विनोद संचेती, मानद मंत्री दिलीप मखाना स्वागत भाषण दिया। सलाहकार मदन चंद लुणावत, सजन राज भंडारी, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार बेद, सह मंत्री प्रेम मर्लेचा, संयोजक मंडल के वीरेंद्र सुराणा, रमेश लुणावत, भरत मेहता, राकेश लुणावत, राकेश झाबक, प्रकाश गुगलिया, पदम लोढ़ा, राजस्थान मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष योगेश गांधी, दादावाड़ी के ट्रस्टी अशोक लुणावत व वर्षीतप समिति के अभय कोठारी, राजकुमार सुराणा, नवरत्न मखाना, महावीर तातेड, आशा टीकमचंद झाबक आदि गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन बापू के प्रिय भजन वैष्णवजन तो तेने कहिये, जे जाने पीर पराई एवं वर्षीतप समिती द्वारा आयोजित अल्पाहार के साथ हुआ।

श्री जगन्नाथ मठ में अन्नदान आयोजित

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ मठ में आयोजित अन्नादान में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया। जिसमें 800 से अधिक भक्तों ने अन्ना प्रसाद ग्रहण किया। इसमें अनेक भक्तों ने सहयोग प्रदान किया। अच्युत रामानुजाचार्य महंत जी ने वैकुंठवासी स्वामीजी की स्मृति में पितृ मोक्ष अमावस्या के अवसर पर भक्तों में प्रसाद वितरण कर भगवान जगन्नाथ जी की सेवा अर्चना पूजा की। सभी पितृ तुल्य इस मास में सेवा करने वाले भक्तों का आशीर्वाद प्रदान किया गया। अधिक जानकारी के लिए मठ से जुड़े किसी भी भक्त परिवार यजमान जन से संपर्क कर सकते हैं।

सेवा निकेतन सिकंदराबाद में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं कर्मवीर लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अन्नदान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सेवा निकेतन संस्थापक जैन रत्न स्वर्गीय कस्तूरचंद झाबक एवं टीकमचंद झाबक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। अवसर पर दिलीप मखाना, विनय नहाता, विमला बाई झाबक, आशा झाबक, राकेश झाबक, दीपेश झाबक, देवेंद्र मुथा, रजनी झाबक, दीपिका झाबक, सिद्धार्थ नहाता, विमलेश भूरत, बालाजी, भरत,वेंकटेश, मुख्य लाभार्थी श्याम सुंदर, भानु बेन व अन्य उपस्थित रहे।

के.बी.आर. पार्क बंजारा हिल्स में इच्छापूर्ति गणेश भगवान की साप्ताहिक पूजा-अर्चना करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, सुधाकर, गोपाल बल्देवा, विजय कुमार अग्रवाल, नरेंद्र कुमार अग्रवाल, भोज रेड्डी, कैलाश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, विनोद टिकमानी आदि।

महाराणा प्रताप सेवा समित अत्तापूर द्वारा श्राद्ध अमावस्या के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी पूजा-अर्चना की गई तत्पश्चात अन्नदान आरंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम में सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष ठाकुर विजय दिनेश सिंह एवं परामर्शदाता ठाकुर गोपाल सिंह, (रिटायर्ड जज)ठाकुर अर्जुन सिंह, महेंद्र सिंह ठाकुर ,नर्सिंग ठाकुर , ठाकुर विपिन राज सिंह, डॉक्टर नवीन सिंह ,ठाकुर मनोज सिंह, ठाकुर नरेन्द्र सिंह ,ठाकुर मुरली मोहन सिंह ,राणा नागेश ठाकूर ,राज किशोर सिंह ,ठाकुर सुजीत सिंह ,ठाकुर कुलदीप सिंह ,ठाकुर आशीष राज सिंह ,ठाकुर ऋतिक सिंह, एवं समस्त महाराणा प्रताप सेवा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र पर हिंदी पखवाडे. का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। हैदराबाद केंद्र पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी पखवाड़ा मनाने का आह्वान किया गया था। उसी क्रम में केंद्र पर तथा हैदराबाद के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था जिसमें प्रमुख रूप से 475 व 476वें नवीकरण पाठ्यक्रम के लिए गीत गायन प्रतियोगिता व स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता किया गया। गीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रमेश एच. डोंगरे, द्वितीय स्थान कोर्रा नागेश्वर राव तथा तृतीय स्थान पवन कुमार मंचिकट्ला ने प्राप्त किया। स्वरचित काव्य पाठ में जी. मस्तान नायक प्रथम, टी. पापायम्मा द्वितीय एवं सुकन्या दुबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सीताफलमंडी, हैदराबाद में निबंध प्रतियोगिता दक्षिण भारत में हिंदी की चुनौतियां एवं संभावनाएँ' नामक विषय पर आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान सना फातिमा, द्वितीय मो. जुलकरनैन आरजू, तृतीय स्थान मुस्कान ने प्राप्त किया। विवेक वर्धिनी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कोटी, हैदराबाद में वाद- विवाद प्रतियोगिता आज के परिप्रेक्ष्य में ऑनलाइन शिक्षण उचित है पर आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान एम. तनीष्क, द्वितीय आकांक्षा मिश्रा तथा तृतीय समर्थक वर्मा ने प्राप्त किया।

सरकारी डिग्री कॉलेज, इब्राहिमपट्टणम में दक्षिण के साहित्यकार विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान एस. मनोगना, द्वितीय अमित साहू तथा आर. सात्विक तृतीय स्थान पर रहे। गवर्नमेंट बॉयज हाईस्कूल में संवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ए. श्रीदत्ता, द्वितीय तैय्यबा फातिमा तथा तृतीय प्रिया ने प्राप्त किया। जिला परिषद हाईस्कूल, याप्राल, अलवल में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम उप्परी श्रीवर्शिनी, द्वितीय सगंति वैष्णवी तथा तृतीय स्थान येदमा रेवती ने प्राप्त किया। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा पुरस्कार वितरण किए गए। प्रतियोगिताओं में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र दिए गए।

सभी प्रथम पुरस्कार प्राप्त विजेताओं को प्रोत्साहन राशि रुपए एक हजार, द्वितीय पुरस्कार रुपए सात सौ एवं तृतीय पुरस्कार रुपए पाँच सौ संस्थान द्वारा ऑनलाइन उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी।

इस अवसर पर जिला परिषद हाईस्कूल, याप्राल की छात्राओं द्वारा बतुकम्मा लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। साथ ही मल्टीमीडिया के बच्चों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

संस्थान द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों तथा विद्यालयों के आयोजन मंडल का भी शॉल एवं पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत तथा आभार प्रकट किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब नेशनल बैंक, लकड़ी का पूल, हैदराबाद के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. साकेत सहाय तथा सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. योगेन्द्रनाथ मिश्र तथा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. फत्तराम नायक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. राधा ने किया।

पितृ अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला में गौसेवा करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल व अन्य।

गांधी जयंती पर जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायवाल ने नेहरू युवक केंद्र हैदराबाद के साथ बुधवार को सरकारी ईएनटी अस्पताल परिसर में सफाई कार्यक्रम में भाग लेकर स्वच्छ भारत अभियान स्वाभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम मनाया। अवसर पर खुशबू गुप्ता एनवाईके जिला समन्वयक, अमरसिंह, रामकृष्ण, जगपति, अनिल यादव, अज्जू, कार्यक्रम में शामिल हुए।

पितृ अमावस के अवसर डॉन बॉस्को प्रेम सेवा सदन हयातनगर में अनाथ बच्चों को खाना खिलाया गया एवं रेणुका गौ साला वनस्थलीपुरम में गौ सेवा किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता एनके सिंह, नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, राजेंद्र तिवारी, निखिल, शानवाज़, प्रशांत और अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाराजा अग्रसेन का राज धर्म विश्व के लिए मंगलकारी

यथा पत्याश्रयो धर्म: स्त्रीणां लोके सनातन: ।
सदैव सा गतिर्नान्या तथाऽस्माकं प्रजाश्रय: ।।

जैसे इस संसार में, स्त्रियों का सनातन धर्म – पति की सेवा पर ही अवलम्बित है, उसी प्रकार प्रजानन ही सदैव हमारे आश्रय हैं। हम लोगों (राजा) के लिये उन (प्रजाजनों) के अतिरिक्त और कोई गति नहीं है।

–महाराजा अग्रसेन अपनी संतति को राजधर्म की व्याख्या करते हुए, इस श्लोक में निर्देशित करते हैं कि जिस तरह स्त्रियों का सनातन धर्म है – पति की सेवा करना और उसका आश्रय स्थल, संरक्षक, पालन पोषण कर्ता, पति ही होता है, वैसे ही राजा का स्वरूप, स्त्री की तरह अपने पति स्वरूप प्रजा जनों की सेवा ही है, क्योंकि – प्रजा को तो दूसरा राजा मिल सकता है, किन्तु राजा के लिये तो वह प्रजामात्र ही, उसकी संरक्षक होती है। अत: राजा का धर्म है कि – वह प्रजा की सेवा करे।

अगर, विश्व के राजनीतिज्ञ श्री श्री अग्रसेन जी के राजधर्म को समझ कर उसका अनुकरण करे तो, मानव जगत में लोकोत्तर शांति, समृद्धि तथा मानवता का निश्चित विकास होगा।

मानवीय उन्नति के लिये केवल सिद्धातों का उद्घोष या उपदेश ही पर्याप्त नहीं, अपितु आवश्यकता है – इन सिद्धातों के सम्यक परिपालन की। 'सर्वलोकहितो धर्म:' जिनका जीवन मंत्र रहा हो ऐसे महामानव श्री अग्रसेन का लोककलणकारी जीवनचरित्र उनके सिद्धातों के सम्यक परिपालन की सहज व स्पष्ट विधि प्रदर्शित करता है। साथ की बौद्धिक, उत्तरदायित्व पूर्ण तथा वैज्ञानिक पद्यति से जीवन जीने की कला सिखाता है।

साथ ही, विश्वास जगाता है – अशांत विश्व की विषम समस्यों का समाधान करते हुए मानव जीवन को सार्थक बनाने के लक्ष्य को पूर्ण करने का।

जिससे मानव जगत में लोकोत्तर शांति, समृद्धि तथा मानवता का निश्चित विकास होगा और जड़ता का अंधकार दूर होकर वसुधैव कुटुम्बकम के भव्य भवन के पुनर्निर्माण का दिव्य स्वप्न साकार होगा, जिससे सकल विश्व का यथार्थ कल्याण होगा।

■ रामप्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा गोयल ड्रग्स, हैदराबाद

समाजवाद के सच्चे प्रवर्तक – महाराजा अग्रसेन

महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक, शांति के दूत के रूप में जाना जाता है। महाराजा अग्रसेन त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि के अवतार और एक सच्चे समाजवादी थे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि–व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ–साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्ता (कर्मयोगी) थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की।

उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनाया जिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया। उन्होंने सभी जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया। हालाँकि अहिंसा में उनके विश्वास का मतलब उत्पीड़न का विरोध न करना नहीं था बल्कि उन्होंने आत्मरक्षा को बढ़ावा दिया। उनके अनुसार आत्मरक्षा और राष्ट्ररक्षा केवल क्षत्रियों – योद्धा जाति का कार्य नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपनी मातृभूमि की रक्षा करे।

महाराजा अग्रसेन जी का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को महाराजा वल्लभ सेन के घर हुआ था। जिसे दुनिया भर में अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये थे। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था कि यह बालक बहुत बड़ा राजा बनेगा। इस के राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। उनके राज में कोई दुखी या लाचार नहीं था। बचपन से ही वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय थे।

माना जाता है कि यज्ञों में बैठे 18 गुरुओं के नाम पर ही अग्रवंश की स्थापना हुई। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को महाराजा अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ उनके द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया। एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी अग्रवाल समाज में प्रचलित है।

महाराजा वल्लभ के निधन के बाद अपने नये राज्य की स्थापना के लिए महाराज अग्रसेन ने अपनी रानी माधवी के साथ सारे भारतवर्ष का भ्रमण किया। इसी दौरान उन्हें एक जगह शेर तथा भेडिये के बच्चे एक साथ खेलते मिले। उन्हें लगा कि यह दैवीय संदेश है जो इस वीरभूमि पर उन्हें राज्य स्थापित करने का संकेत दे रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया जिसे अग्रोहा नाम से जाना जाता है। वह जगह आज के हरियाणा के हिसार के पास हैं। आज भी यह स्थान अग्रहरि और अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ के समान है। यहां महाराज अग्रसेन और मां लक्ष्मी देवी का भव्य मंदिर है।

■ श्रीकिशन अग्रवाल
हैदराबाद

विश्व शांति का सुदृढ़ आधार श्री अग्रसेन महाराज का जीवन

आज शांति की खोज में सारा विश्व अशांत है। विश्व की वर्तमान परिस्थितियां युग संक्रमण काल से भिन्न नहीं। आज वस्तुतः आवश्यकता है – सनातन सभ्यता के पुनुरुत्थान की। जिसकी आधारशिला है : परस्पर प्रेम।

भाग्य जब जागते हैं, तो मानव को कोई सतगुरु अवश्य मिलते हैं ,जो उसे उसके ईश्वर के स्वरूप का ज्ञान करा देते हैं । वह ज्ञान– जो अपने (ईश्वर) स्वरूप से विभक्त (दूर हुए) जन को, भक्त (जुड़ा हुआ) बना दे, वही है – 'भागवत'

महामानव श्री अग्रसेन जी का सम्पूर्ण चरित्र, देश, धर्म व काल की सीमाओं से परे, सारे मानव मात्र के लिये, संजीवनी की तरह, सदैव प्रेरणास्पद, प्रासंगिक, व अनुकरणीय है। लौकिक व पारलौकिक साधना का उत्तमोत्तम मार्ग है।

जिसके सहारे किसी सामान्य व्यक्ति द्वारा भी, सदाचारण से विपुल स्वर्ग सहज ही पाया जा सकता है। मानव जीवन का लक्ष्य है – पूर्णता को प्राप्त करना। सत्, चित्,आनन्द– मय होना। मानव ईश्वर का अंश है, तथापि पथभ्रांत मानव अपने सच्चिदानन्द स्वरूप को भूल, क्लांत–अशांत जीवन जी रहा है।

परीक्षितपुत्र जनमेजय को सम्राट पद पर अभिषिक्त किया गया। धर्मज्ञ, प्रजावत्सल महाराजा जनमेजय में, अपने धर्मज्ञ होने का अहंकार जब समा गया तो उनके द्वारा किए गए यज्ञ में अहंकार के परिणाम स्वरुप उत्पन्न भ्रम से भ्रमित हुए महाराजा जनमेजय विचलित हो गए, और वे कुपित हो उठे । उन्होने इन्द्र को शाप दे दिया। ऋत्विजों को अपमानित कर राज्य से निकाल दिया, और पतिव्रता पत्नी 'महारानी वपुष्टमा' को कुलटा घोषित कर, मसले हुए फूल की माला की तरह ठोकर मारकर, राजमहल से निष्काषित कर, उन्हे भगा दिया।

कुरुकुल भूषण जनमेजय, बीते हुए भयंकर अतीत का स्मरण करके , क्षण भर भी, शांति नहीं पाते थे, उनका मन चिन्ता और शोक में डूबा हुआ था।

महाराजा श्री अग्रसेन एक ऐसे कर्मयोगी लोकनायक थे, जिन्होंने संघर्ष पूर्ण अपने आदर्शमय जीवन कर्मों से सकल मानव समाज को मानवता का पथ दर्शाया। उनका जीवन दर्शन चैतन्य आनंद की अगणित विशिष्टताओं से सम्पन्न, पवित्र, जगत के सब प्राणियों के लिये सुलभ, एवं सबके के लिये सुखद व समस्त जगत में शांति व सद्भाव का प्रदायक हो सकता है। भ्रमों में भटके वर्तमान विश्व में नवजीवन संचारित करने में सक्षम इस पुरुषार्थ गाथा के संदर्भ में ऋषियों का कथन है –

एवं राजा सम्प्रणीतो मिथ्थ्या व्याशङ्कितात्मना।
चकार शान्तिं परमां नृधर्मं जनमेजयात् ।।

अकारण ही जिनके मन में संदेह उत्पन्न होने से, जो अनर्थ की ओर अग्रसित हो गए थे, उन महाराजा जनमेजय को महर्षि जैमिनी द्वारा इसप्रकार 'श्री अग्रसेन की यह पावन गाथा' समझाने पर, उन्होने श्री अग्रसेन जी के समान ही मानव धर्म के हृष्ट पुष्ट आचरण से परम शांति धारण की । मानव धर्म की यह पवित्र दिव्य एवं मंगलकारी कथा है । जगत की जीवन नौका को विपत्ति के भंवर में डूबने से बचाने के लिये महामानव श्री अग्रसेन का प्रकाशवान चरित्र आलोक स्तंभ के रुप में विद्यमान है। जब मानव में मानव होने का गौरव जागृत होता है, तो स्वतः ही विकृतियां शिथिल पड़ने लगती हैं। आवश्यकता है – हम स्वयं को पहिचानें।

■ सतीश गुप्ता
सिकंदराबाद

समता के समन्वयक श्री अग्रसेन जी

कर्मयोगी लोकनायक महाराजा श्री अग्रसेन जी का समता का सिद्धान्त सामाजिक दायित्व का ऐसा उपकारहीन उपक्रम है, जो 'समाजवाद' से अनन्त श्रेष्ठ मानवता का पोषक तथा सर्वलोक कल्याण का अनुपम व अनोखा व एकमात्र आदर्श उदाहरण है।

श्री अग्रसेन ने आग्रेय गणराज्य में समता का नियम लागू करने हेतु आव्हान कि

देयानि वृत्तिक्षीणाय पौरैरेकैकश: क्रमात् ।
गत्वा निष्केष्टिकां दद्यु: जनः कुर्यान्नयाचनाम् ।।

इसलिये, आज से इस राष्ट्र (आग्रेय) में, जो भी व्यक्ति भाग्यवशात यदि आजीविका से हीन हों, उन्हे बिना याचना किए ही, राज्य के सभी निवासी (निष्क = रुपया) और एक एक ईंट स्वयं उनके पास जाकर भेंट स्वरुप दें।

ज्ञातव्य द्वापर के उस अन्तिम चरण में विनिमय की दृष्टि से (निष्क = धातुअंश जो प्रचलन में रहा होगा वह)'स्वर्णमुद्रा' को हम आज विनिमय के आधार रुपये के रुप मे – 'रुपया' कह सकते है। इस रुपये ईटं के नियम को लागू किये जाने के मूल में महाराजा अग्रसेन की जो भावना निहित है उस पर चिन्तन की आवश्यकता है। वस्तुतः इस नियम के मूल में आवश्यकता है :- ऐसे व्यक्ति की, जो याचना नहीं करता किन्तु उसे सहयोग दिया जाना चाहिये, सामाजिक स्तर पर ऐसे व्यक्ति की, तलाश करनी चाहिये। समाज को ध्यान रखना चाहिये एक दूसरे का।- सद्भावना पूर्वक ऐसे व्यक्ति की आजीविका के प्रबंध हेतु राज्य के, समाज के, सभी बंधुओ को ऐसे व्यक्ति के उत्थान का सम्मलित प्रयास करना चाहिये।

– भेंट स्वरुप प्रदान करने वाले में न तो उपकार का अहंकार उपजता और न ही भेंट स्वीकार करने वाले को स्वाभिमान को ठेस पहुंचती।

एष ते विततं वत्स सर्वभूतकुटुम्बकम् ।
विशिष्ट: सर्वयज्ञानां नित्यमत्र प्रवर्तताम् ।।

इस प्रकार सब प्राणियों के प्रति कुटुम्बवत समत्व स्थापना के इस पुनीत कार्य का जो विस्तार होगा, वह सभी यज्ञों से बढ़कर है, अतः तुम लोगों को, इस कर्मयज्ञ को सदैव गतिशील रखना चाहिए।

यदि तुम इस प्रकार करोगे तो वह निश्चय ही जगत में तुम्हारे लिये व जगत के लिए परम कल्याणकारी होगा।

चाहे समाजिक रहा हो, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक या मानवीय, श्री अग्रसेन ने सभी विभेदों को अपने लोक–व्यवहार से दमन कर सबके प्रति समान अनुभूति अपना कर, सारे जगत को मानवता का संदेश दिया।

समता सर्वभूतेषु की भावना से मंगलमय समाज की संरचना करने वाले श्री अग्रसेन ने प्राणीमात्र के सर्वोत्थान को लक्ष्य कर सामाजिक विषमता नाशक, अपने जीवन का स्वरूप निर्धारित किया। दुर्भाग्यवश किसी व्यक्ति के विपन्न हो जाने पर, उसके स्वाभिमान की सुरक्षितता के साथ उसके उत्थान की व्यवस्था करने हेतु आग्रेय गणराज्य में लागू किया गया समता का नियम सम्पूर्ण विश्व की अर्थव्यवस्था के इतिहास में अद्वितीय व प्रांजल्य है। इस संदर्भ में श्री अग्रसेन के वचन दृष्टव्य हैं कि –

आनृश्यंस्यं परो धर्म: याच्यते यत् प्रदीयते।।
याचक को दिया गया दान ही, मनुष्य का दया रुपी परम धर्म है ।
कृशाय कृतविद्याय वृत्तिक्षीणाय सुव्रत ।
क्रिया नियमिता: कार्या: पुत्रैदरिश्च सीदते ।।

अयाचमाना: सर्वज्ञा: सर्वोपायै: प्रयत्नत: ।
ते रक्षणीया विव्दांस: सर्वकामसुखावहै: ।।

जो व्यक्ति विद्वान अथवा योग्य होने के बावजूद, भाग्यवशात् अपनी आजीविका के क्षीण हो जाने के कारण दीन (निर्धन) हो जाते हैं, तथा स्त्री पुत्रादिकों के पालन कर सकने में असमर्थ हो जाने के कारण, अनेकों कष्ट उठाते हैं। तथापि किसी से याचना नहीं करते ऐसे (स्वाभिमानी) पुरुषों को प्रत्येक उपाय से सहयोग देने के लिये प्रयत्न करना चाहिये। उनकी उपयुक्त आवश्यकताओं की जानकारी लेकर, उनके सुख की स्थापना हेतु, समुचित कर्म करना चाहिये।

■ जगतनारायण अग्रवाल
हैदराबाद

लोकनायक महाराजा अग्रसेन

लोकनायक महाराजा अग्रसेन जी का जन्म क्षत्रिय समाज में हुआ था। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तथा जगत की उन्नति मूल रूप से जिन चार स्तंभों पर निर्भर होती हैं, वे हैं– आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व सामाजिक। महाराजा अग्रसेन का जीवन–दर्शन चारों स्तंभों को मजबूत करके उन्नत विश्व के नवनिर्माण का आधार बनाता है। वहीं सर्वलोक हितं धर्म का पथ प्रशस्त करता है। महाराजा अग्रसेन ऐसे कर्मयोगी लोकनायक हैं जिन्होंने बाल्यकाल से ही, संघर्षों से जूझते हुए अपने आदर्श जीवन कर्म से, सकल मानव समाज को महानता का जीवन– पथ दर्शाया। अपनी आत्मशक्ति को जाग्रत कर, विश्व उपदेष्टा का महत कार्य किया। चैतन्य आनंद की अगणित विशेषताओं से संपन्न, परम पवित्र, परिपूर्ण, परिशुद्ध, मानव की लोक कल्याणकारी आभा से युक्त महामानव अग्रसेन की महिमा से अनभिज्ञ होने के कारण उन्हें एक समाज विशेष का कुलपुरुष घोषित कर इतिहास ने हाशिए पर डाल दिया।

समाजवादी व्यवस्था के निर्माता महाराजा अग्रसेन सनातन संस्कृति के संवाहक है। रामराज्य का सपना साकार करने वाले महाराजा अग्रसेन सच्चे जीवन के पथ प्रदर्शक थे। अग्रसेन जी सूर्यवंश में जन्मे। महाभारत के युद्ध के समय वे पन्द्रह वर्ष के थे। युद्ध हेतु सभी मित्र राजाओं को दूतों द्वारा निमंत्रण भेजे गए थे। पांडव दूत ने वृहत्सेन की महाराज पांडु से मित्रता को स्मृत कराते हुए राजा वल्लभसेन से अपनी सेना सहित युद्ध में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया था। महाभारत के इस युद्ध में महाराज वल्लभसेन अपने पुत्र अग्रसेन तथा सेना के साथ पांडवों के पक्ष में लड़ते हुए युद्ध के 10वें दिन भीष्म पितामह के बाणों से बिंधकर वीरगति को प्राप्त हो गए थे। युद्धोपरांत महाराजा युधिष्ठर ने भगवान कृष्ण के नेतृत्व में जो राजा व राजपुत्र शेष रहे थे, उन्हें बिदा किया। महाराजा अग्रसेन ने लोक कल्याणार्थ किए गए यज्ञ में पशु बलि देने से इंकार कर दिया। इस प्रकार क्षात्रवर्ण की आहुति देकर वैश्य वर्ण को उन्होंने अपना लिया।

महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु उन्होंने नियम बनाया कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक तत्कालीन प्रचलन का सिक्का व एक ईंट देगा, जिससे आसानी से नवागन्तुक परिवार स्वयं के लिए निवास स्थान व व्यापार का प्रबंध कर सके। महाराजा अग्रसेन ने तंत्रीय शासन प्रणाली के प्रतिकार में एक नई व्यवस्था को जन्म दिया, उन्होंने पुन: वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य की पुनर्गठन में कृषि–व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ–साथ नैतिक मूल्यों की पुन: प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। इस तरह महाराज अग्रसेन के राजकाल में अग्रोदय गणराज्य ने दिन दूनी–रात चौगुनी तरक्की की। कहते हैं कि इसकी चरम स्मृद्धि के समय वहां लाखों व्यापारी रहा करते थे। वहां आने वाले नवागत परिवार को राज्य में बसने वाले परिवार सहायता के तौर पर एक रुपया और एक ईंट भेंट करते थे, इस तरह उस नवागत को लाखों रुपये और ईंटें अपने को स्थापित करने हेतु प्राप्त हो जाती थीं जिससे वह चिंता रहित हो अपना व्यापार शुरू कर लेता था। महाराजा अग्रसेन एक कर्मयोगी लोकनायक के साथ–साथ संतुलित एवं आदर्श समाजवादी व्यवस्था के निर्माता भी थे। वे गणतंत्र के संस्थापक, समाजवाद के प्रणेता, अहिंसा के पुजारी एवं शांति के दूत थे। जनहित के लिए समर्पित ऐसी महान विभूति को उनकी जयंती पर शत्–शत् नमन।

■ विजयप्रकाश अग्रवाल
हैदराबाद

बोल्ड रोल करती हो तो मिल भी सकती हो!

रात में फोन करके मल्लिका शेरावत को मिलने बुलाते थे बड़े एक्टर्स

मल्लिका शेरावत का नाम अपने समय की उन एक्ट्रेसेज में गिना जाता है जोकि आते ही काफी ज्यादा पॉपुलर हो गई थीं। उन्होंने अपनी बेहतरीन अदाओं और बोल्ड सीन्स से जनता को अपना दीवाना बना दिया था।

वायरल हो रहा मल्लिका का पुराना वीडियो

काफी लंबे समय के गैप के बाद मल्लिका राज शांडिल्य की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से वापसी कर रही हैं। इस फिल्म में वो मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं। उन्हें आखिरी बार तमिल फिल्म 'पंबट्टम' में देखा गया था जो पिछले साल हिंदी में रिलीज हुई थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस का एक पुराना वीडियो रेडिट पर वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने अपनी बोल्ड इमेज की वजह से बॉलीवुड में फेस किए गए चैलेंजेस के बारे में बात की।मल्लिका ने बताया कि चूंकि वो स्क्रीन पर इस तरह के रोल करती थीं इसलिए कई टॉप एक्टर्स को लगता था कि वो ऑफ स्क्रीन भी उनके साथ कंप्रोमाइज कर लेंगी। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें रात में इस तरह के कई कॉल्स आते थे लेकिन उन्होंने सभी को रिजेक्ट कर दिया।

फोन करके रात में मिलने बुलाते थे

मल्लिका ने बताया कि इस रिजेक्शन की वजह से ही उन्हें इंडस्ट्री से साइडलाइन कर दिया गया। मल्लिका ने कहा, कुछ हीरोज मुझे कॉल करते थे और रात में मिलने के लिए बुलाते थे। मैं फोन पर कहती थी कि मैं आपसे रात में मिलने क्यों आऊं। इस पर वो कहते थे कि अरे तुम इतने बोल्ड रोल्स कर लेती हो स्क्रीन पे, तो मेरे को रात को मिलने में क्या प्रॉब्लम है।

मल्लिका ने आगे कहा, मैं इस तरह की फिल्में कर रही थी तो ये लोग मुझे ओपन समझते हैं। उन्हें लगता था कि जब ये पर्दे पर इतनी बोल्ड हो सकती है तो हमारे साथ भी बोल्ड हो सकती है। हमारे साथ भी कंप्रोमाइज कर सकती है। लेकिन मैं ऐसी नहीं हूं।

नरगिस की शादी से टूट गए थे राज कपूर

दर्द में सिगरेट से जला लिया था अपना हाथ

मनोरंजन इंडस्ट्री में कई सितारे ऐसे हैं, जिन्होंने पब्लिकली कभी अपने प्यार को स्वीकार नहीं किया, लेकिन दबी जुबान में बॉलीवुड के गलियारों में उनके लव-अफेयर की चर्चा होती रहती हैं। ये सिलसिला आज से नहीं, बाकी उस समय से चलता आ रहा है, जब राज कपूर हिंदी सिनेमा के बेताज बादशाह थे।

12 मई 1946 में कृष्णा मल्होत्रा के साथ शादी के बंधन में बंधे राज कपूर का नाम नरगिस दत्त से लेकर वैजयंती माला जैसी अभिनेत्रियों के साथ जुड़ा। पर्दे पर नरगिस दत्त संग उनकी जोड़ी खूब जमी और दोनों ने साथ में आवारा, श्री-420, अनाड़ी, चोरी-चोरी जैसी फिल्मों में काम भी किया।

शादीशुदा राज कपूर और नरगिस दत्त एक साथ फिल्मों में काम करने के दौरान निजी जिंदगी में भी एक-दूसरे के इतने करीब आ गए कि दोनों के प्यार की चर्चा हर तरफ होने लगी। हालांकि, जब नरगिस दत्त ने राज कपूर को छोड़कर सुनील दत्त से शादी करने का फैसला किया शो मैन इस दुःख को बर्दाश्त नहीं कर सके।

क्या नरगिस दत्त ने दिया था राज कपूर को धोखा?

नरगिस दत्त और राज कपूर का रिश्ता तकरीबन 9 साल तक चला। ऐसा कहा जाता है कि वह महज जब 16 साल की थीं, तब उनका दिल राज कपूर पर आया था, लेकिन एक्टर-डायरेक्टर के पहले से शादीशुदा होने की वजह से उनके प्यार को मंजिल नहीं मिली। साल 1958 में जब नरगिस दत्त ने अभिनेता और पॉलिटिशियन सुनील दत्त से शादी की, तो राज कपूर बुरी तरह टूट गए और रोने लगे।

नरगिस दत्त और राज कपूर की अधूरी लव स्टोरी का जिक्र ऑथर मधु जैन की बुक द कपूर: द फर्स्ट फैमिली ऑफ इंडियन सिनेमा में भी किया गया है। इस किताब के मुताबिक, नरगिस दत्त से ब्रेकअप होने के बाद राज कपूर ने एक जर्नलिस्ट से अपना दर्द शेयर करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि उनके साथ धोखा हुआ है।

बुक में ये भी जिक्र किया गया है कि नरगिस और सुनील दत्त की शादी से राज कपूर इतना ज्यादा टूट गए थे कि कथित तौर पर सिगरेट से अपना हाथ जला लिया था। वह इस बात को सुनिश्चित करना चाहते थे कि कहीं वह सपना तो नहीं देख रहे हैं। उन्हें इस बात को समझने में मुश्किल हो रही थी कि नरगिस जिंदगी में मूवी ऑन कैसे हो गईं।

नरगिस संग रिश्ते को कभी नहीं दिया नाम

ऐसा माना जाता है कि राज कपूर के दिल में भले ही नरगिस दत्त के लिए कितना भी प्यार हो, लेकिन शादीशुदा होने की वजह से वह इस बात को ऑफिशियली कभी भी स्वीकार नहीं कर पाए।

हालांकि, उन्होंने कई मौकों पर नरगिस दत्त की तारीफ की। वह दिग्गज अभिनेत्री को एंजेलिक मानते थे और अक्सर उनके काम की तारीफ करते थे। हालांकि, जब दोनों की नजदीकियों को देखते हुए राज कपूर से नरगिस दत्त से जुड़ा कोई सवाल किया जाता था, तो वह उसका जवाब देने से बचते थे।

बेबी जॉन से वरुण धवन का धांसू पोस्टर आउट

सलमान खान ने शुरू की फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड स्टार वरूण धवन की अपकमिंग फिल्म बेबी जॉन है जिसे जवान के डायरेक्टर एटली निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और मेकर्स भी फिल्म की अपडेट शेयर करते रहते हैं। अब हाल ही में फिल्म से नया धांसू पोस्टर रिलीज हुआ है जिसमें वरूण किलर लुक में नजर आ रहे हैं। वहीं मेकर्स ने फिल्म से सलमान के कैमियो के बारे में भी अपडेट शेयर की है।ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- बेबी जॉन की झलक, मास सिनेमा अपने बेस्ट लेवल पर। सलमान खान ने इस वीकेंड में अपना कैमियो शूट किया। वरुण धवन को एक अलग ही मास अवतार में और बेबीजॉन की 5

मिनट से अधिक की झलक देखने के लिए उत्सुक था मैंने जो देखा वह बिल्कुल शानदार है। आखिरकार जवान के बाद एटली के टैलेंट पर कौन शक कर सकता है। और सभी फैस के लिए सलमान खान इस वीकेंड के आखिरी में अपने हिस्से की शूटिंग करने के लिए तैयार हैं। बेबी जॉन इस क्रिसमस पर आ रही है 25 सितंबर से सिनेमाघरों में।बेबी जॉन की स्टोरी को कलीश ने लिखा और डायरेक्ट किया है। बेबी जॉन एटली के निर्देशन में बनी फिल्म थेरी का ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। थेरी साल 2016 में रिलीज हुई थी, जिसमें साउथ सुपरस्टार विजय और सामंथा रुथ प्रभु ने लीड रोल प्ले किया था। इस फिल्म में वरुण धवन, वामिका गब्बी, कीर्ति सुरेश, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव खास रोल प्ले कर रहे हैं। वहीं इसमें सलमान खान का शानदार कैमियो है। बेबी जॉन को जवान डायरेक्टर एटली डायरेक्ट कर रहे हैं।

भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा का रेड मोनिकिनी में दिखा बोल्ड अवतार

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बनाए रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब मोनालिसा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ हॉट तस्वीरें साझा की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा ने एक रेड मोनिकिनी पहनी है, जिसमें उनका बोल्ड अवतार नजर आ रहा है। मोनालिसा ने लाइट मेकअप के साथ खुले बालों में शानदार पोज दिए हैं, जो उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं। उनकी यह तस्वीरें फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं, और उन्हें देखकर कई लोग दंग रह गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा भोजपुरी इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने अपने स्टनिंग फैशन सेंस से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।बता दें कि एक्ट्रेस इंडियन हो या फिर वेस्टर्न अपने हर लुक में बवाल लगती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज देखकर अक्सर फैंस मदहोश हो जाते हैं।मोनालिसा की हॉटनेस और आत्मविश्वास ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है।

बादशाह के गाने की शूटिंग के दौरान ट्विंकल खन्ना को गैस का था डर

क्या है बिल क्लिंटन कनेक्शन?

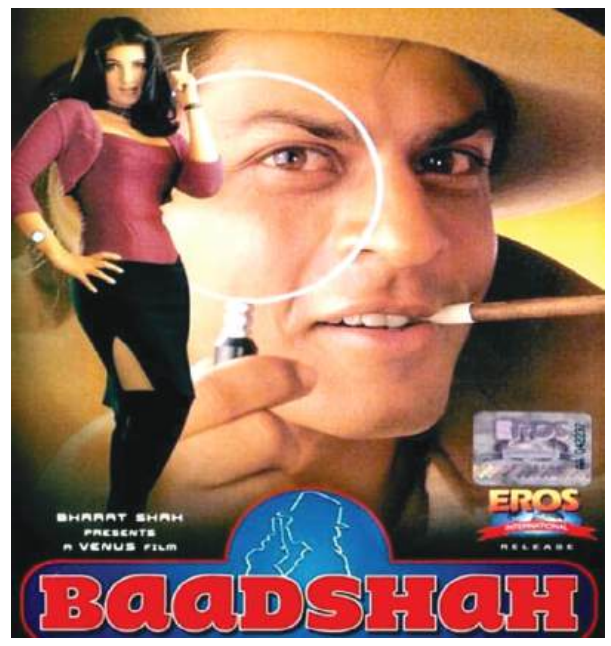

शाह रुख खान की भले ही दो-तीन फिल्में आज के समय में फ्लॉप भी हो जाए, लेकिन इससे उनकी बादशाहत पर कोई असर नहीं पड़ता। पिछले कई सालों से किंग खान बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। उनका औरा ही फैंस का दिल जीतने के लिए काफी है। उन्होंने नेगेटिव रोल से रोमांटिक हीरो बनने तक का सफर तय किया है। उन्होंने साल 1992 में दिव्या भारती और ऋषि कपूर स्टारर फिल्म 'दीवाना' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। उनकी किस्मत ने शुरू से ही उनका साथ दिया और आज के समय में वह बॉलीवुड के बादशाह हैं। वह जो भी फिल्म करते हैं उसकी शूटिंग से जुड़ा कोई न कोई किस्सा जरूर सामने आता है। ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा है उनकी फिल्म 'बादशाह' का, जब ट्विंकल खन्ना को गाने की शूटिंग के दौरान गैस का डर सताने लगा था।

बादशाह को पूरे होने वाले हैं 25 साल

शाह रुख खान-ट्विंकल खन्ना स्टारर फिल्म 'बादशाह' जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, तो उस समय फिल्म का रिस्पांस खास नहीं था, लेकिन बाद में इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़े थे। 27 अगस्त 1999 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म से जुड़ा एक किस्सा ट्विंकल खन्ना ने शेयर किया था। उन्होंने श्रायना भट्टाचार्य से खास बातचीत करते हुए बताया था कि जब शाह रुख खान उन्हें गाने के लिए उठा रहे थे, तो उन्हें गैस निकलने का डर लग रहा था। ट्विंकल खन्ना ने बताया कि ये एक बहुत बड़ी गलतफहमी है कि अभिनेत्रियां डाइट नहीं करती हैं, क्योंकि उन्होंने खुद कैटसूट में फिट होने के लिए डाइट की थी। वह सिर्फ और सिर्फ चने ही खाती थीं। उन्होंने बताया 'मोहब्बत हो गई' गाने की शूटिंग के दौरान जब शाह रुख खान उन्हें गोद में उठा रहे थे, तो वह इस बात को सोचकर डर गई थीं कि कहीं वह सिलेंडर की तरह फट ना जाए, क्योंकि सिर्फ चने खाने से उनके पेट में गैस हो रही थी। हालांकि, वह खुद को संभालने में सफल रहीं।

बिल क्लिंटन से भी फिल्म का है कनेक्शन

शाह रुख खान की इस फिल्म में ट्विंकल खन्ना के अलावा दीपशिखा नागपाल, जॉनी लीवर, अमरीश पूरी, शरत सक्सेना, जैसे सितारों ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में सोनू का किरदार करिश्मा जैन ने निभाया था। हालांकि, इस फिल्म से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का भी खास कनेक्शन है। जो इस फिल्म में नजर तो नहीं आए, लेकिन एंड में उनके नाम का इस्तेमाल जरूर हुआ। दरअसल इस फिल्म में एक सीन दिखाया गया है, जहां सभी केस सुलझाने के बाद 'बादशाह' लास्ट में अपनी माशूका के साथ मी-टाइम बिताते हैं, तभी अमेरिका में एक केस सुलझाने के लिए उन्हें बिल क्लिंटन का फोन आता है, जो जॉनी लीवर उर्फ रामलाल रिसीव करता है और शाह रुख खान को बताता है, लेकिन 'बादशाह' केस लेने से इनकार कर देता है।

बादशाह ने 1999 में लाइफटाइम की थी इतनी कमाई

शाह रुख खान और ट्विंकल खन्ना स्टारर इस फिल्म ने पहले दिन इंडियन बॉक्स ऑफिस पर टोटल 1.10 करोड़ से ओपनिंग की थी। एक्शन कॉमेडी फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 25.08 करोड़ का हुआ था और वर्ल्डवाइड मूवी ने टोटल 31.60 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म का बजट टोटल 11 करोड़ का था। बादशाह साल 1999 में दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आठवीं फिल्म थी।

कुमकुम भाग्य की मोनिशा का लुक तय करने में काम आता है सृष्टि का फैशन डिजाइनिंग का अनुभव

शो कुमकुम भाग्य में मोनिशा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सृष्टि जैन फैशन प्रेमी हैं। वह शो में अपने किरदार के कपड़े खुद ही चुनती हैं। वह अपने इस टैलेंट का न केवल अपने किरदार के लिए इस्तेमाल करती हैं, बल्कि यह उनकी पर्सनल लाइफ में भी साफ नजर आता है।सृष्टि ने मुंबई से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की है। इसके बावजूद उनकी किस्मत उन्हें अभिनय की दुनिया में ले आई। मगर अपने करियर में इस बदलाव के बावजूद सृष्टि ने फैशन के प्रति अपने जुनून को कम नहीं होने दिया।सृष्टि के लिए फैशन सिर्फ कपड़ों के बारे में नहीं है, यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां वह वास्तव में अपनी रचनात्मकता से जुड़ाव महसूस करती हैं जो उन्हें स्क्रीन के अलावा पर्सनल लाइफ में भी बेहतर फील कराता है।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए सृष्टि ने कहा, शो में मोनिशा के किरदार को अपनाना मेरे लिए एक बहुत ही खास अनुभव रहा। इस भूमिका को मैंने पूरे दिल से स्क्रीन पर उतारा है। मुझे खुशी है कि मैं अपने अभिनय करियर में अपने फैशन डिजाइनिंग के हुनर का भी इस्तेमाल कर रही हूं।उन्होंने कहा, मोनिशा के लिए आउटफिट और एक्सेसरीज चुनना अपने आप में एक खास अनुभव है, जिसे मैं बेहद एंजॉय करती हूं। मेरे लिए अपने जुनून को अपने अभिनय करियर के साथ मिलाना, एक शानदार एहसास है। इसके लिए मैं अपनी टीम के साथ बात करती हूं और हम मिलकर सब कुछ तय करते हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत एकता कपूर द्वारा निर्मित कुमकुम भाग्य जी टीवी पर प्रसारित होता है।सृष्टि ने 2013 की फिल्म वॉर छोड़ ना यार में एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया। उन्होंने 2016 में सुहानी सी एक लड़की से कृष्ण माथुर के रूप में अपने टीवी करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह मेरी दुर्गा, मैं मायके चली जाउंगी, एक थी रानी एक था रावण, लाल इश्क, हमारी वाली गुड न्यूज, बड़े अच्छे लगते हैं 3 और चांद जलने लगा जैसे शो में नजर आ चुकी हैं।

गांधी जयंती पर सीएम योगी ने गांधी आश्रम में चलाया चरखा

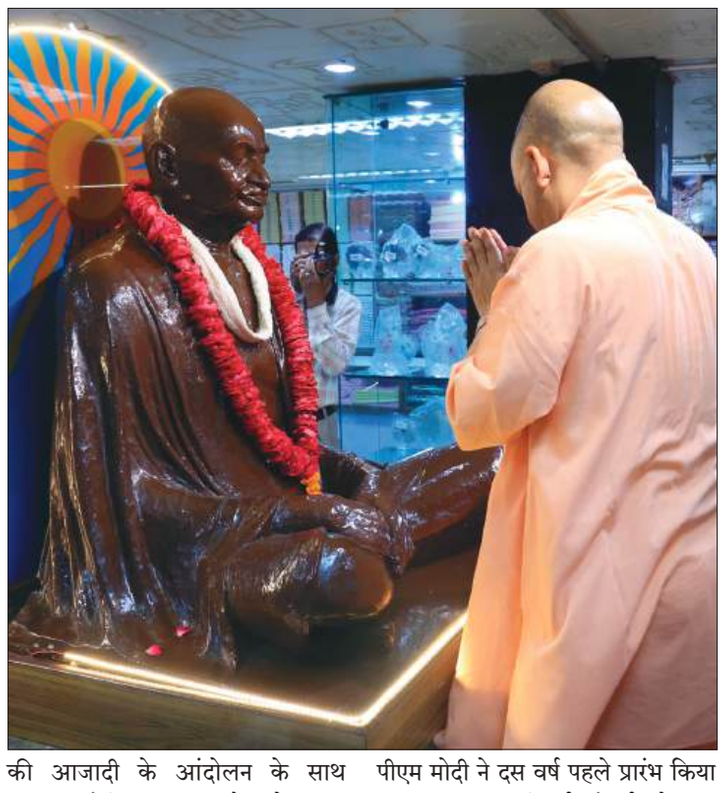

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी किया नमन

लखनऊ, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आजादी के महानायक थे। महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्र और मानवता के लिए किए गए उनके योगदान के प्रति देश कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है। मान्यता थी कि ब्रिटिश साम्राज्य का सूर्य कभी अस्त नहीं होता था, लेकिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में चला आजादी का आंदोलन उनके सूर्य को अस्त करने में सफल रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महात्मा गांधी की जयंती पर क्षेत्रीय गांधी आश्रम में अपने विचार रखे। यहां उन्होंने चरखा चलाया और भजनों का आनंद लिया। सीएम ने यहां खादी के वस्त्रों की खरीद-ारी भी की। फिर ऑनलाइन पेमेंट भी किया। सीएम योगी ने कहा कि स्वदेशी जब तक भारत की आजादी का मंत्र नहीं बना था, तब तक आजादी की लड़ाई एकजुट होकर नहीं दिख रही थी। भारत की आजादी के आंदोलन के साथ महात्मा गांधी का जुड़ना और उसे स्वद-ेशी के साथ जोड़ने का जो अभियान रहा, इससे आजादी के लिए हर नागरिक के मन में गौरव व स्वावलंबन का भाव जागृत हुआ। खादी उसका प्रतीक बना।

सीएम योगी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता के प्रति उन अभियानों को ऊंचाई देना है, जिनकी प्रासंगिकता न केवल 100 वर्ष पहले, बल्कि आज भी उसी रूप में बनी है। जिस मिशन को पीएम मोदी ने दस वर्ष पहले प्रारंभ किया था, वह आज भी नई ऊंचाई को प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। देश में 12 करोड़ से अधिक घरों में शौचालयों का निर्माण न केवल स्वच्छता के प्रति उनके आग्रह, बल्कि नारी गरिमा के गौरव को बढ़ाने का अभियान भी है। नारी सशक्तिकरण के बिना समाज को स्वावलंबी नहीं बना सकते। स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, स्वदेशी व स्वावलंबन के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के वचनों की प्रासंगिकता आज भी बनी है।

सीएम योगी ने कहा कि जो भी देश शक्तिशाली व सामर्थ्यवान बने हैं, उन्होंने सर्वप्रथम आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान ने अपनी उद्यमिता को बढ़ाया है। वहीं देश में पीएम मोदी का वोकल फॉर लोकल भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वदेशी अभियान को नई ऊंचाई प्रदान करने का कार्यक्रम है। सीएम योगी ने कहा कि नया भारत महात्मा गांधी के मूल्यों व आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करते हुए निरंतर बढ़ रहा है। विश्वकर्मा जयंती व पीएम मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़ा के तहत अनेक कार्यक्रम हुए हैं। 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय के साथ जुड़ता हुआ दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर समापन की तरफ बढ़ रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि खादी हमारे जीवन का हिस्सा बने। उन्होंने बताया कि गांधी आश्रम में 108 दिन तक खादी के उत्पादों पर 25 फीसदी छूट दी जाएगी। सीएम ने आह्वान किया कि इस अवधि में खादी की कोई वस्तु अवश्य खरीदें। स्वदेशी वस्तुओं को उपहार स्वरूप भेंट करें। स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल के लिए लोगों को प्रेरित करें। इससे अधिक से अधिक रोजगार का सृजन होगा और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को भी साकार करने में मदद मिलेगी। यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के अभियान के स्वरूप विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में मदद करेगा।

मंदिर से हटा कर गंगा में प्रवाहित की जा रही साईं की मूर्तियां

वाराणसी, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की धर्मनगरी काशी में कई मंदिरों से शिरडी साईं की प्रतिमाएं हटाई जा रही हैं। अब तक 14 मंदिरों से साईं की मूर्तियां हटा दी गई हैं। यह कदम केंद्रीय ब्राह्मण सभा के विरोध के बाद उठाया गया है, जिसमें साईं की पूजा को सनातन धर्म विरोधी बताया गया था। मूर्तियां हटाने से पहले संबंधित मंदिरों की सहमति ली गई है और उन्हें विधि-विधान से गंगा में विसर्जित किया जा रहा है।

वाराणसी के जिन प्रमुख मंदिरों से साईं की प्रतिमाएं हटाई गई हैं, उनमें बड़ा गणेश मंदिर, त्र्यंबकेश्वर मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर और पुरुष-ोत्तम मंदिर समेत 14 मंदिर शामिल हैं। सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा ने बताया कि कुल 100 मंदिरों की सूची बनाई गई है, जहां से साईं की मूर्तियों को हटाया जाएगा। इनमें अगस्त्यकुंडा और भूतेश्वर जैसे पौराणिक स्थल भी शामिल हैं। अजय शर्मा ने दावा है कि काशी महादेव शिव की नगरी है, और अनजाने में लोग साईं की पूजा करने लगे थे। उनका दावा है कि जिन मंदिरों से साईं की मूर्तियां हटाई जा रही हैं, उन्हें 2013 में स्थापित किया गया था। मूर्तियों को हटाने के बाद गंगा नदी में विधिपूर्वक विसर्जित किया जा रहा है। बड़ा गणेश मंदिर में साईं की मूर्ति की जगह माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

अजय शर्मा ने यह भी कहा कि साईं की पूजा करने वालों को अपने घर में पूजा करने की छूट है, या वे चाहें तो एक अलग मंदिर का निर्माण कर सकते हैं। मंदिरों से मूर्तियां हटाने से पहले मंदिर प्रबंधन की सहमति ली जा रही है। बड़ा गणेश मंदिर के महंत रम्मू गुरु का कहना है कि लोग अज्ञानता के कारण साईं की पूजा कर रहे थे। अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकर पुरी ने भी इस कदम का समर्थन किया, उनका कहना है कि शास्त्रों में शिरडी साईं की पूजा का कोई विधान नहीं है। हालांकि, समाजवादी पार्टी के एमएलसी आशुतोष सिंह और कुछ अन्य लोग इस कदम का विरोध कर रहे हैं।

फसल कटाई के दौरान राजस्व कर्मियों की कहीं और नहीं लगेगी ड्यूटी

लखनऊ, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)। खरीफ फसलों की कटाई के समय को नजदीक देखते हुए योगी सरकार की ओर से सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसमें विशेष तौर पर निर्देश दिया गया है कि फसल कटाई अवधि के दौरान राजस्व कर्मियों को अन्य ड्यूटी में न लगाया जाए। सिर्फ विशेष परिस्थितियों में ही ऐसा किया जा सकेगा, जिसका कारण बताना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त उपजिलाधिकारी और तहसीलदारों को फसल कटाई प्रयोगों के संपादन की समीक्षा का भी निर्देश जारी किया गया है।

निर्देशों के क्रम में कहा गया कि सभी जनपदों में कृषि, राजस्व एवं विकास विभाग के अधिकारियों को 15 प्रतिशत अनिवार्य निरीक्षण के लिए नामित किया जाए।

इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत इंपैनल्ड बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा भी 30 प्रतिशत क्रॉप कटिंग प्रयोगों का अवलोकन कराने के निर्देश दिए गए। वहीं, फसल कटाई के बाद पोर्टल पर कटाई प्रयोगों का परीक्षण कर ही उपज तौल अनुमोदित किया जाए।

हाल ही में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के समक्ष हुए प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि सीसीई एग्री एप के माध्यम से खरीफ 2022 से भारत सरकार के निर्देशानुसार आवश्यक रूप से 100 प्रतिशत क्राप कटिंग लागू है। फसल बीमा में ली गई फसलें खरीफ - धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, उर्द, मूंग, तिल, मूंगफली, सोयाबीन व अरहर (10 फसलें) और रबी- गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर, लाही-सरसों, अलसी व आलू (08 फसलें) सम्मिलित हैं। सीसीई एग्री ऐप से क्राप-कटिंग कराने हेतु राजस्व परिषद से निर्देश जारी किए जा चुके हैं। रबी 2023-24 में 86.09 प्रतिशत प्रयोग सीसीई एग्री ऐप से संपादित कराए गए। वहीं जीसीईएस ऐप पर रबी 2023-24 से लागू है। जीसीईएस में ली गई फसलें - खरीफ धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, उर्द, मूंग, तिल, मूंगफली, सोयाबीन व अरहर (10 फसलें) और रबी-गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर, लाही-सरसों, अलसी व आलू (08 फसलें) शामिल हैं। रबी 2023-24 में 13,388 क्राप कटिंग प्रयोग नियोजित हुए, जबकि 88 प्रतिशत क्रॉप कटिंग प्रयोग जीसीईएस ऐप से संपादित कराए गए। इसी तरह खरीफ 2024 में 13,654 प्रयोग नियोजित कराए गए।

उल्लास-उमंग के त्यौहारी माहौल में भाईचारा बना रहे : योगी

नवरात्र से छठ तक अलर्ट रहे पुलिस और प्रशासन: मुख्यमंत्री

लखनऊ, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्व-त्योहारों के अवसर पर पुलिस और प्रशासन को 24 -7 अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी जिले विगत वर्षों में त्यौहारों के समय प्रदेश में घटी हर छोटी-बड़ी घटना का आंकलन करें और ऐसी व्यवस्था बनाएं कि इस वर्ष शारदीय नवरात्र से छठ तक के पूरे त्योहारी माहौल में कहीं भी एक भी अप्रिय घटना न घटे। उल्लास और उमंग का यह समय शांति और सौहार्द पूर्ण माहौल में बीते, इसके लिए बीट सिपाही से लेकर चौकी, थाना, जिला, रेंज, ज़ोन, मंडल में तैनात हर अधिकारी को प्रयास करना होगा।

मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारी व पुलिस कप्तानों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने त्यौहारी माहौल में जिला स्तर पर बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने दिशा-निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा, अगले दो दिनों में सभी दुर्गा पूजा कमेटियों से थाना, सर्किल और जनपद स्तर पर संवाद कर लिया जाए। कहीं भी सड़क खोद कर पंडाल न बनाया जाए। पंडाल बनाते समय यातायात की सुगमता का पूरा ध्यान रखा जाए। प्रतिमा की ऊंचाई एक सीमा से अधिक न हो। कमेटियों से बातचीत कर यह सुनिश्चित कराएं कि उनके परिसर में ऐसा कोई कृत्य नहीं होगा, जिससे किसी अन्य की आस्था आहत हो। फूहड़ अथवा कानफोड़ू गीत-संगीत-नृत्य नहीं होना चाहिए। कमेटी द्वारा पंडाल व आस-पास साफ-सफाई का माहौल बना कर रखना होगा।

प्रतिमा विसर्जन का रूट पहले से स्पष्ट होना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि प्रतिमा विसर्जन रूट पर कहीं हाईटेंशन लाइन न हो। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। पंडालों में फायर सेफ्टी के संबंध में आवश्यक प्रबन्ध होने चाहिए। बीट सिपाही से लेकर हल्का इंचार्ज और पुलिस कप्तान सहित हर अधिकारी सड़क पर उतरे। त्योहार के दिनों में कुछ अराजक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में पुलिस को अलर्ट रहना होगा। आम आदमी को उसकी सुनिश्चित सुरक्षा के लिए पूरा भरोसा दिलाना होगा।

शारदीय नवरात्र के समय यद्यपि सभी देवी स्थानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। इसका ध्यान रखते हुए आवश्यक पुलिस बल की तैनाती की जानी चाहिए।

मीरजापुर में माँ विंध्यवासिनी धाम, सहारनपुर में मां शाकुम्भरी मंदिर, वार-ाणसी में विशालाक्षी मंदिर और बलरामपुर में माँ पाटेश्वरी धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के दृष्टिगत बेहतर प्रबंध होने चाहिए। प्रत्येक मंदिर परिसर में साफ-सफाई होनी चाहिए। पर्व-त्यौहार के समय बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। परिवहन निगम को ग्रामीण रूट पर बसों को बढ़ाने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित कराएं की पुलिस हो या बस ड्राइवर कंडक्टर, लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें। डग्गामार, खस्ताहाल बसों का उपयोग नहीं होना चाहिए। नगरीय क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक बस सेवा को बढ़ाना होगा।

दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को नि:शुल्क रसोई गैस सिलेंडर वितरित किया जाना है।

इसके संबंध में समय से सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएं। प्रत्येक दशा में दीपावली से पहले सभी लाभार्थियों के घर रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध हो जाना चाहिए। सीएम योगी ने कहा, हाल के दिनों में रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर, पत्थर रखने जैसी सूचनाएं मिली हैं। इसमें रेल यातायात को बाधित करने और रेल दुर्घटना की साजिश की आशंका है। कुछ स्थानों पर ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाएं भी देखने को मिली हैं। रेलवे के साथ मिलकर इंटेलिजेंस को बेहतर बनाएं। हमें अपने ग्राम चौकीदारों के तंत्र को और सक्रिय करना होगा।

खुले में मांस की बिक्री अथवा अवैध स्लाटर हाउस का संचालन कहीं भी न हो। इस पर यथोचित कड़ाई की जाए। धार्मिक स्थलों के आस-पास मांस-मदिरा की दुकानें न हों। मदिरा की दुकानें तय अवधि में ही खुलें। अवैध जहरीली शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रखें। सभी अस्पतालों में 24÷7 चिकित्सकों की उपलब्धता हो। इमरजेंसी में उपयोगी दवाओं की कमी न हो। खान-पान की चीजों में मिलावटखोरी के खिलाफ सघन अभियान जारी रखें। गरीबों, धात्री महिलाओं और कुपोषित बच्चों के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा राशन तथा पौष्टिक आहार पात्र लोगों को जरूर मिले। राशन माफिया जैसे तत्वों को पनपने न दें। यदि कहीं भी ऐसी कोई सूचना मिले तो कठोर कार्रवाई की जाए।

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति का पांचवां चरण अतिशीघ्र प्रारंभ होने जा रहा है। अभियान के लिए हर विभाग की कार्ययोजना पूर्व से ही तय है, तदनुसार हर विभाग अपनी कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम सचिवालय पर महिला बीट अधिकारी, आशा, एएनएम, बीसी सखी, पंचायत सचिव आदि द्वारा महिलाओं को एकत्रित कर उन्हें महिला हित संबंधी योजनाओं की जानकारी दी जानी चाहिए। नामांतरण, वरासत, पारिवारिक बंटवारे, पैमाइश जैसे आमजन से जुड़े राजस्व वादों के निस्तारण में लेटलतीफी न हो। एक समय सीमा के भीतर इनका निस्तारण किया जाए।

अटल आवासीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं पहुंचे इसरो

सीएम योगी की पहल पर मेधावियों को मिला सुअवसर

लखनऊ, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)। जो बच्चे कल तक अच्छी शिक्षा को तरस रहे थे, वही बच्चे आज भारत की अंतरिक्ष विज्ञान की सबसे बड़ी एजेंसी इसरो में अंतरिक्ष के रहस्य जान रहे हैं। इन बच्चों को ये बहूमूल्य अवसर दिलाया है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। अटल आवासीय विद्यालय की परिकल्पना करते वक्त सीएम योगी ने जो सपना देखा था आज वो साकार होता दिख रहा है। अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी छात्र एवं छात्राएं इन दिनों इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) का शैक्षिक भ्रमण करने के लिए अहमदाबाद गए हुए हैं। यहां इन छात्र-छात्राओं को इसरो के वैज्ञानिकों के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान तथा इसरो से संबंधित ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं में सम्मिलित होने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर अटल आव-ासीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के तकनीकी, कौशल एवं सर्वांगीण विकास के लिए यह अवसर उपलब्ध कराया गया है।

उत्तर प्रदेश में संचालित 18 अटल आवासीय विद्यालयों में बीते दिनों उत्कृष्ट अटल प्रोग्राम के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान, मशीन क्रिएशन और ड्रोन टेक्न-ोलॉजी जैसी एडवांस एक्टिविटी का आयोजन किया गया था। 15 दिनों तक चले विशेष कार्यक्रम में छात्रों ने विषय

विशेषज्ञों से अंतरिक्ष के रहस्यों के साथ ही भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के बारे में भी जाना, जबकि कई छात्र-छात्राओं द्वारा ऑटोमैटिक लाइट, स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक, स्मार्ट डस्टबिन और फुल रोवर ड्रोन के उत्कृष्ट मॉडल बनाकर अपनी रचनात्मकता भी प्रदर्शित की गई। इस कार्यक्रम के तहत इन विद्यालयों में स्पेस आर्ट और बेस्ट प्रोडक्ट डेवलपमेंट कंपटीशन में विजेता रहे प्रत्येक विद्यालय से एक छात्र-छात्रा को विज्ञान रत्न की उपाधि दी गई तथा सभी विजेता छात्र-छात्राओं को इसरो (एसएसी), अहमदाबाद का भ्रमण कराया गया। यहां इसरो के वैज्ञानिकों के माध्यम से उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान तथा इसरो से संबंधित ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं में जाने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस शैक्षिक भ्रमण के दौरान इसरो (एसएसी) के डायरेक्टर निलेश देसाई ने इन छात्र-छात्राओं को अंतरिक्ष के रहस्यों की जानकारी के साथ ही भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के बारे में भी बताया। इस दौरान दौरान निदेशक इसरो (एसएसी) एवं अन्य वेज्ञानिकों द्वारा छात्र-छात्राओं से कई प्रश्न भी पूछे गए। जैसे, चंद्रयान 2 और चंद्रयान 3 में मुख्य भिन्नता है? इस सवाल का सही जवाब अटल आवासीय विद्यालय वाराणसी की छात्रा श्वेता सत्ते ने दिया। उन्होंने बताया कि चंद्रयान 2 में ऑरबिटर था, परंतु चंद्रयान 3 में नहीं था। इसी तरह सवाल पूछा गया कि 20 जुलाई 1969 का क्या महत्व है? इस पर अटल आवासीय विद्यालय, मुरादाबाद के छात्र सचिन कुमार ने सही जवाब देते हुए बताया कि इसी दिन अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग चांद पर चलने वाले पहले व्यक्ति बने।

निदेशक इसरो (एसएसी) द्वारा छात्रों को अंतरिक्ष अन्वेषण के मूलभूत सिद्धांतों का परिचय दिया गया। खगोल शास्त्र के इतिहास और आधुनिक अंतरिक्ष मिशनों पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला ने छात्र-छात्राओं के बीच रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया। इसरो के इस कार्यक्रम ने न केवल छात्र-छात्राओं में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ाया, बल्कि उन्हें भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर गर्व करने का भी अवसर प्रदान किया। भ्रमण के दौरान अटल आवासीय विद्यालय की महानिदेशक गजल भारद्वाज, अटल आवासीय विद्यालय समिति के अपर सचिव अमित कुमार मिश्रा, विद्यालय के शिक्षक आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में अंत्योदय के संकल्प को लेकर चल रही योगी सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास अब हकीकत बनकर सबके सामने आ रहे हैं। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंचें और उसका लाभ लेकर वो अपने जीवन स्तर में सुधार कर सकें, अटल आव-ासीय विद्यालय इसका सटीक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

नवरात्रि के कारण इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग स्थगित

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर ।

इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) जो मूल रूप से 4-19 अक्टूबर तक होने वाली थी, उसे आगामी नवरात्रि उत्सव के कारण स्थगित कर दिया गया है, आयोजकों ने बुधवार को उक्त घोषणा की।

आईपीकेएल की ओर से एक बयान में कहा गया, इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के आयोजकों ने आगामी नवरात्रि उत्सव के मद्देनजर इस आयोजन को स्थगित करने का कठिन निर्णय लिया है, जो लाखों भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव है।

बयान में कहा गया, नवरात्रि, जो 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर, 2024 तक मनाई जाएगी, हमारे दर्शकों, खिलाड़ियों और कर्मचारियों के एक बड़े हिस्से के लिए अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व रखती है।

यह त्योहार भक्ति, पारिवारिक समारोहों और सामुदायिक समारोहों का समय है, और हमारा मानना है कि इससे जुड़ी भावनात्मक और सांस्कृतिक भागीदारी का सम्मान और सम्मान करना महत्वपूर्ण है।

बयान में आगे कहा गया, हम समझते हैं कि हमारे प्रशंसक इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग से मिलने वाले उत्साह और प्रतिस्पर्धा का बेसब्री से इंतजार करते हैं, लेकिन हमारे लिए यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यह आयोजन तब हो जब हमारे सभी समर्थक, खिलाड़ी और कर्मचारी इसका पूरा आनंद उठा सकें और इसमें भाग ले सकें।

आयोजन को स्थगित करने से हमें अपने दर्शकों की सांस्कृतिक संवेदनशीलता के साथ तालमेल बिठाने का मौका मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हम टूर्नामेंट को ऐसे समय सीमा में आयोजित कर सकें जो इतने सारे लोगों के लिए इस सार्थक अवधि में बाधा न डाले। आईपीकेएल ने कहा कि वह वर्तमान में इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग के लिए नई तारीखों को अंतिम रूप देने पर काम कर रहा है और जल्द से जल्द अपडेट देगा। बयान में कहा गया है, मूल तिथियों के लिए खरीदे गए सभी टिकट पुनर्निर्धारित कार्यक्रम के लिए वैध रहेंगे। जो प्रशंसक रिफंड चाहते हैं, उन्हें हमारे आधिकारिक चैनलों के माध्यम से स्पष्ट निर्देश भी दिए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

एएफआई ने पूर्व विश्व चैंपियन मकारोव को नए भाला फेंक कोच के रूप में चुना, साई की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने पूर्व विश्व चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता सर्गेई मकारोव को भाला फेंक खिलाड़ियों का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। हालांकि अभी भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की मंजूरी बाकी है। भाला फेंक कोच लाने का फैसला डॉ. क्लॉस बार्टोनिट्ज़ के उस बयान के तुरंत बाद आया है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि वे अगले ओलंपिक चक्र के लिए उस भूमिका में बने नहीं रहेंगे। बार्टोनिट्ज़ दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा के दीर्घकालिक कोच हैं। 75 वर्षीय बार्टोनिट्ज़ को नीरज की कोहनी की गंभीर चोट से वापसी का श्रेय दिया जाता है और फिर उन्हें लंबे समय तक कमर की चोट से उबरने में मदद की, जबकि उन्होंने इतनी निरंतरता बनाए रखी कि वे विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीतने में सफल रहे, साथ ही उन्होंने अपने दो ओलंपिक पदक भी जीते। मकारोव के पास भाला फेंकने का अच्छा अनुभव है। वह दो बार ओलंपिक पदक विजेता हैं, जिन्होंने 2000 और 2004 ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता है। वह 2003 के विश्व चैंपियन और 2005 के विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता भी हैं। रूसी खिलाड़ी का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 92.61 मीटर है, जो उन्हें सर्वकालिक सूची में आठवें स्थान पर रखता है। यह देखना अभी बाकी है कि नीरज मकारोव के साथ काम करेंगे या व्यक्तिगत ध्यान के लिए कोई दूसरा कोच चुनेंगे। हालांकि, बार्टोनिट्ज़ ने भी नीरज के साथ विशेष रूप से काम करने से पहले भारत में अपना कार्यकाल कई एथलीटों के साथ काम करके शुरू किया था।

टिम साउथी ने न्यूजीलैंड टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी

वेलिंगटन। टिम साउथी ने न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है, टॉम लॉथम अब

पूर्णकालिक कप्तान की भूमिका निभाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बुधवार को उक्त घोषणा की। यह घोषणा न्यूजीलैंड के श्रीलंका में टेस्ट सीरीज में 2-0 से हारने के कुछ ही दिनों बाद की गई है। पूर्णकालिक कप्तान के रूप में लॉथम का पहला काम भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज होगी। न्यूजीलैंड के प्रमुख तेज गेंदबाज साउथी ने 2008 में पदार्पण करने के बाद से टीम के लिए 102 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 382 विकेट लिए हैं। उन्होंने दिसंबर 2022 में केन विलियमसन से कप्तान का पद संभाला और 14 टेस्ट मैचों में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें छह जीत, छह हार और दो ड्रॉ रहे। पद छोड़ने के अपने फैसले के बारे में साउथी ने कहा कि यह टीम के सर्वोत्तम हित में लिया गया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए इतने खास प्रारूप में ब्लैककैप्स की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत सम्मान और सौभाग्य की बात है। मैंने अपने पूरे करियर में हमेशा टीम को सर्वोपरि रखने की कोशिश की है और मेरा मानना है कि यह निर्णय टीम के लिए सर्वोत्तम है। साउथी ने कहा, मेरा मानना है कि जिस तरह से मैं टीम की सेवा कर सकता हूँ, वह है मैदान पर अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, विकेट लेना और न्यूजीलैंड को टेस्ट मैच जीतने में मदद करना। मैं हमेशा की तरह अपने साथियों का समर्थन करना जारी रखूँगा, खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाने वाले रोमांचक युवा गेंदबाजों का।

बाबर आजम ने पाकिस्तान की सफेद गेंद टीम की कप्तानी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम ने सीमित ओवरों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। 29 वर्षीय बाबर को 2023 वनडे विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के वाइट-बॉल कप्तान के पद से हटा दिया गया था। हालांकि, केवल तीन महीने की अवधि के बाद, उन्हें मार्च 2024 में फिर से इस पद पर नियुक्त कर दिया गया था। बाबर का दूसरा कार्यकाल भी खराब रहा,पाकिस्तान टी20 विश्व कप से ग्रुप चरणों में बाहर हो गया, जिसमें टीम को यूएसए से हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष स्थान पर रहने के बाद चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से हार भी चर्चा का विषय रही। टेस्ट टीम हाल ही में इतिहास में पहली बार बांग्लादेश से हारी। बाबर ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर संन्यास की घोषणा की। उन्होंने लिखा, प्रिय प्रशंसकों, मैं आज आपके साथ कुछ समाचार साझा कर रहा हूँ। मैंने पिछले महीने पीसीबी और टीम प्रबंधन को दी गई अपनी अधिसूचना के अनुसार पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान के पद से इस्तीफ़ा देने का फ़ैसला किया है। बाबर ने आगे लिखा, इस टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है, लेकिन अब समय आ गया है कि मैं पद छोड़ दूं और अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करूं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

बुमराह नंबर 1 गेंदबाज बने, करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर पहुंचे जायसवाल

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान पर लौट आए हैं, जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। आईसीसी के अनुसार, कानपुर में बांग्लादेश पर भारत की हाल ही में सात विकेट की जीत के दौरान मैच में अपने छह विकेटों के दम पर बुमराह (870 रेटिंग अंक) ने टीम के साथी रविचंद्रन अश्विन (869 रेटिंग अंक) को पीछे छोड़ दिया और दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। अश्विन ने उस मैच के दौरान पांच विकेट लिए थे। बांग्लादेश को मेहदी हसन (चार स्थान ऊपर 18वें स्थान पर) और अनुभवी स्पिनर शाकिब अल हसन (पांच स्थान ऊपर 28वें स्थान पर) ने रैंकिंग में सुधार की।

श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे और टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर पहुंच गए।

इस हफ्ते की रैंकिंग अपडेट भारत के नाम है, जिसने बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया है। बांग्लादेश पर जीत की बदौलत भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

सलामी बल्लेबाज जायसवाल को बांग्लादेश के खिलाफ बारिश से प्रभावित टेस्ट के दौरान प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपडेटेड टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में दो पायदान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंचकर अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की। उन्होंने इस मुकाबले में 72 और 51 रन बनाए। इसका मतलब है कि टेस्ट बल्लेबाजों की अपडेटेड रैंकिंग में जायसवाल से आगे केवल इंग्लैंड के जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन हैं, जबकि टीम के उनके साथी विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ 47 और 29* रन बनाकर छह पायदान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कामिंडू मेंडिस भी आगे बढ़ रहे हैं। 26 वर्षीय मेंडिस न्यूजीलैंड के साथ अपनी टीम की हालिया सीरीज के दूसरे टेस्ट में एक और शतक बनाने के बाद अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। वह पांच पायदान के सुधार के साथ 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में दिनेश चांदीमल (छह पायदान ऊपर 20वें स्थान पर) और एंजेलो मैथ्यूज (चार पायदान ऊपर 23वें स्थान पर) ने भी बढ़त हासिल की है, जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन (दो पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर) टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में बड़े बदलाव करने वाले हैं, जबकि भारत के रवींद्र जडेजा ने शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाए रखी है।

नवीनतम व्हाइट-बॉल रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ अपनी टीम की श्रृंखला पूरी होने के बाद एकदिवसीय बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड की जोड़ी हैरी ब्रूक (73 पायदान ऊपर 50वें स्थान पर) और बेन डकेट (30 पायदान ऊपर 54वें स्थान पर) बल्लेबाजों की सूची में अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के उनके साथी आदिल राशिद (चार पायदान ऊपर 24वें स्थान पर) और जोफ्रा आर्चर (16 पायदान ऊपर 40वें स्थान पर) वनडे गेंदबाजों की सूची में बड़े सुधार करने वाले खिलाड़ी हैं।

नवीनतम टी20आई रैंकिंग में, दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिक्स बल्लेबाजों की सूची में पांच पायदान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि नेपाल के स्टार दीपेंद्र सिंह ऐरी ने ऑलराउंडरों की सूची में अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है, वह चार पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

शंघाई मास्टर्स के पहले ही दौर से बाहर हुए सुमित नागल

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

सुमित नागल बुधवार को चीन के वू यिबिंग के खिलाफ पहले दौर में 6-3, 6-3 से हारकर शंघाई मास्टर्स से बाहर हो गए हैं। नागल ने पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ हाल ही में डेविस कप मुकाबले से हटने का फैसला किया था, जिसके कारण उन्हें यूएस ओपन पुरुष युगल प्रतियोगिता से भी बाहर होना पड़ा। 27 वर्षीय खिलाड़ी हाल ही में डेविस कप में अपनी भागीदारी को लेकर अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के साथ सार्वजनिक विवाद के कारण सुर्खियों में रहे हैं। एआईटीए ने दावा किया कि सुमित नागल ने भारत के लिए डेविस कप मुकाबले खेलने के लिए 50,000 अमेरिकी डॉलर की वार्षिक फीस की मांग की, लेकिन देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी ने अपना बचाव करते हुए कहा कि एथलीटों को उनकी सेवाओं के लिए भुगतान करना सामान्य प्रक्रिया है। एआईटीए सचिव अनिल धूपर ने एक बयान में कहा था, देश को तय करने दें कि यह सही है या नहीं। फिर, यह सरकार और हर किसी का निर्णय है। खिलाड़ियों को टॉप्स द्वारा भुगतान भी किया जाता है। और ऐसा नहीं है कि उन्हें डेविस कप खेलने के लिए भुगतान नहीं मिलता है। उन्हें भुगतान मिलता है। नागल ने एआईटीए के दावे से इनकार नहीं किया और सोशल मीडिया पर एक बयान के माध्यम से अपना बचाव किया। उन्होंने कहा, मुआवजे के संबंध में, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि पेशेवर खेलों में एथलीटों को प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी के लिए मुआवजा दिया जाना सामान्य प्रक्रिया है, यहां तक कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते समय भी। यह व्यक्तिगत लाभ के बारे में नहीं है, एआईटीए और डेविस कप कप्तान के साथ मेरी चर्चा गोपनीय है और मैं इस बारे में किसी भी तरह की अटकलें नहीं लगाना चाहूंगा।

भारत में पहली बार होगा खो-खो विश्व कप का आयोजन, 24 देश लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) अंतरराष्ट्रीय खो-खो फेडरेशन के सहयोग से 2025 में भारत में पहले खो-खो विश्व कप का आयोजन करेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में 6 महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे। इसमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें भाग लेंगी।

खो-खो की जड़ें भारत में हैं और यह विश्व कप इस खेल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रतिस्पर्धी भावना को उजागर करेगा। आज, यह खेल जो मिट्टी से शुरू हुआ और मैट पर आ गया है। अब दुनिया भर में यह खेल 54 देशों के साथ वैश्विक उपस्थिति बना चुका है।

विश्व कप से पहले खेल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय खो-खो महासंघ 10 शहरों के 200 एलीट स्कूलों में खेल को ले जाने की योजना बना रहा है। महासंघ स्कूली छात्रों के लिए सदस्यता अभियान भी चलाएगा, जिसका उद्देश्य विश्व कप से पहले कम से कम 50 लाख खिलाड़ियों को पंजीकृत करना है।

भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष शसुधांशु मित्तल ने आगामी आयोजन को लेकर कहा,हम पहले खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह टूर्नामेंट सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा की मिसाल नहीं बनेगा बल्कि यह देशों को एक साथ लाने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और दुनिया को खो-खो की सुंदरता और तीव्रता दिखाने का काम करेगा। हमारा अंतिम लक्ष्य 2032 तक खो-खो को ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता दिलाना है और यह विश्व कप उस सपने की ओर पहला कदम है।

इस टूर्नामेंट में एक हफ़्ते तक चलने वाले मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें दुनिया भर के शीर्ष-स्तरीय एथलीट अपने कौशल, चपलता और टीमवर्क का प्रदर्शन करेंगे। इस बीच, खो-खो विश्व कप का उद्देश्य इस स्वदेशी भारतीय खेल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचाना है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की मेजबानी करके, केकेएफआई 2032 संस्करण तक ओलंपिक खेलों में खो-खो की जगह सुरक्षित करने की इच्छा रखता है, जो खेल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

संयुक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ होगा आरईसी टैलेंट हंट मुक्केबाजी का समापन

नई दिल्ली, 02 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

द्वितीय ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड (आरईसी) टैलेंट हंट मुक्केबाजी का समापन 6-22 अक्टूबर, 2024 तक हरियाणा के रोहतक में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ होगा। आरईसी टैलेंट हंट मुक्केबाजी प्रतियोगिता के पहले दो चरण नोएडा और गुवाहाटी में आयोजित किये गए थे।भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा बिजली मंत्रालय के तहत एक प्रमुख कंपनी आरईसी लिमिटेड और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित, द्वितीय आरईसी ओपन टैलेंट हंट प्रतियोगिता के पहले दो चरणों में सब-जूनियर से लेकर सीनियर आयु वर्ग के 4,000 से अधिक मुक्केबाजों ने नोएडा और गुवाहाटी में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। दोनों प्रतियोगिताओं के शीर्ष आठ मुक्केबाजों को फाइनल में पहुंचकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सीधे प्रवेश पाने का मौका मिलेगा। एलीट, यूथ पुरुष और महिला प्रतियोगिता 6 से 13 अक्टूबर तक खेली जाएगी, जिसमें एलीट मुक्केबाज 12 भार श्रेणियों में और युवा मुक्केबाज 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसके बाद जूनियर और सब-जूनियर पुरुष और महिला प्रतियोगिताएं 15 से 22 अक्टूबर तक होंगी और इनमें क्रमशः 13 और 14 भार श्रेणियां होंगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव हेमंत कुमार कलिता ने एक आधिकारिक बयान में कहा, पिछले साल की तुलना में, हमें टैलेंट हंट के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले मुक्केबाजों की समग्र गुणवत्ता बहुत उत्साहजनक रही है। नेशनल्स में दो फाइनलिस्टों के लिए सीधे प्रवेश और नेशनल कैंप में जगह बनाने का बाहरी मौका इस बेहतर भागीदारी के पीछे दो प्रमुख कारण रहे हैं और हम संयुक्त नेशनल्स से कुछ अच्छी प्रतिभाओं का चयन करने के लिए उत्सुक हैं।

इस प्रमुख पहल का उद्देश्य खेल को पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़ाना है और इस प्रक्रिया में उभरती हुई प्रतिभाओं की पहचान करना और उनका पोषण करना है जो विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और ओलंपिक जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए गौरव ला सकें। पिछले साल, प्रतिभा खोज चार स्थानों पर आयोजित की गई थी, उसके बाद एक संयुक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें देश भर में 6,000 से अधिक मुक्केबाजों ने भाग लिया था।

आईएलटी20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट 2024 छह अक्टूबर से, आईसीसी अकादमी ओवल 1 में खेले जाएंगे सभी मैच

दुबई, 02 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इंटरनेशनल लीग टी 20 (आईएलटी-20) डेवलपमेंट टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण रविवार 6 अक्टूबर को आईसीसी अकादमी ओवल 1 में शुरू होगा। पिछले साल की तरह, छह टीमें 18 मैचों के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगी जो एकल-लीग के आधार पर खेला जाएगा। टीमों का चयन पिछले सप्ताह एक ड्राफ्ट के माध्यम से किया गया था - छह पक्षों में से प्रत्येक में 15 खिलाड़ी शामिल हैं और इसमें यूएई के स्टार राष्ट्रीय खिलाड़ी और आईएलटी 20 प्रतिभागी शामिल हैं। टूर्नामेंट यूएई के भावी सितारों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और सीजन 3 से पहले छह आईएलटी 20 फ्रेंचाइजी को प्रभावित करने का एक और अवसर होगा, जो जनवरी-फरवरी 2025 में खेला जाएगा। छह टूर्नामेंट दस्तों को एक खिलाड़ी चयन ड्राफ्ट के माध्यम से चुना गया था जो पिछले सप्ताह दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया था। टूर्नामेंट के अंत में, प्लेयर सिलेक्शन ड्राफ्ट का एक और दौर होगा। छह आईएलटी 20 फ्रैंचाइज़ी में से प्रत्येक सीजन 3 के लिए अपने यूएई चयन (न्यूनतम चार प्रति स्क्वाड) को पूरा करेगी, आईएलटी 20 सीजन 3 रिटेंशन विंडो में टीमों द्वारा कुल 12 यूएई खिलाड़ियों को रिटेन किया गया। इस प्रकार, आईएलटी 20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट, प्लेयर सिलेक्शन ड्राफ्ट के बाद कुल 12 अतिरिक्त खिलाड़ियों को चुना जा सकता है। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट 2024 - शेड्यूल (सभी 18 मैच आईसीसी अकादमी ओवल 1 - दुबई में खेले जाएंगे): रविवार, 6 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी20 मार्वल्स बनाम डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट, रविवार, 6 अक्टूबर - रात 9 बजे - दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट बनाम गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट, सोमवार, 7 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी20 थंडरबोल्ट्स बनाम आईएलटी20 पर्ल्स, सोमवार, 7 अक्टूबर - रात 9 बजे - गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट बनाम आईएलटी20 मार्वल्स, मंगलवार, 8 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी20 पर्ल्स बनाम दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट, मंगलवार, 8 अक्टूबर - रात 9 बजे - डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट बनाम आईएलटी20 थंडरबोल्ट्स, बुधवार, 9 अक्टूबर - शाम 5 बजे - दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट बनाम आईएलटी20 मार्वल्स, बुधवार, 9 अक्टूबर - रात 9 बजे - गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट बनाम डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट, शुक्रवार, 11 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी 20 थंडरबोल्ट्स बनाम गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट, शुक्रवार, 11 अक्टूबर - रात 9 बजे - आईएलटी 20 पर्ल्स बनाम आईएलटी 20 मार्वल्स, शनिवार, 12 अक्टूबर - शाम 5 बजे - डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट बनाम दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट, शनिवार, 12 अक्टूबर - रात 9 बजे - आईएलटी 20 मार्वल्स बनाम आईएलटी 20 थंडरबोल्ट्स, रविवार, 13 अक्टूबर - शाम 7 बजे डेजर्ट वाइपर्स बनाम आईएलटी 20 पर्ल्स, सोमवार, 14 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी 20 थंडरबोल्ट्स बनाम दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट, सोमवार, 14 अक्टूबर - रात 9 बजे - आईएलटी 20 पर्ल्स बनाम गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट, मंगलवार, 15 अक्टूबर - शाम 5 बजे - पहला सेमीफाइनल, मंगलवार, 15 अक्टूबर - रात 9 बजे - दूसरा सेमीफाइनल, बुधवार, 16 अक्टूबर - शाम 7 बजे - फाइनल, आईएलटी 20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट 2024 - टीमें इस प्रकार हैं: डेजर्ट वाइपर डेवलपमेंट: अब्दुल्ला कयानी, बासिल हमीद, दानिश कुरेशी, डेनियल पॉसन, ध्रुव पराशर, जुनैद शम्सुद्दीन, खुजैमा बिन अनवर, लवप्रीत सिंह, शाहबाज अली, तैमूर अली, तनिष सूरी, उदीश सूरी, वहाब हसन, वसीम अकरम और जीशान आबिद।, दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट: अली आबिद, फरहान खान, हाफिज अलमास अयूब, हैदर अली, हिलाल नूर, जुनैद खान अफरीदी, इबरार अहमद शाह, खालिद शाह, मोहम्मद अदीब उस्मानी, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद ज़ोहैब, नासिर फ़राज़, ओमिद रहमान, राजा अकिफ़ुल्लाह और सफ़ीर तारिक।, गल्फ जाइंट्स डेवलपमेंट: अयान अफजल खान, आर्यन लाकड़ा, हमीद खान, मुहम्मद आफताब जावेद, मुहम्मद हैदर शाह, मुहम्मद इरफान, मुहम्मद सगित खान, मुहम्मद जुहैब जुबैर, नील हेगड़े, सलमान सलीम, शिवाल बावा, समल उदावत्था, उजैर हैदर, वृता अरविंद और जीशान नसीर।, आईएलटी 20 मार्वल्स: अब्दुल रहमान नासिर, अहमद तारिक, अर्यांश शर्मा, आर्यन सक्सेना, हर्ष देसाई, माधव मनोज नायर, मुहम्मद रोहिद खान, मुहम्मद वसीम, नीलांश केसवानी, साबिर अली, संचित शर्मा, शाहज़ेब खान, विष्णु सुकुमारन, जहूर खान और ज़ावर फरीद। , आईएलटी 20 पर्ल्स: आदित्य शेट्टी, अलीशान शराफू, आसिफ खान, एथन डिसूजा, हर्षित सेठ, कामरान अट्टा, मतिउल्लाह, मुहम्मद आसिफ, मुहम्मद शाहिद इकबाल, मुहम्मद उजैर खान, पृथ्वी मधु, रोहन मुस्तफा, शाहरुख अहमद, उसैद अमीन और यासिर कलीम।

संपादकीय

एक आतंकी के हमदर्द

इस वक्त भारत बड़े खतरनाक दौर में है। हिंदू और मुसलमान में विभाजन गहराता जा रहा है। मुसलमान को दूसरे मजहब और समुदाय की चिंताओं और दुरावस्थाओं से कोई सरोकार नहीं है। कई राज्यों में मंदिर बनाम अवैध मस्जिद के विवाद उग्र होते जा रहे हैं। हालात यहां तक सांप्रदायिक हो गए हैं कि हिजबुल्लाह का घोषित, घोर आतंकी सरगना नसरल्लाह भारत के मुसलमानों को अपना 'भाई', 'दिलों का राजा' लगता है। छोटे-छोटे बच्चों के मुंह से नारे बुलवाए गए-'एक नसरल्लाह मारोगे, हर घर से नसरल्लाह निकलेगा।' जम्मू-कश्मीर में चुनाव चल रहे हैं। पीडीपी मुखिया महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सांसद ने अपना चुनाव प्रचार ही समाप्त कर दिया, क्योंकि नसरल्लाह को 'शहीद' कर दिया गया। श्रीनगर, बडगाम, कारगिल में व्यापक स्तर पर मातम मनाया गया। काले कपड़े पहन कर एक भीड़ ने अपनी छाती पीट कर स्यापा किया। लोग बिलख-बिलख कर रोते नजर आए। भीड़ के हाथों में नसरल्लाह की तस्वीरें थामी गई थीं। लोग ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता खामेनेई के जिंदाबाद के नारे भी लगा रहे थे। 'अमरीका को आग लगा दो'...'अमरीका मुर्दाबाद' के नारे भी गूंज रहे थे। यह सिलसिला कश्मीर घाटी से उप्र के लखनऊ और सुलतानपुर तक और छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक में जारी रहा। भीड़ हाथों में मोमबत्तियां जलाए मार्च निकालती दिखाई दी, मानो भारत का अपना कोई देशभक्त या सैनिक 'शहीद' हो गया है! नसरल्लाह न तो भारतीय था और न ही किसी धर्मयुद्ध का योद्धा था, जिसके मारे जाने पर ऐसा मातम मनाया जा रहा है! मासूम बच्चों को क्या पता कि उसकी मौत क्यों और कैसे हुई? उन्हें नफरत की घूंट पिला दी गई, लिहाजा वे नसरल्लाह के अभिनंदन में नारे लगाने लग पड़े। नसरल्लाह तो 'इस्लामी जेहादी' भी नहीं था, लेकिन दुनिया में असंख्य हत्याओं का सूत्रधार जरूर था। भारत में एक घोषित, घोर आतंकी के हमदर्द रहे हैं, यह कई मामलों में सामने आया है-याकूब मेमन से अफजल गुरु तक। भीड़ बुरहान वानी सरीखे आतंकियों के जनाजे और सुपुर्द-ए-खाक के दौरान इस कदर इक_ा होती रही है मानो किसी क्रांतिकारी या स्वतंत्रता सेनानी की 'अंतिम संस्कार यात्रा' हो! मुसलमान पहले इस्लामी और मुसलमान हैं, बाद में भारतीय हैं। अभिव्यक्ति की आजादी, ऐसे प्रदर्शनों की आजादी और सबसे बड़े लोकतंत्र ने हिंदू-मुस्लिम विभाजन को लगातार गहरा किया है। मौलिक अधिकारों और धर्मनिरपेक्षता के गलत मायने निकाले जाते रहे हैं। पड़ोसी देश बांग्लादेश के मौजूदा हालात सामने हैं। वहां असंख्य हिंदुओं की हत्या ही नहीं की गई, बल्कि उत्पीडन इतनी पराकाष्ठा तक पहुंच चुका है कि हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने का वक्त तय कर दिया गया है। बांग्लादेश की यूनिवर्सिटी से दो हिंदू प्रोफेसरों को नौकरी से निकाल दिया गया है। हिंदुओं की पूजा और पर्व मनाने पर पाबंदी थोप दी गई है। बांग्लादेश 'इस्लामीस्तान' बन गया लगता है। इन हालात पर भारतीय मुसलमान, खासकर नसरल्लाह जैसों के हमदर्द, न तो मातम मना रहे हैं और न ही प्रतिक्रिया में कोई सख्त टिप्पणी कर रहे हैं। उन्हें हिंदुओं से कोई सरोकार नहीं है, जबकि वे भारत मूल के ही हैं। क्या हिंदुओं के साथ 'भाईचारा' महज दिखावटी और बयानबाजी का ही है? दुनिया में मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी, करीब 21 करोड़, भारत में रहते हैं। वे कई मायनों में एक ताकतवर वोट बैंक हैं। यदि ऐसे देश में मुस्लिम आबादी घोषित आतंकवादी नसरल्लाह के मारे जाने पर मातम मनाती है, तो उसके कई संकेत हो सकते हैं। महज चुनाव के लिए इतने आयोजन नहीं किए जा सकते। यदि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सरीखी पार्टियां ही ऐसे मातमी प्रदर्शन आयोजित कराती हैं, तो यह देशद्रोह भी है। सवाल है कि क्या इतने बड़े समुदाय को नियंत्रित किया जा सकता है? छोटे-छोटे मुद्दों पर हंगामा बरपने लगता है। मुस्लिम बहुसंख्यक होने की धमकियां दी जाती हैं। ये भारत के लिए 'खतरनाक संकेत' हैं, क्योंकि उसकी आबादी के दो प्रमुख घटकों के बीच ही तनाव की स्थितियां हैं। इन पर सरकार को गंभीरता से मंथन करना होगा। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को भी पूरी तरह नकेल देनी होगी। कश्मीर घाटी में रोज कहीं न कहीं आतंकवादियों और पुलिस की मुठभेड़ें हो रही हैं। इनमें आतंकवादी भी मारे जा रहे हैं और हमारे जवान भी शहीद हो रहे हैं। आखिर कब यह आतंक खत्म होगा।

छोटे-छोटे बच्चों के मुंह से नारे बुलवाए गए-'एक नसरल्लाह मारोगे, हर घर से नसरल्लाह निकलेगा।' जम्मू-कश्मीर में चुनाव चल रहे हैं। पीडीपी मुखिया महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सांसद ने अपना चुनाव प्रचार ही समाप्त कर दिया, क्योंकि नसरल्लाह को 'शहीद' कर दिया गया। श्रीनगर, बडगाम, कारगिल में व्यापक स्तर पर मातम मनाया गया। काले कपड़े पहन कर एक भीड़ ने अपनी छाती पीट कर स्यापा किया। लोग बिलख-बिलख कर रोते नजर आए। भीड़ के हाथों में नसरल्लाह की तस्वीरें थामी गई थीं। लोग ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता खामेनेई के जिंदाबाद के नारे भी लगा रहे थे।

विराट व्यक्तित्व के अनुरूप जिनकी साहित्य-साधना भी बहुमुखी थी

डॉ. सीताराम दीन : व्यक्तित्व और कर्तृत्व के धनी

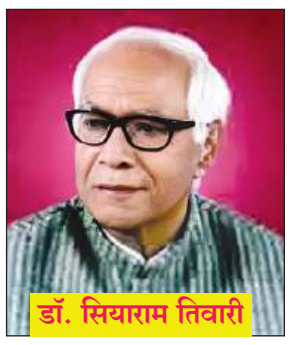
डॉ. सियाराम तिवारी

डॉ. सीताराम दीन जी का नाम सुनते ही मैं समय के दीर्घ अंतराल को पार कर 1952-53 में चला जाता हूं, जब मैं लंगट सिंह कॉलेज, मुजफ्फरपुर में इंटरमीडियट का और दीन जी बीए के छात्र थे। मैं अंतर्मुखी, संकोची और अवर कक्षा का छात्र होने के कारण उन दिनों उनके संपर्क में न आ सका, किंतु उनके व्यक्तित्व ने मुझे आकृष्ट कर रखा था। कॉलेज और उसके बाहर कोई भी ऐसा साहित्यिक समारोह न होता जिसमें दीन जी सक्रिय न हों। एक व्यक्ति - मझोला कद, सुगठित शरीर, घुंघराले बाल, जिसके अंदर की दृढ़ता बाहर स्पष्ट प्रतिभासित होती थी, सारी गतिविधि का सहज ही केंद्र बना दिखायी पड़ता था। जब वे अपनी कविता का सस्वर पाठ करते तो दूसरे कवि फीके पड़ जाते थे।

कालक्रम से वे एमए. में पढ़ने के लिये पटना चले आये और मैं मुज़फ्फरपुर ही रह गया। एमए करने के बाद वे औरंगाबाद में लेक्चरर हो गये और 1958 में एमए करने के बाद मैंने पटना को अपना कार्यक्षेत्र बनाया। इस बीच उनके दर्शन करने का कोई सुअवसर नहीं मिला, किंतु मेरे मानस-पटल पर मुजफ्फरपुर वाली उनकी छवि अमिट रही। 1962 में वे औरंगाबाद से कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना में आ गये। उस समय यह कॉलेज पटना नगर का एक साधारण संबद्ध कॉलेज था किंतु दीन जी के वहां आते ही वह कॉलेज सबका ध्यान आकृष्ट करने लगा। उसमें बराबर साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होने लगे जिनका समाचार अखबारों में छपा करता। उन्हें पढ़-पढ़कर मैं फिर मानसिक रूप से डॉ. सीताराम दीन जी से जुड़ गया।

1963 ई. के जुलाई मास में मैंने कॉलेज ऑफ कॉमर्स में पद-ग्रहण किया। कार्यालय में पद-ग्रहण का प्रतिवेदन देकर मैं जैसे ही प्राध्यापक कक्ष में गया तो दीन जी के दर्शन हुए। वे इस आत्मीयता से मिले कि मैं अभीभूत हो गयाख उस दिन जो उन्होंने अनुजवत् अपनाया उसे उन्होंने तो आजीवन निर्वाह किया ही, उनके न रहने पर भी उनके परिवार में मेरा वही स्थान है जिसके लिये मुझे गर्व का बोध होता है।

किसी भी व्यक्ति के अनेक रूप होते हैं, पर अपने सभी रूपों में उज्ज्वल कोई ही कोई होता है। दीन जी ऐसे ही दुर्लभ नर-रत्न थे जिनका कोई भी रूप दूसरे से घटकर नहीं था। अपने परिवार में वे मातृपितृभक्त पुत्र, स्नेही पति, वत्सल पिता थे तो बाहर छात्रप्रिय अध्यापक, विश्वासी मित्र, कुशल प्रशासक, निपुण संयोजक, प्रभावशाली वक्ता और प्रातिभ साहित्यकार थे।

विराट व्यक्तित्व के ही अनुरूप डॉ. सीताराम दीन जी की साहित्य-साधना भी बहुमुखी थी। उनकी साहित्य-साधना का प्रमुख पक्ष उनकी काव्य-साधना है। उनकी कविताओं के पांच संग्रह अब तक प्रकाशित हुए हैं - 1. मांगलिका, 2. मनुजता की मौत: एक परिक्रमा, 3. उगा एक नया सूर्य प्राची में, 4. चंदन का धुआं, 5. गीत बहुत गाया किया। इनमें से उनके जीवन-काल में केवल मांगलिका का ही प्रकाशन हो सका। उनकी बहुत सी कविताएं अभी भी अप्रकाशित हैं। 1952 ई. में मुज़फ्फरपुर में रहने और बसने वाले साहित्यकारों का एक संग्रह रमण जी ने संकेत नाम से प्रकाशित किया था जिसमें दीन जी को भी एक स्थान प्राप्त है। उसमें दीन जी की पावस-दर्शन शीर्षक कविता संकलित है। 19 वर्ष की अवस्था में लिखित वह कविता दीन जी की कविताओं में सर्वश्रेष्ठ और बादल पर लिखी गयी हिंदी की उत्तम कविताओं में से एक हैख मांगलिका में 57, मनुजता की मौत: एक परिक्रमा, में 29, उगा एक नया सूर्य प्राची में में 52 और गीत बहुत गाया किया में उनकी 145 कविताएं संकलित हैं।

दीन जी के व्यक्तित्व की बहुमुखता फिर उनकी कविताओं में दिखायी पड़ती हैख दीन जी का कवि अपने भीतर और बाहर समान रूप से देखता हैख इसीलिये उनकी कविताओं में यदि प्रेम की मार्मिक अनुभूति व्यंजित है तो राष्ट्र-हृदय की धड़कन भी सुनायी पड़ती है। बी. आइफर इवांस ने लिखा है, ए पोएट कैन नॉट राइट दि पोएट्री ही वांट्स टू राइट, बट ऑनली दि पोएट्री दैट इज़ विदिन हिम... दीन जी इस उक्ति की सत्यता के प्रमाण हैं। उनमें राष्ट्रीयता की भावना कूट कूट कर भरी थी। यही कारण है कि राष्ट्र को प्रभावित करने वाली प्रायः प्रत्येक घटना से वे भी आंदोलित हुए और केवल आंदोलित होकर ही नहीं रह गये वरन् उसपर अपनी प्रतिक्रिया को कविता में व्यक्त भी किया। स्वातंत्रयोत्तर भारत का एक बड़ा आंदोलन विनोबा जी का भूदान यज्ञ था। दीन जी ने भारतीय जनता को उस ओर प्रवृत्त करने के लिये इन शब्दों में आह्वान किया है - भूदान करो भूदान करो, जीवन को ज्योतिर्मान करो। यदि चाह रहे हो उन्नति तो अपनी राहें निर्माण करो, भूदान करो भूदान करो

डॉ. सीताराम दीन

(उगा एक नया सूर्य प्राची में)। कवि ने सीधे-सादे शब्दों के द्वारा कितनी सबल अभिव्यक्ति की है!

1962 ई. में भारत पर चीन के आक्रमण ने देश को झकझोर कर रख दिया। यह आघात गहरा इसलिये हो गया कि चीन मित्र देश था और भारत के साथ पंचशील का प्रवर्तक था। इस विश्वासघात से कवि को कितनी पीड़ा पहुंची, यह निम्नांकित शब्दों में मूर्त हो उठा है - हमने मानवता के अत्यंत सरल, पवित्र, सिद्धांत लिये हैं पंचशील।

आज जगत को चकित किया है - चीनी ने। उसने अपने मित्र-देश पर चुपके से, धोखे से है खंजर भोंका। (उगा एक नया सूर्य प्राची में)। इसमें भारत की महानता और चीन की क्षुद्रता एक साथ साकार हो उठी है। देश के महान नेताओं और उनकी आह्वान-वाणियों का कवि ने श्रद्धापूर्वक स्मरण किया है - देशवासियों के तन में फिर, जगी नयी अंगड़ाई है। चिर संकल्प जवाहर का, जय किसान और जय जवान का, गूंजा शंख बहादुर का, शक्तिदायिनी खड़ी इंदिरा, लिये अमित तरुणाई है...ख (उगा एक नया सूर्य प्राची में)।

दीन जी की राष्ट्रीयता दलगत प्रतिबद्धता से ऊपर थी। यही कारण है कि उन्होंने जयप्रकाश नारायण का भी उच्छ्वसित होकर अभिनंदन किया है - जयप्रकाश इतिहास देश का, जलता दीप अमरता का, उसका है आदर्श जगत् विख्यात, अलीक मुखरता का। (उगा एक नया सूर्य प्राची में)। लाहौर जेल से छूटने पर जयप्रकाश नारायण का पटना में भव्य स्वागत हुआ था। उस अवसर पर दिनकर जी ने उनके अभिनंदन में जो कविता लिखी थी वह अत्यंत प्रसिद्ध हुई। दीन जी की प्रस्तुत कविता जलता दीप अमरता का दिनकर जी की उस कविता से कम नहीं है। दीन जी की राष्ट्रीयता सच्ची राष्ट्रीयता थी जिसमें संकीर्णता का कहीं स्थान न था।

दीन जी की साहित्य-साधना का दूसरा पक्ष उनकी आलोचना है। बेन जॉन्सन की यह उक्ति प्रसिद्ध है कि कवियों के संबंध में निर्णय देने का अधिकार केवल कवियों का है और सभी कवियों का भी नहीं वरन् सर्वश्रेष्ठ कवि का है। दीन जी जैसे कवियों और आलोचकों को ध्यान में रखकर ही यह बात कही गयी होगी। दीन जी की आलोचना की दो पुस्तकें प्रकाशित हैं - मनीषा: दृष्टि और दिशाएं तथा मेरा मन पंछी। प्रथम में नौ निबंध आलोचनात्मक हैं और शेष अन्य विषयों से संबंधित। द्वितीय पुस्तक में कबीर विषयक उन्नीस लेख हैं जिनमें से बारह लेखों के शीर्षक कबीर दास के काव्य की ही उक्तियां हैं, यथा- खाला का घर नाहिं, पीर सभन की एक सी, रतन न मिले बहोरी हो, इत्यादि। दीन जी कबीर-काव्य के अधीती विद्वान थे। पटना विश्वविद्यालय से उन्हें कबीर के दर्शन और काव्य के स्रोत विषय पर पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई थी। खेद का विषय है कि यह शोध-प्रबंध अप्रकाशित है। इस प्रबंध से कबीर-काव्य का अध्ययन निश्चित रूप से आगे बढ़ा है।आलोचना के दो रूप होते हैं - व्यावहारिक और सैद्धांतिक। सैद्धांतिक आलोचना को भी दीन जी का उज्ज्वल अवदान है। साहित्यालोचन: सिद्धांत और अध्ययन इस विषय की उनकी अनुपम कृति है।

इसमें विषय का सांगोपांग विवेचन है। इसके विवेच्य विषय ये हैं - 1. कला-विवेचन 2. साहित्य-विवेचन 3. काव्य-विवेचन 4. दृश्यकाव्य-विवेचन 5. उपन्यास-विवेचन 6. कहानी-विवेचन 7. निबंध-विवेचन 8. गद्यकाव्य-विवेचन 9. जीवनी: आत्मकथा : संस्मरण: रेखाचित्र 10. रिपोर्ताज: पत्र-साहित्य : यात्रा: डायरी: रेडियो वार्ता: विविध 11. रस-विवेचन 12. शैली-विवेचन 13. आलोचना : स्वरूप और विधान। इस सूची से स्पष्ट है कि विषय का कोई भी पक्ष छूटने नहीं पाया है। पुस्तक छात्रों और विद्वानों के लिये एक समान उपयोगी है। इसके अतिरिक्त दीन जी का एक रेडियो नाटक रामू की झोपड़ी भी प्रकाशित है, जिसका प्रसारण आकाशवाणी, पटना ने बार बार किया था ।

साहित्य-साधना और सैनिक सेवा में कोई संबंध तो नहीं हो सकता है, यदि इन दोनों को विरोधी माना जाये तब भी कोई अत्युक्ति नहीं होगी। किंतु दीन जी जितने सफल अध्यापक थे, जितने सफल साहित्यकार थे उतने ही सफल सैनिक भी होते यदि अपना पूरा जीवन उसमें लगाते। उनके व्यक्तित्व की यह दुर्लभ विशेषता थी कि वे एक साथ कोमल और दृढ़ दोनों थे। उन्होंने एक-डेढ़ साल सैनिक जीवन तो व्यतीत किया ही था, वे एन.सी.सी. से घनिष्ठ रूप से संबद्ध रहे। इसी का परिणाम है उनका ग्रंथ सैन्य विज्ञान की रूपरेखा। यह अपने विषय की बड़ी साफ-सुथरी पुस्तक है और सैन्य संगठन को समझने के लिये बड़ी उपयोगी है। इसकी भाषा भी सुललित है और विषय को हृदयंगम कराने में सहायिका है।

डॉ. सीताराम दीन जी वैसे व्यक्ति थे जिनकी उपस्थिति को कोई अस्वीकार नहीं कर सकता था। वे वैसे व्यक्ति थे जो जहां रहता है, सबके हृदय में अपना स्थान बना लेता है और जाने पर जो जगह खाली करता है उसकी कभी पूर्ति नहीं होती। अपने व्यक्तिगत जीवन में, पारिवारिक जीवन में, सामाजिक जीवन में, साहित्यिक जीवन में दीन जी ने जो कुछ किया है उसके लिये वे याद किये जाएंगे, इसमें कोई संदेह नहीं।

(लेखक विश्वभारती, शांतिनिकेतन के पूर्व प्रोफेसर एवं हिंदी विभागाध्यक्ष हैं)

कुछ अलग

मैं टोटली नालायक हूं...

अब मैं बहुत प्रसन्न हूं। मुझे अपने को प्रसन्न कहने पर आप जानता हूं बहुत दुखी होंगे। क्योंकि आज हम दूसरों का बुरा होते देख गदगद हो सकते हैं, पर जो हमसे कोई कहे कि वह प्रसन्न है तो हम बहुत दुखी हो जाते हैं। सही ही है। हमारे अतिरिक्त और किसी को यहां प्रसन्न रहने का कोई अधिकार नहीं। मेरी प्रसन्नता का कारण है कि अब मैंने पूरी तरह मान लिया है कि मैं नालायक हूं। सिर से लेकर पांव तक। कुछ लोग अपने को पूरा नालायक नहीं मानते। आधा अधूरा नालायक मानते हैं। ऐसे लोग न नालायकों के बीच गिने जाते हैं, न लायकों के बीच। अच्छा लगता है कि जब हमें कोई नालायक घोषित करे उससे पहले ही हम अपने को नालायक घोषित कर दें। इससे कम से कम एक बात की खुशी तो रहती है कि हमने खुद को खुद ही नालायक घोषित किया किसी दूसरे ने नहीं। हमें कोई दूसरा नालायक घोषित तो मत पूछो कितनी पीड़ा होगी? फिर भी पता नहीं क्यों कुछ नालायक अव्वल दर्जे के नालायक होने के बाद भी खुद को समझदार होने की जिद पर अड़े रहते हैं। वैसे समझदार से समझदार तक को लोग एक न एक दिन नालायक घोषित कर ही चैन की सांस लेते हैं। ऐसे में अपने को नालायक मान लेने में जो आंनद है, वैसा कहीं और नहीं। ये तो कोई समझदारी की बात नहीं कि लोगों से अपनी समझदारी की सैंकड़ों फजीहतें करवा कर नालायक हुए। इसलिए जिन जिनको मजे से जीना हो तो मेरा अनुभव है वे अपने को चुपचाप नालायक घोषित कर जीवन का असली लुत्फ उठाएं। हे समझदारो! यहां चोर भले ही अपने को चोर न माने। यहां साध भले ही अपने को साध न माने। यहां लुटेरा भले ही अपने को लुटेरा न माने। यहां जनसेवक भले ही अपने को जनसेवक न माने। यहां राष्ट्रद्रोही भले ही अपने को राष्ट्रद्रोही न माने। यहां बलात्कारी भले ही अपने को बलात्कारी न माने। वह अपने को निर्दोष साबित करने के लिए भले ही सबसे अच्छा वकील कर पूरा जोर लगा दे। पर मैं अपने पूरे होशोहवास में स्वीकार करता हूं कि मैं नालायक हूं। असल में मैं सच्ची को नालायक हूं। क्योंकि मैं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारता हूं। जबकि समझदार दूसरों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारता मल्हार गाता है। मैं सच्ची का नालायक हूं। मैं सच्ची को नालायक हूं क्योंकि मैं टॉक्सिक रिश्तों से अमृत मांगता हूं। समझदार अमृती रिश्तों को टॉक्सिक बनाकर ही दम लेते हैं। मैं नालायक हूं क्योंकि मैं किसी के यहां आग लगने पर अपना पीने का पानी लेकर उसे बुझाने दौड़ पड़ता हूं। समझदार टाइप के किसी के घर में आग लगा अपनी पानी की ओवरफ्लो होती टंकियों में ताला लगा देते हैं। कल वे मुझ नालायक से मिलने आए पूरी समझदारी के साथ। उस वक्त मैं अपनी नालायकी के सरोवर में डुबकियां लगा रहा था, पता नहीं क्या सोचते हुए? क्यों सोचते हुए? जबकि सोचना केवल और केवल समझदारों के अधिकार क्षेत्र में आता है, 'और नालायक जी! क्या हाल हैं?' उन्होंने मुझसे आदर सहित सीना चौड़ा कर पूछा तो अच्छा लगा कि नालायकों की भी इज्जत होती है। 'कुछ नहीं! बस, अपनी नालायकी का जश्न मना रहा हूं', मैंने हंसते हुए कहा तो वे ठहाका लगाते बोले, 'हद है यार तुम्हारी नालायकी की भी! लोग हैं कि अपनी समझदारी का जश्न नहीं मनाते और तुम अपनी नालायकी का जश्न मना रहे हो। मान गए तुम्हें नालायक हो तो तुम जैसा। वर्ना लायक ही भले।' 'देखो दोस्त! समझदारों के पास गलत फैसलों पर भी जश्न मनाने के एक से एक वाहियात तर्कों वाले सुखद तरीके होते हैं। जबकि सच यह है कि जो गलत होता है, वह गलत होता है। उनका निजी फैसला हो तो होता रहे, पर मुझ जैसे नालायक के पास कोई तर्क वितर्क नहीं होता। क्योंकि मेरे जैसे नालायकों के सही कदम भी गलत माने जाते हैं।' 'मतलब तुम पूरी तरह स्वीकार कर चुके हो कि तुम नालायक हो।' 'जी हां! मैं पूरी तरह खुले मन से स्वीकार कर चुका हूं कि मैं अधकचरा नालायक नहीं, पूरा का पूरा नालायक हूं। और कुछ? इसलिए अब मैं समझदारों के दलदल में जाना भी नहीं चाहता', मैंने उनकी तरफ मुस्कुराते देखते कहा तो वे बोले, 'तो अपने को नालायक घोषित करने पर हजारों शुभकामनाएं।'

देश दुनिया से

बदलते हालात के अनुरूप हो जीवनशैली

उत्तर पूर्वी राज्यों में जब सबसे भीगा और पसंदीदा मौसम होता है, असम में गुवाहाटी समेत कई जिलों में स्कूल बंद करने पड़े क्योंकि तापमान 45 से पार हो गया। भादों में उमस के साथ इतनी गर्मी जानलेवा होती है। दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय के चेरापूंजी और मौवसिनराम में अब छाते बारिश से बचने की जगह तीखी गर्मी से बचने को इस्तेमाल हो रहे हैं। यहां 33 डिग्री तापमान स्थानीय निवासियों के लिए असहनीय हो गया है। एक तो बरसात कम हुई, ऊपर से अधिकतम 24 डिग्री वाले इलाके में तापमान और उमस बढ़ गई। उत्तराखंड में देहरादून में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और पंतनगर का अधिकतम तापमान 37.2 होना असामान्य है। कश्मीर में भी इस समय अकेले चुनावी तपिश नहीं, बल्कि मौसमी तपिश लोगों को बेहाल किए है। यहां इस मौसम के तापमान से कोई 6.6 डिग्री अधिक गर्मी दर्ज की गई है और हालात लू जैसे हैं। कुपवाड़ा में 33.3, पहलगाम में 29.5 और गुलमर्ग में 23.6 तापमान असहनीय जैसा है। हिमाचल प्रदेश में सितंबर के महीने में जून-सी गर्मी है। ऊना समेत प्रदेश के पांच जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। हाल ही में ऊना का तापमान 38 डिग्री को पार कर गया। जबकि कांगड़ा, मंडी, चंबा और बिलासपुर में भी तापमान 35 डिग्री पर पहुंच रहा है। सामान्य तौर पर सितंबर माह में हल्की सर्दी का दौर शुरू हो जाता है। लेकिन इस बार गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। शिमला में भी तापमान 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है, जो सामान्य से कहीं अधिक है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन का असर सबसे संवेदनशील नैसर्गिक स्थलों में अब गहरा होता जा रहा है। गर्मी से लोगों की सेहत पर तो बुरा असर हो ही रहा है, लगातार गर्मी ने पानी की मांग बढ़ाई और संकट भी। सबसे बड़ी बात, गर्मी से शुद्ध पेयजल की उपलबद्धता घटी है। प्लास्टिक बोतलों में बिकने वाला पानी हो या फिर आम लोगों द्वारा सहेज कर रखा गया जल, तीखी गर्मी ने प्लास्टिक बोतल में उबाले गए पानी को ज़हर बना दिया। पानी का तापमान बढ़ना तालाब-नदियों की सेहत खराब कर रहा है। एक तो वाष्पीकरण तेज हो रहा है, दूसरा पानी अधिक गर्म होने से जल में विकसित होने वाले जीव-जन्तु और वनस्पति मर रहे हैं। तीखी गर्मी भोजन की पौष्टिकता की भी दुश्मन है। तीखी गर्मी में गेहूं, धान के दाने छोटे हो रहे हैं और उनके पौष्टिक गुण घट रहे हैं। वैसे भी तीखी गर्मी में पका हुआ खाना जल्दी सड़-बुस रहा है। फल-सब्जियां जल्दी खराब हो रही हैं। खासकर गर्मी में आने वाले वे फल जिन्हें केमिकल लगाकर पकाया जा रहा है, इतने उच्च तापमान में ज़हर बन रहे हैं। इस बार की गर्मी की एक और त्रासदी है कि इसमें रात का तापमान कम नहीं हो रहा, चाहे पहाड़ हो या मैदानी महानगर। बीते दो महीनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक अधिक रहा ही है। खासकर सुबह चार बजे भी तपिश का अहसास होता है और इसका कुप्रभाव यह है कि बड़ी आबादी की नींद पूरी नहीं हो पा रही। खासकर मेहनतकश लोग उनींदे से सारे दिन रहते हैं। इससे उनकी कार्यक्षमता पर तो असर हो ही रहा है, शरीर में कई विकार हो रहे हैं। जो लोग सोचते हैं कि वातानुकूलित संयंत्र से वे इस गर्मी की मार से सुरक्षित हैं, तो यह बड़ा भ्रम है। लंबे समय तक एयर कंडीशनर वाले कमरों में रहने से शरीर की नस-नाड़ियों में संकुचन, मधुमेह और जोड़ों के दर्द का खमियाजा ताजिंदगी भोगना पड़ सकता है। मार्च-24 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने भारत में एक लाख लोगों के बीच सर्वे कर एक रिपोर्ट में बताया है कि गर्मी व लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच फीसदी अधिक आर्थिक नुकसान होगा। चूंकि आर्थिक रूप से सम्पन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, जबकि गरीब ऐसा नहीं कर पाते। दरअसल, बढ़ता तापमान न केवल पर्यावरणीय संकट है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक त्रासदी-असमानता और संकट का कारक भी बन रहा है। इससे इंसान की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, पानी और बिजली की मांग बढ़ती है, तो उत्पादन लागत भी बढ़ती है। हम जान लें कि प्रकृति की किसी भी समस्या का निदान हमारे अतीत के ज्ञान में ही है, कोई भी आधुनिक विज्ञान इस तरह की दिक्कतों का हल नहीं खोज सकता। आधुनिक ज्ञान और विज्ञान कुपित कायनात से जूझने में असहाय है। अब समय या गया है कि इंसान बदलते मौसम के अनुकूल अपने कार्य का समय, हालात, भोजन, कपड़े आदि में बदलाव करे। खासकर पहाड़ों पर विकास और पर्यटन दो ऐसे मसले हैं, जिन पर नए सिरे से विचार करना होगा। शहर के बीच बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ आदि यदि निर्मल और जलयुक्त रहेंगे तो बढ़ी गर्मी को सोखने में ये सक्षम होंगे।

भादों में उमस के साथ इतनी गर्मी जानलेवा होती है। दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय के चेरापूंजी और मौवसिनराम में अब छाते बारिश से बचने की जगह तीखी गर्मी से बचने को इस्तेमाल हो रहे हैं। यहां 33 डिग्री तापमान स्थानीय निवासियों के लिए असहनीय हो गया है। एक तो बरसात कम हुई, ऊपर से अधिकतम 24 डिग्री वाले इलाके में तापमान और उमस बढ़ गई। उत्तराखंड में देहरादून में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और पंतनगर का अधिकतम तापमान 37 .2 होना असामान्य है। कश्मीर में भी इस समय अकेले चुनावी तपिश नहीं, बल्कि मौसमी तपिश लोगों को बेहाल किए है। यहां इस मौसम के तापमान से कोई 6 .6 डिग्री अधिक गर्मी दर्ज की गई है और हालात लू जैसे हैं।

आप का नजरिया

विदेशी पर्यटन में हिमाचल

पर्यटन की आमद को गिना जा सकता है, लेकिन इसके महल की आर्थिक खिड़कियां बेजुबान हैं। इस साल अब तक का हिसाब खींच लाया है नए आंकड़े, साल के नौ महीनों में 1.16 करोड़ सैलानी हिमाचल आ चुके हैं, तो उम्मीद है कि साल के अंत तक दो करोड़ घुमक्कड़ प्रदेश को नापेंगे। पिछले साल 1.59 करोड़ सैलानी पहुंचे थे। जून तक हिमाचल में 38882 विदेशी पर्यटकों का आगमन भी कुछ दरवाजे खोल गया, तो विदेशियों ने सबसे अधिक कांगड़ा, फिर शिमला और कुल्लू घाटी का रुख किया। ये आंकड़े एक ऐसी परिभाषा ने पैदा किए हैं जो मंदिर तक पहुंचे श्रद्धालु को गिनती है। अगर श्रद्धा के रास्ते अस्सी फीसदी सैलानी पहुंचे, तो शेष रास्तों से फिलहाल 24 लाख ही पहुंचे होंगे। ऐसे में पर्यटक आ कहां रहा है और गिना कहां जा रहा है, यह सोचना होगा। हिमाचल में पर्यटन की सबसे बड़ी बाध्यता धार्मिक स्थलों के अलावा कम ही दिखाई देती है, अलबत्ता कुछ पुराने हिल स्टेशन तथा हाल ही में अस्तित्व में आई अटल टनल का वर्णन किया जा सकता है। इस हिसाब से हिमाचल की पर्यटन क्षमता का मूल्यांकन करना होगा ताकि धार्मिक स्थलों के अलावा डेस्टिनेशन तक का स्वतंत्र आगमन देखा जाए। यहां विदेशी पर्यटकों का बढ़ता आगमन एक शुभ संकेत है, लेकिन गोवा, राजस्थान, दिल्ली, आगरा व दक्षिणी प्रांतों के हिसाब से हमारी अधोसंरचना अभी पूर्ण क्षमता तक नहीं पहुंची। प्रदेश पांच करोड़ पर्यटकों के लक्ष्य में अगर अस्सी फीसदी धार्मिक बढ़ा भी ले तो भी पर्यटन की दृष्टि से अभीष्ट योगदान तब मिलेगा जब सैलानी होने के सबूत अन्य दिशाओं और डेस्टिनेशन को कबूल करेंगे। अंततः हमें अपने पर्यटन नक्शे पर ऐसी बस्तियां चाहिएं जो यात्रा वृतांत बदल दें, अनुभव की शाखा बदल दें। मसलन अटल टनल, रोहतांग पास तथा सप्ताहांत पर्यटन ने अपनी कहानी अलग से लिखनी शुरू की है। इसी बीच काजा सर्किट या ट्रैकिंग टूअर पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में आ रहे युवा सैलानियों ने प्रदेश के रोमांच को अपनी छावनी बनाया है। बहरहाल चंद महीनों में करीब 39 हजार विदेशी पर्यटकों का आगमन हमारे पर्यटन की शोहरत, वकालत व उम्मीदों भरी उड़ान है। हालांकि यह संख्या उसी सर्किट पर है, जिस पर घरेलू सैलानी भीड़ बन रहे हैं। यह स्पष्ट है कि विदेशी पर्यटक फिलहाल शिमला, कुल्लू व कांगड़ा घाटी ही ज्यादातर आ रहे हैं और मात्रात्मक दृष्टि से इसके अध्ययन की जरूरत है। जाहिर है कांगड़ा आगमन गगल एयरपोर्ट की व्यस्तता का प्रतीक है, जबकि तिब्बती पर्यटन व महामहिम दलाईलामा के प्रवचन भी इससे जुड़ जाते हैं। ऐसे में हमारा लक्ष्य पांच करोड़ घरेलू सैलानियों के बजाय अगर पचास लाख विदेशी पर्यटक हो जाए, तो आर्थिकी के हिसाब से यह राज्य के लिए धनवर्षा का चेरापूंजी साबित होगा। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की फिजाओं में हिमाचल को अपने सर्किट व क्षमता बढ़ानी होगी। तिब्बती, धरोहर, सांस्कृतिक, साहसिक व ट्राइबल पर्यटन को जोडक़र हिमाचल के एहसास को पुख्ता करें, तो यहां के मौसम में गुनगुनी धूप का आनंद और सुकून की फुलबारी में मानसिक राहत का गुलदस्ता बन जाएगा।

2000 रुपए के 98 फीसदी नोट वापस आए, चलन से पूरी तरह बाहर

मुंबई, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो हजार रुपए के नोटों पर बड़ा अपडेट देते हुए कहा कि चलन से बाहर हुए इन नोटों का 98 फीसदी हिस्सा अब तक वापस आया है। 19 मई 2023 को 2000 रुपए के नोटों को बंद करने घोषणा की गई थी। उस समय बाजार में इन नोटों का कुल मूल्य करीब 3.6 लाख करोड़ रुपए था। अब यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 7,117 करोड़ रह गया है, जो यह बताता

आरबीआई के इस कदम का उद्देश्य डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना

है कि ज्यादातर 2000 हजार के नोट जमा हो गए या एक्सचेंज करा लिए गए हैं। आरबीआई के आंकड़ों के बाद स्पष्ट हो गया है कि 2000 रुपए के नोट अब करीब पूरी तरह से चलन से बाहर हो चुके हैं। 8 नवंबर 2016 को जब भारत में नोटबंदी लागू की गई थी, उस समय 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को बंद कर दिया गया था और 2000 रुपए के नोटों को चलन में लाया गया था ताकि नकदी संकट से निपटा जा सके लेकिन 2023 में आरबीआई ने इन्हें धीरे-धीरे वापस लेने का फैसला लिया। लोगों को 7 अक्टूबर 2023 तक अपने 2000 रुपए के नोट जमा करने या बदलवाने की सुविधा दी गई थी। इसके बाद भी, जो लोग समय सीमा में अपने नोट जमा नहीं कर पाए थे, उन्हें आरबीआई के 19 रीजनल ऑफिस और डाकघरों के जरिए से यह सुविधा दी गई। आरबीआई ने पहले एक सितंबर 2024 को भी एक अपडेट जारी किया था, जिसमें यह बताया गया था कि 30 अगस्त 2024 तक 2000 रुपए के कुल 3.56 लाख करोड़ रुपए के नोट वापस आ चुके हैं। तब बैंकिंग प्रणाली में 7,261 करोड़ रुपए के नोट चलन में थे, जो अब घटकर 7,117 करोड़ रुपए रह गए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बंगाल को भारत...

साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के अलगाववादियों का भी समर्थन करता है। रमानी कहता है, कश्मीर को आजादी के लिए तैयार होने के लिए कहो। पाकिस्तान और अफगानिस्तान मिलकर कश्मीर को आजादी दिलाने में मदद करेंगे। हम कश्मीर की आजादी के लिए काम करेंगे।

अंसार अल इस्लाम के पश्चिम बंगाल के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों के अन्य हिस्सों में कम से कम पांच स्लीपर सेल हैं। इनमें से अधिकांश स्लीपर सेल मदरसों के अंदर काम कर रहे हैं। यह जेहादी संगठन तब्लीगी जमात से भी गहरा संबंध रखता है। शेख हसीना के शासन के दौरान बांग्लादेश के आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत जेल में बंद जशीमुद्दीन रहमानी ने भी भारत को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री के साथ संबंध न रखने की चेतावनी दी थी। उसने वीडियो में कहा था, हसीना से दूर रहो, वह खुद भी सड़ी हुई है और वह तुम्हें भी बिगाड़ देगी। मैं भारत से कहूंगा कि वह हसीना के साथ न नाचे। हैरानी की बात है कि, जबकि मुहम्मद यूनुस, जिन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के विश्वासपात्र के रूप में देखा जाता है, ने सीधे तौर पर अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा अंसार अल इस्लाम को आतंकवादी इकाई के रूप में सूचीबद्ध करने की अव-हेलना की है। इसके अलावा, 20 दिसंबर 2021 को स्टेट डिपार्टमेंट डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस ने अपने रिवार्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) कार्यालय के माध्यम से, बांग्लादेश के ढाका में हुए आतंकवादी हमले की जानकारी के लिए 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का इनाम दिया, जिसमें अमेरिकी नागरिक अविजित रॉय की मौत हो गई और उनकी पत्नी रफीदा बोन्या अहमद गंभीर रूप से घायल हो गईं। 26 फरवरी 2015 को अविजित रॉय और अहमद, दोनों बांग्लादेश में जन्मे अमेरिकी नागरिक, एक पुस्तक मेले में भाग लेने के लिए ढाका जा रहे थे, जब उन पर हमलावरों ने छुरा घोंपकर हमला किया। रॉय की मौत हो गई और अहमद गंभीर रूप से घायल हो गया। दो संबंधित समूहों ने इसकी जिम्मेदारी ली। बांग्लादेश स्थित अल कायदा से प्रेरित आतंकवादी समूह अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

2016 में विदेश विभाग ने आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम की धारा 219 के तहत एक्यूआईएस को एक विदेशी आतंकवादी संगठन और कार्यकारी आदेश 13224 के तहत एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित किया, जो आतंकवादियों और आतंकवादियों या आतंकवादी कृत्यों का समर्थन करने वालों को प्रतिबंधित करने का अधिकार प्रदान करता है। अंसार अल इस्लाम को संयुक्त राष्ट्र 1267 समिति की समेकित सूची में और कनाडा और अमेरिका की सरकारों द्वारा अंसार अल इस्लाम के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के तुरंत बाद, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) का कुख्यात सरगना परेश बरुआ म्यांमार के अराकान राज्य में फिर से सक्रिय है और अराकान सेना के शीर्ष अधिकारियों द्वारा उसकी मेजबानी की गई है। अराकान में बैठकर, बरुआ कथित तौर पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद को फिर से शुरू करने की साजिश रच रहा है, साथ ही उसने कुकी आतंकवादियों के साथ संबंध भी स्थापित किए हैं, जिसका गुप्त उद्देश्य बांग्लादेश में अराकान, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को मिलाकर एक ईसाई राज्य की स्थापना करना है। उसे अमेरिकी डीप-स्टेट के साथ-साथ पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) से भी धन और सहायता मिलती है।

संस्कृति की...

झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के तहत अपना पक्का घर मिला था और अब कुछ ही दिनों के भीतर आज झारखंड में 80 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये योजनाएं आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान से जुड़ी हैं।

पीएम मोदी ने कहा, आज पूज्य बापू (महात्मा गांधी) की जन्म जयंती है। आदिवासी विकास के लिए उनका विजन, उनके विचार हमारी पूंजी है। गांधी जी का मानना था कि भारत का विकास तभी हो सकता है, जब जनजातीय समाज का तेज विकास हो। मुझे संतोष है कि आज हमारी सरकार आदिवासी उत्थान पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। अभी मैंने यहां धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस योजना पर करीब 80 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत करीब 550 जिलों में 65,000 आदिवासी बहुल गांवों का विकास करने का अभियान चलाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, इसका लाभ देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई-बहनों को मिलेगा। झारखंड के आदिवासी समाज को भी इसका बहुत बड़ा फायदा होगा। मुझे खुशी है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की धरती से हो रही है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के दिन यहां झारखंड से ही पीएम-जनमन योजना भी लॉन्च हुई थी। अगले महीने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर हम पीएम-जनमन योजना की पहली वर्षगांठ मनाएंगे। इस योजना के जरिए आज देश के उन आदिवासी इलाकों में भी विकास पहुंच रहा है, जो सबसे पीछे छूट गए थे। आज यहां पीएम-जनमन योजना के तहत भी करीब साढ़े 1,300 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास हुआ है।

स्वच्छता देश और...

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्वच्छता से संबंधित 9600 करोड़ रुपए से अधिक की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास स्वच्छता से संपन्नता के मंत्र को मजबूत करेगा। गंदगी के प्रति नफरत ही हमे स्वच्छता के लिए मजबूर कर सकती है और मजबूत भी कर सकती है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज पूज्य बापू और लाल बहादुर शास्त्री जी की जन्म-जयंती है। मैं मां भारती के सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। जिस भारत का सपना गांधी जी और देश की महान विभूतियों ने देखा था, वो सपना हम सब मिलकर पूरा करें, आज का दिन हमें ये प्रेरणा देता है। आज 2 अक्टूबर के दिन मैं कर्तव्यबोध से भी भरा हुआ हूं और उतना ही भावुक भी हूं। आज स्वच्छ भारत मिशन की यात्रा 10 साल के मुकाम पर पहुंच चुकी है। स्वच्छ भारत मिशन की ये यात्रा करोड़ों भारतवासियों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में कोटि-कोटि भारतीयों ने इस मिशन को अपनाया है, अपना मिशन बनाया है, इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। आज देशभर में स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। लोग अपने गांवों की, शहरों की, मोहल्लों की, चाल की, फ्लैट की और सोसायटी की स्वयं बड़े आग्रह से सफाई कर रहे हैं। बीते पखवाड़े में देश भर में करोड़ों लोगों ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है। मुझे जानकारी दी गई है कि सेवा पखवाड़ा के 15 दिनों में देशभर में 27 लाख से ज्यादा कार्यक्रम हुए। जिनमें 28 करोड़ से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। निरंतर प्रयास करके ही हम अपने भारत को स्वच्छ बना सकते हैं। मैं प्रत्येक भारतीय का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।पीएम मोदी ने कहा कि आज के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर आज स्वच्छता से जुड़े करीब 10 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की भी शुरुआत हुई है। मिशन अमृत के तहत देश के अनेक शहरों में वॉटर और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। नमामि गंगे से जुड़ा काम हो या फिर कचरे से बायोगैस पैदा करने वाले गोबरधन प्लांट, ये काम स्वच्छ भारत मिशन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन जितना सफल होगा, उतना ही हमारा देश ज्यादा चमकेगा। उन्होंने कहा कि आज से 1 हजार साल बाद भी जब 21वीं सदी के भारत का अध्ययन होगा, तो उसमें स्वच्छ भारत अभियान को जरूर याद किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनभागीदारी, जन नेतृत्व वाले जन आंदोलन है। इस मिशन ने मुझे ईश्वर रूपी जनता-जनार्दन की साक्षात ऊर्जा के भी दर्शन कराए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन से देश के आम जन के जीवन पर जो प्रभाव पड़ा है, वो अनमोल है। हाल ही में एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय जनरल की स्टडी आई है, इस स्टडी को अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मिलकर स्टडी किया है। इसमें सामने आया है कि स्वच्छ भारत मिशन से हर वर्ष 60 से 70 हजार बच्चों का जीवन बच रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग टॉयलेट बनने से ड्रॉप आउट रेट कम हुआ है। यूनिसेफ की एक और स्टडी के मुताबिक, साफ-सफाई के कारण गांव के परिवार के हर साल औसतन 50 हजार रुपए बच रहे हैं। पहले आए दिन होने वाली बीमारियों के कारण ये पैसे इलाज पर खर्च होते थे, या काम धंधा न करने के कारण आय खत्म हो जाती थी, क्योंकि बीमारी के कारण लोग काम पर नहीं जा पाते थे।

पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छता की प्रतिष्ठा बढ़ने से देश में एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। पहले साफ-सफाई के काम से जुड़े लोगों को किस नजर से देखा जाता था, हम सब जानते हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने, इस सोच को भी बदल दिया। साफ-सफाई करने वालों को मान-सम्मान मिला, तो उनको भी गर्व हुआ। विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास स्वच्छता से संपन्नता के मंत्र को मजबूत करेगा।

हमास की...

जो हम कर सकते हैं, और हम करते हैं।

चीन और भारत के बीच तनाव पर विदेश मंत्री ने कहा, सीमा को शांतिपूर्ण और शांत रखने के तरीके पर हमारे चीन के साथ समझौते थे। उन समझौतों का चीन द्वारा 2020 में उल्लंघन किया गया था। वहीं, कुछ तनाव इसलिए भी पैदा हो सकता है क्योंकि हमारी सेनाएं अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं। जब तक उन अग्रिम मोर्चे की तैनातियों का समाधान नहीं हो जाता तब तक तनाव जारी रहेगा। अगर तनाव जारी रहता है तो इसका स्वाभाविक असर बाकी रिश्तों पर भी पड़ता है। इसलिए पिछले चार सालों से हमारे रिश्ते अच्छे नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा, जब व्यापार की बात आती है तो मेरा मानना है कि वैश्विक विनिर्माण में चीन की हिस्सेदारी करीब 31 से 32 प्रतिशत है। और ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार, जो मुख्य रूप से पश्चिमी नेतृत्व में है, ने पारस्परिक लाभ के लिए चीन के साथ सहयोग करने का विकल्प चुना। इसलिए आज किसी भी देश के लिए यदि आप किसी भी प्रकार की खपत या यहां तक कि किसी भी प्रकार के विनिर्माण में लगे हैं, तो चीन से बाहर सोर्सिंग अपरिहार्य है। एक स्तर पर चीन के साथ व्यापार हमारे साथ राजनीतिक या बाकी संबंधों के लगभग स्वायत्त है।

अमेरिकी राजनीतिक नेताओं द्वारा भारत में लोकतंत्र के बारे में टिप्पणी करने के बारे में पूछे जाने पर, जयशंकर ने कहा, एक तो वास्तविकता है और दूसरा वास्तविकता से निपटने का तरीका है। वास्तविकता यह है कि दुनिया बहुत वैश्वीकृत है और परिणामस्वरूप, राजनीति जरूरी नहीं कि देश की राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहे। संयुक्त राज्य अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष प्रयास करता है कि ऐसा न हो। उन्होंने कहा कि यह इस बात का एक हिस्सा है कि अमेरिका ने वर्षों से अपनी विदेश नीति का संचालन कैसे किया है। कुछ खिलाड़ी न केवल अपने देश की राजनीति को आकार देना चाहते हैं, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर करने की कोशिश करते हैं। आप लोगों के बारे में रिपोर्ट लिखते हैं और आप देशों को सुर्खियों में लाते हैं। लोकतंत्रों का परस्पर सम्मान किया जाना चाहिए, ऐसा नहीं हो सकता कि एक लोकतंत्र को दूसरे पर टिप्पणी करने का अधिकार हो और यह वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ावा देने का एक हिस्सा है, लेकिन जब दूसरे ऐसा करते हैं तो यह विदेशी हस्तक्षेप बन जाता है।

उन्होंने कहा, विदेशी हस्तक्षेप विदेशी हस्तक्षेप है, चाहे वह कोई भी करे और जहां भी हो। यह एक कठिन क्षेत्र है और मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आपको टिप्पणी करने का पूरा अधिकार है लेकिन मुझे आपकी टिप्पणी का जवाब देने का पूरा अधिकार है, इसलिए जब मैं ऐसा करूं तो बुरा न मानें। रूस-यूक्रेन युद्ध पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, हमारी सार्वजनिक स्थिति यह है कि हम यह नहीं मानते कि देशों के बीच मतभेद या विवाद युद्ध से सुलझाए जा सकते हैं। हम यह भी नहीं मानते कि वास्तव में युद्ध से कोई नतीजा निकल सकता है। तीसरे कार्यकाल में, हमने कुछ खोजपूर्ण चर्चाएं शुरू की हैं। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच हुई। सबसे पहले इटली के पुगलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन के मौके पर, फिर प्रधानमंत्री मोदी की मास्को यात्रा के दौरान, जिसके बाद प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की। हम जो कर रहे हैं, उसके बारे में हम बहुत सोच-समझकर और सतर्क हैं।

जयशंकर ने कहा, हम इसे बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बता रहे हैं। हमारा प्रयास बातचीत करना है। एक पक्ष से दूसरे तक बात पहुंचाना है। उस बातचीत को अच्छी नीयत से आगे बढ़ाना है। हम युद्ध के तीसरे वर्ष में हैं। आज ऐसे बहुत कम देश हैं जो इन दोनों देशों में जाने, दोनों नेताओं से बात करने और फिर दूसरे के पास वापस जाने की क्षमता रखते हैं। हम बस कुछ मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, जो दुनिया में व्यापक चिंता को दर्शाता है कि यह संघर्ष वास्तव में हर किसी के जीवन को बहुत कठिन बना रहा है।

ब्लिंकन-जयशंकर...

पर हमारे निरंतर सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि, वाशिंगटन डीसी में ब्लिंकन के साथ बातचीत करके प्रसन्नता हुई। हमने डेलावेयर द्विपक्षीय और क्वाड बैठकों पर चर्चा की। हमारी चर्चा में द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक गहरा करना, पश्चिम एशिया की स्थिति, भारतीय उपमहाद्वीप, हिंद-प्रशांत और यूक्रेन में हाल के घटनाक्रम भी शामिल थे।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि, विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने आज वाशिंगटन डीसी में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। सचिव ब्लिंकन और विदेश मंत्री जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने, क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर बारीकी से समन्वय करने और महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की स्थायी प्रतिबद्धता पर चर्चा की। सचिव ब्लिंकन ने प्रधान मंत्री मोदी की अगस्त में कीव यात्रा का उल्लेख किया और यूक्रेन के लिए न्यायसंगत और स्थायी शांति के महत्व को दोहराया। सचिव और विदेश मंत्री ने वैश्विक जलवायु संकट से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा पहल पर सहयोग बढ़ाने की योजना पर भी चर्चा की।

वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की वार्ता के दौरान भी ईरान-इज़राइल तनाव पर चर्चा हुई। इस दौरान ब्लिंकन ने कहा कि कुछ घंटे पहले, ईरान ने पांच महीने के अंतराल में दूसरी बार इज़राइल पर सीधा हमला किया, जिसमें लगभग 200 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल थीं। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और पूरी दुनिया को इसकी निंदा करनी चाहिए। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य भागीदारों के सक्रिय समर्थन से इज़राइल ने इस हमले को प्रभावी ढंग से हरा दिया। हमने एक बार फिर इस्राइव की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। हम आने वाले घंटों और दिनों में इज़राइल और क्षेत्र के अन्य भागीदारों के साथ बहुत करीबी संपर्क में रहेंगे।

15 तक सुधार ...

प्रेस रिलीज जारी कर सरकार और न्यायिक प्रक्रिया में देरी पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कई महीनों बाद भी अस्पतालों में सुरक्षा के पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं, जिससे डॉक्टर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टरों ने सरकार से जल्द और ठोस सुरक्षा इंतजामों की मांग की है। डॉक्टरों का कहना है कि सुरक्षा उपायों की कमी के कारण कई घटनाएं रोकी जा सकती थीं, यदि समय पर कार्रवाई की जाती। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा कि राज्य के अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे, ड्यूटी रूम, और शौचालय जैसे बुनियादी उपायों की अब तक कितनी प्रगति हुई है। सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण काम में देरी हुई है, और अब तक केवल 22 प्रतिशत सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और पूछा, 50 प्रतिशत से अधिक काम किसी भी क्षेत्र में पूरा क्यों नहीं हुआ है? डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इतनी धीमी गति क्यों है? कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह 15 अक्टूबर तक सुरक्षा उपायों को तेजी से लागू करे। सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए इस मामले में कार्रवाई शुरू की थी।इससे पहले, कोलकाता हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स बनाने का आदेश दिया था और साथ ही अस्पताल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तैनाती के आदेश भी दिए थे। कोर्ट ने राज्य सरकार से डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदमों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा और सीबीआई से भी मामले में प्रगति की जानकारी मांगी। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि सुरक्षा उपायों में तेजी लाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के आखिर में कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को डॉक्टरों की सुरक्षा में तेजी लाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल को निर्देश दिया कि वह अगली सुनवाई में यह जानकारी दें कि क्या अस्पताल में कोई ऐसा व्यक्ति है, जिस पर अपराध या वित्तीय अनियमितता के आरोप हैं। यदि सीबीआई द्वारा ऐसे लोगों के खिलाफ पर्याप्त सबूत पेश किए जाते हैं, तो उनके खिलाफ सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से अदालत को सूचित किया गया कि पहले ही पांच डॉक्टरों को निलंबित किया जा चुका है, और यदि और लोगों के खिलाफ सबूत मिलते हैं, तो उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि सुरक्षा उपायों में और देरी होती है, तो राज्य सरकार को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इस बीच, पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने राज्य सरकार और न्यायिक प्रक्रिया में हो रही देरी पर गहरी नाराजगी जताई। फ्रंट ने कहा कि 9 अगस्त की घटना के बाद भी अस्पतालों में सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। राज्य के अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरों की कमी और सुरक्षा अधिकारियों की तैनाती में देरी के कारण डॉक्टरों को असुरक्षित महसूस हो रहा है। जूनियर डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि अस्पतालों में सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना मरीजों का इलाज करना संभव नहीं है। उनका कहना था कि यदि सरकार ने पहले से सुरक्षा उपाय लागू किए होते, तो इस घटना को रोका जा सकता था। जूनियर डॉक्टरों ने सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से उनकी शिकायतों को अनसुना किया गया है और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

डॉक्टरों ने अपनी पांच प्रमुख मांगें भी सरकार के सामने रखीं थी, जिसमें अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, सुरक्षा गार्डों की संख्या बढ़ाने, और बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली लागू करने जैसी मांगें शामिल हैं। डॉक्टरों का कहना था कि सरकार ने इन मांगों पर अब तक ध्यान नहीं दिया है और अस्पतालों में सुरक्षा की स्थिति बदतर होती जा रही है। जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कई सरकारी अस्पतालों में आज भी बुनियादी सुरक्षा उपायों की कमी है।

उन्होंने बताया कि कई अस्पतालों में डॉक्टरों और उनके परिवारों के साथ हिंसा की घटनाएं हो रही हैं, जिनमें शारीरिक हमले भी शामिल हैं। डॉक्टरों ने यह भी कहा कि अगर अस्पतालों में आईसीयू और अन्य सुविधाओं को बेहतर किया जाता, तो कई घटनाएं रोकी जा सकती थीं। डॉक्टरों का यह भी कहना था कि सागर दत्ता अस्पताल में हाल ही में एक मरीज की मौत हो गई थी, जिसे समय पर इलाज मिल जाता तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। डॉक्टरों ने राज्य सरकार से यह सवाल उठाया कि ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा और कब तक मरीजों और डॉक्टरों की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जाएगा।

गौरतलब है कि 9 अगस्त 2024 को कोलकाता के मशहूर आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने डॉक्टरों के बीच सुरक्षा को लेकर गहरा असंतोष पैदा कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस जघन्य अपराध की पुष्टि होने के बाद डॉक्टरों ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। जूनियर डॉक्टरों ने विशेष रूप से अपनी सुरक्षा को लेकर सरकार पर सवाल उठाए और सख्त सुरक्षा उपायों की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समय पर उचित सुरक्षा उपाय होते, तो यह घटना टाली जा सकती थी।

लव जेहाद देश...

इस्लामी कट्टरपंथियों की गलत मंशा की उपज है। इसके लिए बाकायदा ब्रेनवॉश होता है। बताया जाता है कि अगर हिंदू लड़की को इस तरह फंसाकर वह उससे संबंध बनाएंगे, उससे निकाह कर ले जाएंगे तो उन्हें जन्नत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के बरेली जिले की फास्ट ट्रैक अदालत ने लव जेहाद के एक मामले में मोहम्मद आलिम नाम के युवक को उम्रकैद की सजा सुनाई। उस पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी ठोका गया है। बेटे की करतूत में सहयोगी बने आलिम के पिता साबिर को भी 2 साल की कैद की सजा हुई है। अपनी टिप्पणी में अदालत ने भारत में पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी हालात पैदा करने की साजिश चलने की आशंका जताई है।

मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश (फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम) रवि कुमार दिवाकर की अदालत में हुई। लगभग सवा साल चले इस मुकदमे में अभियोजन व बचाव पक्ष दोनों ने अपने-अपने तर्क रखे व सबूत पेश किए। आखिरकार अदालत ने बचाव पक्ष की दलीलों को सन्तोषजनक नहीं पाया और आरोपित आलिम को उसके अब्बा साबिर सहित सजा सुना दी। आलिम को उम्रकैद जबकि साबिर को 2 साल की सजा मिली। आलिम पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी ठोका गया है। अपनी टिप्पणी में अदालत ने लव जेहाद को भारत में कुछ धर्म विशेष के लोगों द्वारा जनसंख्या वृद्धि का हथियार बताया। साथ ही इसे धर्मान्तरण की एक अंतरराष्ट्रीय साजिश करार दिया। अवैध मतांतरण को देश की एकता और सम्प्रभुता के लिए खतरा बताते हुए जस्टिस दिवाकर ने इसमें विदेशी फंडिंग होने की भी आशंका जाहिर की है। कोर्ट ने यह भी माना कि अगर भारत में इस हरकत पर अंकुश नहीं लगा तो आने वाले भविष्य में गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

बताते चलें कि बरेली जिले का यह पूरा मामला साल 2022 का है। तब आलिम ने खुद को आनंद बताते हुए हिन्दू लड़की से दोस्ती की थी। वह हाथ में कलावा बांधता था और मंदिर भी जाता था। पीड़िता कम्प्यूटर की कोचिंग करने जाती थी जहां आलिम उसका पीछा करता था। 13 मार्च 2022 को आलिम ने एक मंदिर में पीड़िता की मांग भरी। इसके बाद उसने लड़की से कई बार रेप किया। जब पीड़िता गर्भवती हो गई तब उसने आलिम पर शादी का दबाव बनाया। आलिम मुकरने लगा और उसने पीड़िता का गर्भपात करवा दिया।

मई 2023 में पीड़िता आलिम के घर पहुंच गई। यहां उसे आलिम के मुस्लिम होने की जानकारी मिली। जब उसने आलिम के परिजनों को सारी करतूत बताई तो उन्होंने पीड़िता की ही पिटाई शुरू कर दी। पिटाई के साथ आलिम के अब्बा साबिर ने निकाह के लिए पीड़िता को इस्लाम कबूल करने का विकल्प दिया। लड़की ने ऐसा करने से इंकार कर दिया और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था। कुछ ही दिनों में कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी गई थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 03 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एसबीआई में चल रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन

मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने सफाईमित्रों को किया सम्मानित

अंतिम दिन आयोजित की गईं विभिन्न गतिविधियां

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के हिस्से के रूप में एसबीआई हैदराबाद सर्कल ने बुधवार को गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर अपने स्थानीय प्रधान कार्यालय में और उसके आसपास स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया। एसएचएस 2024 के तीन स्तंभों (स्वच्छता की भागीदारी, संपूर्ण स्वच्छता, सफाईमित्र सुरक्षा शिविर) को 14 सितंबर से शुरू होने वाली अवधि के दौरान राज्य के अग्रणी बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने बुधवार 2 अक्टूबर को समाप्त किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य महाप्रबंधक, राजेश कुमार ने महाप्रबंधकों, उप महाप्रबंधकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया।

दिन की शुरुआत एलएचओ परिसर और सुल्तान बाजार और गुजराती गली के व्यस्त वाणिज्यिक क्षेत्रों के आसपास आयोजित एक सफाई अभियान के साथ हुई, जो एक स्वच्छ और स्वच्छ समुदाय बनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अधिकारियों और कर्मचारियों ने सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस गतिविधि ने आकर्षक और प्रभावशाली तरीके से स्वच्छता का संदेश फैलाया। इस गतिविधि का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच दैनिक जीवन में स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है।इस अवसर पर बोलते हुए सीजीएम राजेश कुमार ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा 2024 भारत में एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक चल रहा है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ का प्रतीक है, जिसमें स्वाभाव स्वच्छता की थीम पर जोर दिया गया है। (प्राकृतिक स्वच्छता) और संस्कार स्वच्छता (सांस्कृतिक स्वच्छता) और स्वच्छता की सामूहिक भावना को बढ़ावा देने के लिए। राजेश कुमार ने कहा कि गंदे और कठिन कचरा स्थानों (ब्लैक स्पॉट) को साफ करने के लिए मेगा स्वच्छता अभियान के रूप में 57 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) की पहचान करके बैंक द्वारा पूरे तेलंगाना राज्य में एसएचएस पहल की गई थी। इसके अलावा, सर्कल ने क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और धरती मां की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए राज्य भर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 15000 पौधरोपण किया है।राजेश कुमार ने सफाईमित्रों की सेवाओं की सराहना की। समाज में उनके योगदान को देखते हुए सभी सफाईमित्रों को सम्मानित किया गया। सफाईमित्र सुरक्षा शिविर के हिस्से के रूप में, सफाईमित्रों को व्यावसायिक खतरों से बचाने के लिए पीपीई किट और सुरक्षात्मक गियर प्रदान किए गए। सफ़ाईमित्रों के बीच सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (पीएमजेडीवाई, पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एपीवाई आदि) के महत्व को उजागर करने के लिए एक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन पहलों का लाभ जितना संभव हो उतने लोगों तक पहुंचे। राजेश कुमार ने कहा कि एसएचएस का लक्ष्य स्वच्छता बनाए रखने में जिम्मेदारी और गर्व की भावना पैदा करना है, न कि केवल एक बार के प्रयास के रूप में बल्कि निरंतर अभ्यास के रूप में। महाप्रबंधक नेटवर्क-2, प्रकाश चंद्र बरोर, महाप्रबंधक नेटवर्क 1 रवि कुमार वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता ही सेवा पहल, सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता पर स्थायी प्रभाव डालती है, जिससे हर नागरिक के लिए स्वच्छता जीवन का एक तरीका बन जाती है। अग्रणी बैंक के रूप में एसबीआई ने भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा चिन्हित एसएलबीसी गतिविधियों के तहत राज्य भर में एलडीएम द्वारा आयोजित 413 कार्यक्रमों में से 220 कार्यक्रमों का आयोजन किया। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों की भागीदारी और उत्साह ने इस पहल को सफल बनाया। इस कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन में योगदान देने और सरकारी पहलों का समर्थन करने की एसबीआई की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागांव परिवार ने अन्नप्रसाद किया वितरित

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागांव वाले परिवार द्वारा वार्षिक पितृ अमावस्या के दिन गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में क़रीब 600 स्थानीय निवासियों में अन्नदान प्रसाद वितरित किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले एक वर्ष से यह सेवा परिवार द्वारा हैदराबाद में गोल्डन टेम्पल तथा उनके पैतृक गाँव सोनासर में हर माह अमावस के दिन यह सेवा नियमित रूप से की जाती है। सोनासर में प्रति माह एक मीठा पूरी, सभी के डब्बे ग्राम वासियों में वितरित किए जाते हैं। पितृ अमावस के दिन गोल्डन टेम्पल में सांभर, चावल, सब्ज़ी, लड्डू, चटनी, रवा का हलवा, छांछ रूपी प्रसाद वितरित किया गया। अवसर पर परिवार के सदस्यों में मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, चिराग़ अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, सुमिरन अग्रवाल, कनक अग्रवाल, तिशा गुप्ता आदि ने सेवा प्रदान की।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का डांडिया उत्सव 5 अक्टूबर को

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीमा पंसारी के निवास स्थान दोमलगुड़ा पर अग्र महिला मंच तेलंगाना की कार्यकारिणी सभा की गई। इसमें सर्वसम्मति से मंच द्वारा नवरात्रि पर्व मनाने का निश्चय किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि 5 अक्टूबर, शनिवार, सायं 3.40 से गांधी नगर एसबीआई कॉलोनी बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने किड हुड इंटरनेशनल स्कूल में ये उत्सव मनाया जाएगा। इसमें विशेष रूप से मंचके ईसीएम सदस्यों द्वारा मां दुर्गा के नौ रुपों की प्रस्तुति की जाएगी, साथ ही सर्वोत्तम डांडिया पोशाक, सर्वोत्तम डांडिया नृत्य, बेस्ट युगल जोड़ी नृत्य, बच्चों के लिए भी बेस्ट डांडिया नृत्य की प्रतियोगिता रखी गई है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोज कोठारी एवं नम्रता कोठारी को आमंत्रित किया गया है। अवसर पर चटपटे चाट व भोजन की व्यवस्था की गई है। नॉन मेंबर्स और बच्चों का शुल्क लिया जायेगा। सभी भाग लेने वालों से आग्रह है की अपनी अपनी डांडिया अवश्य लाएं संयोजिकाएं मंजू केजरीवाल, संगीता देवड़ा ने निवेदन किया है की समय पर आगमन कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस सभा में अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल, मंजू केजरीवाल, सीमा पंसारी, सपना अग्रवाल, मधु गोयल, वंदना अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए।

श्री आईजी सेवा संघ, बंडलागुडा, चिरीयाला के तत्वावधान में
प्रथम नवरात्रि महोत्सव
दि. 03 अक्टूबर गुरुवार से
दि. 12 अक्टूबर शनिवार तक
-: पूजा - अर्चना :-
गुरुवार, दि. 03.10.2024 सायं 6-30 बजे से
:- डांडिया-गरबा नृत्य :-
प्रतिदिन सायं 7-15 बजे से डी.जे. की धुन पर राजस्थानी रंगारंग गरबा-नृत्य कार्यक्रम
महा प्रसादी : प्रतिदिन रात्रि 7-00 बजे
स्थल : श्री आईजी सेवा संघ, बंडलागुडा, चिरीयाला
समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है कि समय पर पधारकर महोत्सव कार्यक्रम का लाभ लेवें
आयोजक : श्री आईजी सेवा संघ के समस्त कार्यकारिणी एवं सदस्यगण।
अध्यक्ष भगाराम मुलेवा
सचिव चेलाराम भायल
संपर्क : 9440948635, 9246108583, 9490992536, 9440023149, 9948422095, 9948422095, 9848859724, 9391017241,8121830592, 9440092500
AAI MAA ADS

श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में स्वच्छ भारत दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर बुधवार 02 अक्तूबर को स्वच्छता कर्मियों के योगदान को मान्यता देने हेतु एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक के द्वारा 15 स्वच्छता (प्रसाधन गृह, शौचालय, फर्श आदि) कर्मियों व सांप पकड़ने वालों को सम्मानित किया गया।

उन्होंने अपने संबोधन में चिकन गुनिया, मलेरिया, टाइफाइड व अन्यान्य कई बीमारियों से बचाव हेतु कार्यस्थल पर स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. बी सुब्बारायुडु, डॉ. डी सेवा नायक, डॉ. ए श्रीनिवास, आघव विलास ज्ञानोबा तथा जे भगवंतम के द्वारा किया गया।

भावपूर्वक आमंत्रण
श्री श्री श्री महांकालेश्वर मंदिर
मिरालममंडी, हैदराबाद
श्री देवी नवरात्री उत्सव
गुरुवार, दि. 03.10.2024 से
शनिवार दि. 12.10.2024 तक
इस अवसर पर नगर के सभी भक्तगण सादर आमंत्रित है।
विशेष सुचना
नवरात्री में सामूहिक सहस्रनाम कुंकुम अर्चना (निःशुल्क) में पूरे 9 दिन भाग लेने वाली महिलाओं को माता का प्रसाद- साड़ी भेंट दी जाएगी।
मंदिर में प्रतिदिन अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
Sri Gajula Anjaiah
Chairman_Temple_Committe
Cell : 9394525457
PVMS

रंगताली नवरात्रि महोत्सव में परफॉर्म करने के लिए मुंबई से पधारे बीट मेकर्स म्यूजिकल ग्रुप का नगरागमन पर स्वागत करते हुए रंगताली समिति सदस्य आशीष शर्मा एवं प्रशांत बजाज।

अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा का अन्नदान सम्पन्न

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा घासी बाजार में महाराज श्री अग्रसेन की जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में रानी सती दादी मंदिर घासी बाजार के पास अन्नदान कार्यक्रम किया गया, जिसमें 500 लोगों ने इसका लाभ उठाया। सर्वप्रथम अग्रसेन महाराज जी की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कविता संघी, सीमा अग्रवाल, सुशील केडिया, शिल्पा अग्रवाल, प्रणव गर्ग आदि उपस्थित रहे।

आईजी गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या पर झूमे गौभक्त

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या पर अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालूराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, बाबूलाल लेरचा,ढगलाराम सेपटा, नारायणलाल परिहार, भगाराम मुलेवा, शंकरलाल बर्फा, मोहनलाल हाम्बड़, बाबूलाल मुलेवा मोलाली, गणेशराम बर्फा, प्रकाश चोयल, मोतीलाल काग, नारायणलाल आगलेचा, जयराम, जगदीश मालविया, माधुराम चोयल,भंवरलाल मुलेवा, अर्जुन लाल बर्फा, ओशक हाम्बड़,मुलाराम पंवार, मांगीलाल सोलंकी कालूराम काग चितल, गोपाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, पारसमल शर्मा, मांगीलाल काग,बाबूलाल मुलेवा, नारायण लाल काग रामनगर (माह प्रसादी) नेमाराम मुलेवा भैराराम सोलंकी, जीत-ाराम पंवार, धन्नाराम देवड़ा, मोतीलाल हाम्बड़, जेठाराम गेहलोत, वेनाराम चोयल, चुन्नीलाल पंवार व मांगीलाल, कालुराम,भूराराम काग, चितल की ओर से गौ माताओं के लिए एक गाड़ी कुट्टी देकर पुण्य लाभ लिया और गौभक्तों ने गौसेवा की। इस अवसर पर महात्मा जी मुनीषा नन्दजी ने प्रवचन दिया। पितृपक्ष अमावस्या पर आयोजित भजन कार्यक्रम में गायक संदीप सेजू, महावीर मारवाड़ी, भौराराम सैणचा, रमेश सीरवी, रमेश प्रजापत द्वारा सुमधुर वाणी में भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बीआरएस राजस्थानी मिडिया भगवान राम राठौड़, बबलू द्वारा किया गया।

स्वच्छता ही सेवा 2024 (स्वभाव स्वच्छ्ता संस्कार स्वच्छता) का आयोजन पीआर सीसीए तेलंगाना सर्कल, हैदराबाद दूरसंचार विभाग द्वारा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम और लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद रॉयल के सहयोग से संचार लेखा भवन, अशोक नगर, चिक्कड़पल्ली हैदराबाद में किया गया। इस अवसर पर रैली एवं नुक्कड़ नाटक का ओजन किया गया।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में पित्र अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज,बौना महेश (पार्षद) हरि किशन मायच्छ,सत्यनारायण मौसून,पंकज वर्मा,शरद वर्मा,मनोज सोनी, जयकिशन उपाध्यया, पवन व्यास, सुरेश कोलारिया, शरद वर्मा, पुरषोत्तम अग्रवाल ,नथमल मायच्छ, सतीश वर्मा, हंसराज बैवाल,कृष्णा सोनी एवं अन्य।

शालीबंडा शाखा ने अग्रज्योत रथयात्रा का किया भव्य स्वागत

हैदराबादा, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा के सचिव पंकज गोयनका द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शानरबंडा शाखा ने बुधवार को बेला खोवा मार्केट में अग्र ज्योत रथयात्रा का भव्य स्वागत किया। सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पुजा – अर्चना कर आरती की गई। तत्-पश्चात सभी को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

रथयात्रा में अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष आनंद संघी, सचिव पंकज गोयनका, संयुक्त सचिव राजू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, के.एस. उमेश अग्रवाल, आइपीपी महावीर प्रसाद डोकानिया,मिठ्ठूलाल अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, रोशन अग्रवाल, अंकीत अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, फतेहचंद अग्रवाल तथा महिला शाखा से अध्यक्ष मंजू अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रतिमा अग्रवाल, के.एस प्रियंका डोकानिया, आइपीपी किरण गोयनका तथा सरीता डोकानिया, रेनू अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, अंबीका अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, ज्योती अग्रवाल, पुनम अग्रवाल अन्य सभी शाखा सदस्य व महिला शाखा सदस्य उपस्थित थे।

52वें रामायण मेला में घट स्थापना एवं कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजस्थानी प्रगति समाज एवं दशहरा सम्मेलन समिति की एक बैठक बुधवार, दि. 02-10-2024 को मेला प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल एवं मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने बताया कि गुरुवार दि. 03.10.2024 को सायं 6:30 बजे घट स्थापना शंकर जी मेमोरियल हाई स्कूल में की जाएगी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जसवंत भाई पटेल एवं महेश बैंक के निदेशक बृज गोपाल असावा भाग लेंगे। तत्पश्चात रामायण कवि सम्मेलन रात्रि 7:15 बजे प्रारंभ होगा। रामायण मेला के अंतर्गत आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन के परामर्शदाता नंद गोपाल भट्टड ने बताया कि कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि मुर-लीधर लोहिया को आमंत्रित किया गया और कवि सम्मेलन का संचालन रामकृष्ण पांडेय तथा वेणुगोपाल भट्टड कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। कवि सम्मेलन में अजीत गुप्ता, नरेंद्र राय, तुलजा प्रसाद विमल, पुष्पा वर्मा, उमा देवी सोनी, बलवीर सिंह, चंपालाल बैद, कैलाश भटड, रवि वेद, प्रीति जैन, अंजनी प्रसाद गोयल, डॉक्टर पंकज मेहता, दुर्गा प्रसाद पठान शिवकुमार, सीताराम माने, पुरुषोत्तम कड़ेल को आमंत्रित किया गया। श्री भट्टड हिंदी ने बताया कि हिंदी भाषा को बढ़ावा देना के लिए रामायण कवि सम्मेलन जैसे कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए और हर हिंदी प्रेमी को बढ़-चढ़कर इसमें भाग चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक रामायण मेला चलता रहेगा तब तक हिंदी कवि सम्मेलन भी चलता रहेगा और यह कवि सम्मेलन किसी भी हालत में बंद नहीं किया जाएगा। कवि सम्मेलन की संयोजिका श्रीमती रूबी मिश्रा तथा सविता सोनी ने घट स्थापना तथा कवि सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया। उक्त बैठक में मेला कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा, संयोजक मनोज जायसवाल, नंद गोपाल भट्टड, रामदेव नगला, सुमित राठी, श्रीमती रूबी मिश्रा,सविता सोनी एवं अन्य उपस्थित रहे।

राधे राधे ग्रुप ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के सौजन्य से जारी नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार, 02 अक्टूबर, 2024 को पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1268, नामपल्ली में जरूरतमंद लोगों में अन्नदान किया गया।यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पितृ पक्ष अमावस्या के अवसर पर नरेश गुप्ता, बिमल किशोर सांघी एवं सतीश गुप्ता के सहयोग से उक्त कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुशील गुप्ता, संजय अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, नरेश गुप्ता, इंदु गुप्ता, कंचन गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, सविता अग्रवाल, बिमल किशोर संघी, योगेश सांघी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

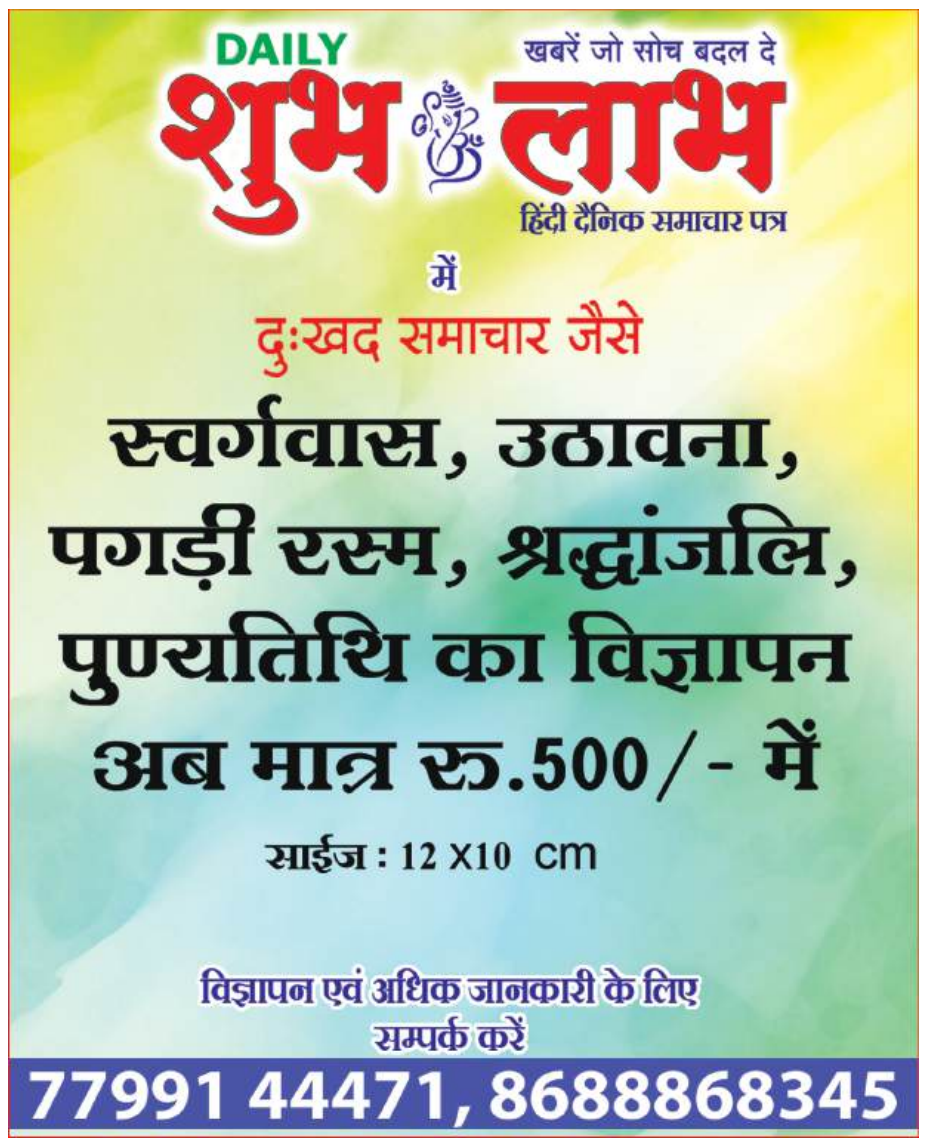

सिकंदराबाद स्थित गुजराती स्कूल मे गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबाद द्वारा 3 अक्टूबर से आयोजित नवरात्रि उत्सव में भाजपा सांसद कोंडा विवेश्वर रेड्डी से विशेष अतिथि के रूप में पधारने का निवेदन करते हुए जसमत पटेल, तरुण मेहता, रिद्धिश जागीरदार, श्रीनिवास सोमानी एवं अन्य।

बजरंग सेना के शहर के अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने बंदोबस्ती अतिरिक्त आयुक्त ज्योति और सहायक आयुक्त बालाजी से मुलाकात की और बालकृष्ण द्वारा गोस्वामी मठ परिसर में 2000 वर्ग गज के अवैध अतिक्रमण और गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बकरियों का अवैध वध शामिल था, जो तेलंगाना पशु और पक्षी बलि निषेध अधिनियम 1950 का उल्लंघन है। बजरंग सेना ने शाहीनयत गंज पुलिस थाने में एक औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई और अधिकारियों से कार्रवाई करने और मठ को आम लोगों के दर्शन के लिए खोलने का आग्रह किया।

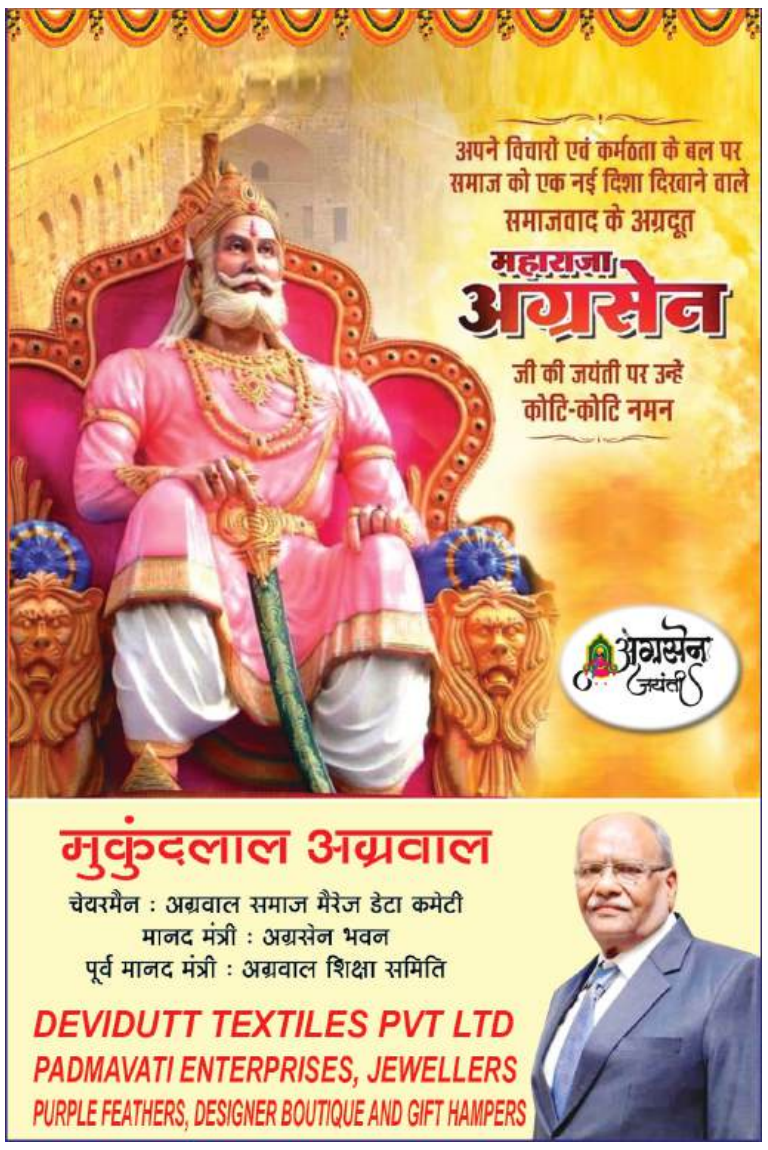

अत्तापुर में मनाई गई महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर के हैदरगुडा में पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढाने वाले आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं जय जवान जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री का जयंती उत्सव बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनकी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि देने वालों में अत्तापुर कॉरपोरेटर एम संगीता, सुभाष रेड्डी रामेश्वर राव, एन मल्ला रेड्डी, कौमरिया, विजय कुमार, बालू सुब्रमण्यम, चिन्ना, कृष्ण रेड्डी, वनम नरसिंह, मल्लेश, मैडम मधु, राहुल जंगीया, एस राजकुमार, गोसा शाहिद व अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

सिरसा में मतदान के दिन 2500 जवानों की तैनाती

सिरसा, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के सिरसा में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर 2500 पुलिस और सैनिक बलों की तैनाती की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बुधवार को बताया कि सिरसा पुलिस की ओर से निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से चुनाव करवाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

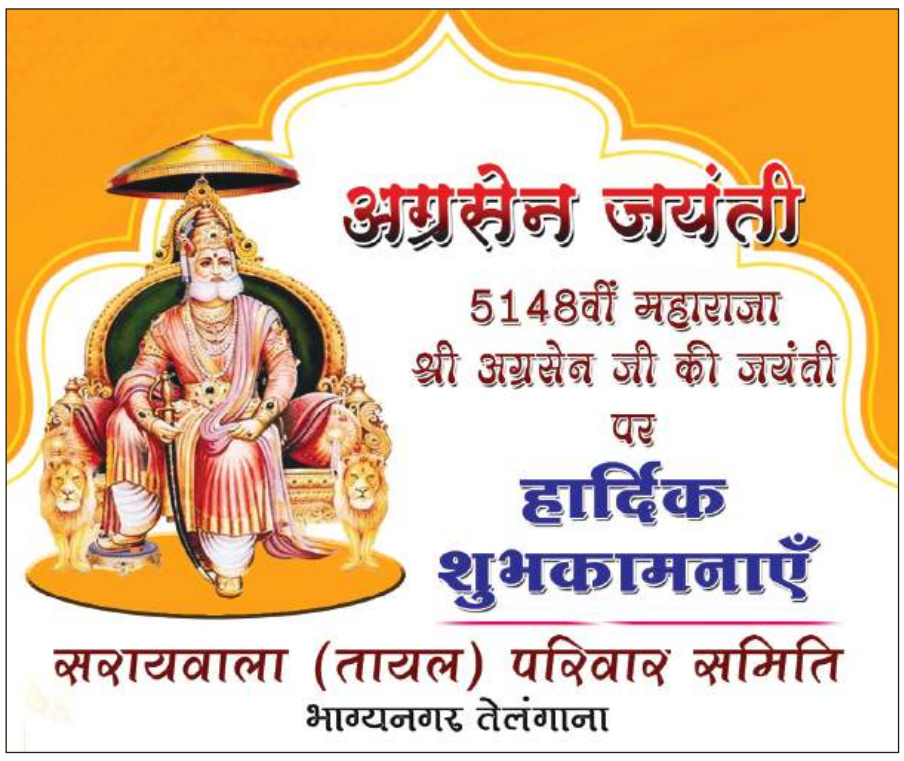

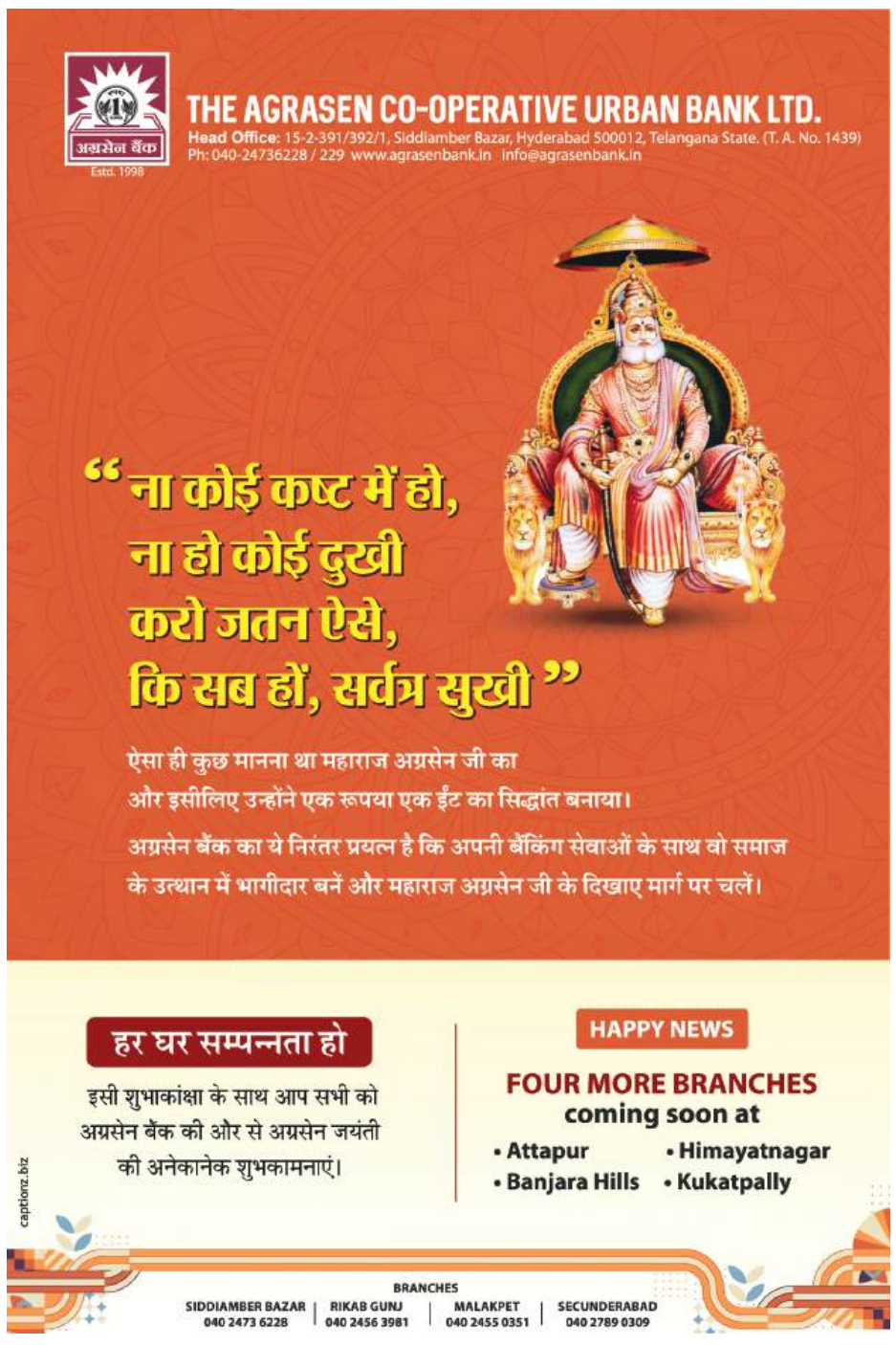

श्री आईजी सेवा संघ में नवरात्रि महोत्सव आज से

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री आईजी सेवा संघ बंडलागुडा,चिरीयाल के तत्वावधान में गुरुवार दि. 03 अक्टूबर से शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2024 तक समाज बन्धुओं के सान्निध्य में नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में भगाराम मुलेवा, चेलाराम भॉयल, बाबूलाल मुलेवा ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रथम वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सान्निध्य में नवरात्रि महोत्सव व डांडिया नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रतिदिन पुजा-अर्चना एवं रात्रि 7.15 बजे से 11.15 बजे तक डांडिया नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सभी भक्तों से माहप्रसादी का लाभ का आग्रह किया गया।

उपरोक्त कार्यक्रम में समस्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहेंगे। समाज बन्धुओं से आग्रह किया गया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार समय पर पधारकर लाभ लेवे।

गुरमीत 20 दिन के पेरोल पर जेल से रिहा

चंडीगढ़, 02 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव से तीन दिन पूर्व बुधवार को साध्वियों के यौन शोषण व पत्रकार रामचंदर छत्रपति की हत्या के मामले में सजा भुगत रहे सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को 20 दिन के पेरोल पर रिहा किया गया।रोहतक की सुनरिया जेल में बंद गुरमीत सिंह जेल से रिहा होते ही उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित आश्रम की ओर रवाना हो गया।

ज्योतिष
ASTROLOGY
नाकौड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

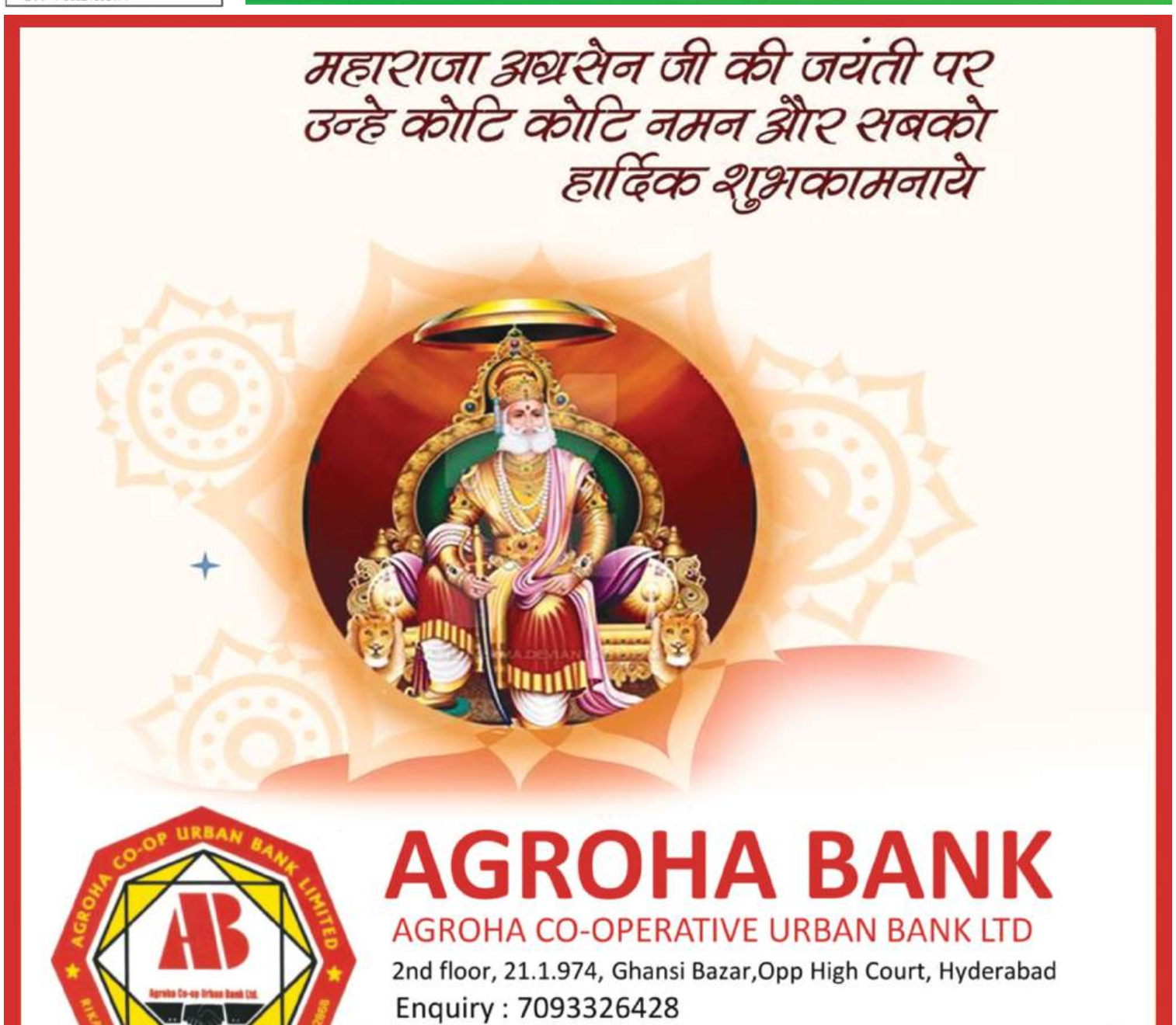

सर्वे भवन्तु सुखिनः | मानव सेवा-माधव सेवा

Regd No. 160/98

अग्रवाल समाज (रजि.) तेलंगाना

301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद

Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com | Website : www.agarwalsamajtelangana.com | M : 8919909873

SRI ADITYA HOMES
in association with
BOUNDARIES UN-LTD

SRI ADITYA Taking lives forward! | BOUNDARIES UN-LTD.

D.E.C THE STANDARD OF QUALITY DEC INFRASTRUCTURE & PROJECTS (INDIA) PVT LTD Co-Sponsor

जयन्ती महोत्सव

महाराजा श्री अग्रसेनजी का 5148वाँ जयन्ती महोत्सव - 2024

गुरुवार दि.3 अक्टोबर 2024 - सायं 6 बजे से - क्लासिक कन्वेंशन सेन्टर III, शमशाबाद, हैदराबाद

Rangtaali Navratri Dandiya Nights Festival

मुख्य अतिथि

श्री जीतेन्द्र IPS
Director General of Police
Telangana Govt.

सम्माननीय अतिथि

श्री रवि गुप्ता IPS — DGP Home Secretary TG

श्री अमित गर्ग IPS — DGP Director, NPA

श्रीमती शिखा गोयल IPS — DGP CIO, Director TG Cyber Security Bureau, TG FSL & Women Safety Wing

श्री संदीप सुल्तानिया IAS — Principle Secretary, Finance Dept. TG

श्री साहिल इनामदार IRS — Addl. Commissioner GST Medchal Govt. of India

श्री शिशिर अग्रवाल IRS — Retd. Chief Commissioner, Income Tax

carnival

विशेष आकर्षण डांडिया कार्यक्रम

अखिल भारतवर्षीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में प्रातः 10:30 बजे
महाराजा अग्रसेन जी का पूजन एवं माल्यार्पण
महाराजा अग्रसेन चौक, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स

"EKAL NARI SHAKTI YOJNA" Presents HEERA SONA CHANDI LUCKY DRAW

PRIZES

1ST PRIZE	GOLD 20 GMS	(1 NO.)
2ND PRIZE	SILVER 1 KG	(1 NO.)
3RD PRIZE	GOLD 10 GMS	(1 NO.)
4TH PRIZE	LG DIAMOND 2 CT	(1 NO.)
5TH PRIZE	LG DIAMOND 1 CT	(1 NO.)
6TH PRIZE	SILVER 200 GMS	(5 NOS.)
7TH PRIZE	SILVER 100 GMS	(10 NOS.)
8TH PRIZE	GOLD 1 GM	(5 NOS.)

CONSOLATION PRIZE SILVER 5 GMS PER BOOK (10 TICKETS)

मनीष अग्रवाल — अध्यक्ष | पुरुषोत्तम अग्रवाल — उपाध्यक्ष एवं जयंती प्रधान संयोजक | कपूरचन्द गुप्ता — मानद मंत्री | श्रीमती कंचन अग्रवाल — सह-मंत्री | नवीन कुमार अग्रवाल — कोषाध्यक्ष | अंजनी कुमार अग्रवाल — निवर्तमान अध्यक्ष | श्री अनिरुद्ध गुप्ता — परामर्शदाता | श्री बद्रीविशाल बंसल — परामर्शदाता एवं पूर्व अध्यक्ष | डॉ. मोहन गुप्ता — परामर्शदाता | श्री अनिल कुमार अग्रवाल — परामर्शदाता | श्री महेश नरेडा — परामर्शदाता | राकेश कुमार जालान — अध्यक्ष, अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल

केन्द्रीय समिति सदस्य - 2023-25 | महिला शाखा 2023-25 | जिला शाखा 2023-25 | युवा शाखा 2023-25 | केंद्रीय समिति मनोनीत सदस्य 2023-25 | जिला समन्वयकर्ता 2023-25

रात्रि भोज एवं फलहार की व्यवस्था

जयंती प्रधान संयोजक : **पुरुषोत्तम अग्रवाल** जयंती कार्यक्रम संयोजक : राकेशकुमार जालान, आशीष दोचानिया, अचल गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, रुपेश अग्रवाल, सूर्यकमल गुप्ता, राजेन्दर जालान

Media Partner Kashvi

सभी अग्रबंधुओं से निवेदन है कि इस विज्ञापन को ही हमारे व्यक्तिगण निमंत्रण का मान देकर अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेनजी जयंती महोत्सव में सपरिवार अवश्य पधारें।

धन संग्रह पात्र | श्रीशैलम यात्री निवास | कन्यादान योजना | अग्रसेन शीतल पेय जलशाला | स्वास्थ्य एवं शिक्षा योजना | जॉब मेला

MPL Steel Pipes | DRS International School | Ratnira | PSR Real Infra LLP | Rajlakshmi Jewellers | Mickey Sri Balaji Plastic Industries | Astral Pipes Kakatiya | Renu Steels Tubes Co. | Sri Salasar Balaji Textiles Pvt. Ltd. | Classic Govt. Contracts | Events | Venues

Sri Mahesh Chand Rupesh Kumar Basaiwala Kaktiya Hills | Koshan Industries LLP | Capco | Agarwal | Saheli Saree Sadan | Slavitridevi | Stores Forever | AE Aluminium Enterprises | Bansidhar Durgaprasad Naretha | N.S. Trade Centre | Agarwal Apparels (Culture) | Signature Events SKG | Kapoorchand Achal Gupta | Modi

शुभ कामनाओं सहित **मनोज कुमार अग्रवाल** | DSL Infrastructure & Space Developers | **DSL VIRTUE MALL**

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Siddiamber Bazar 040 2473 6228 | Malakpet 040 2455 0351 | Rikab Gunj 040 2456 3981 | Secunderabad 040 2789 0309

अग्रकुल शिरोमणी महाराजा श्री अग्रसेनजी की जन्म जयंती पर सभी अग्रबंधुओं का हार्दिक शुभकामनाएँ

AGARWAL SAMAJ BANQUET HALL, TELANGANA

Full Day - Rs.50,000/- | Lunch/Dinner - Rs.30000/- | Breakfast - Rs.10000/-

The above rates include electricity and parking charges. Vallet charges shall be extra.

Marriages | Engagements | Birthday Parties | Anniversary Celebrations | Pre-Wedding Events
Bhajan/Spiritual Events | Conferences | Seminars | Get Togethers | Exhibitions | Training Programs

Above Bajaj Electronics, Paradise, Secunderabad
For Bookings Contact : 9100791002

SALIENT FEATURES
4200 Sq.Ft. Full illuminated
Air-Conditioned Hall
Suitable for gatherings from 50-300 PAX
In house state of the Art Sound System
20 Seater Conference Room
Ample Parking Space
Fully equipped Pantry
100% Power Back-up

अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल, पैराडाइज, सिकंदराबाद हॉल बुकिंग के लिए संपर्क करें : 9100791002

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.